@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 19 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 70 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जूना अखाड़े में 1500 से अधिक नागा संन्यासियों का हुआ दीक्षा संस्कार

महाकुंभनगर, 18 जनवरी। प्रयागराज महाकुम्भ का श्रृंगार है यहां सेक्टर 20 में मौजूद सनातन धर्म के ध्वज वाहक 13 अखाड़े। महाकुम्भ नगर में जन आस्था के केंद्र इन अखाड़ों के नागा संन्यासियों की फौज में नई भर्ती का सिलसिला शुरू हो गया है। गंगा के तट पर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अवधूतों को नागा दीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो गई। संन्यासी अखाड़ों में सबसे अधिक नागा संन्यासियों वाला अखाड़ा है श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा जिसमें निरंतर नागाओं की संख्या बढ़ती जा रही है जिसके विस्तार की प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई। भगवान शिव के दिगम्बर भक्त नागा सन्यासी महाकुम्भ में सबका ध्यान अपनी तरह खींचते हैं और यही वजह है शायद कि महाकुम्भ में सबसे अधिक जन आस्था का सैलाब जूना अखाड़े के शिविर में दिखता है। अखाड़ों की छावनी की जगह सेक्टर 20 में गंगा का तट इन नागा संन्यासियों की उस परम्परा का साक्षी बना जिसका इंतजार हर 12 साल में अखाड़ों के अवधूत करते हैं । श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय मंत्री श्री महंत चैतन्य पुरी ने बताया कि शनिवार को नागा दीक्षा की शुरुआत हो गई है। पहले चरण में 1500 से अधिक अवधूत को नागा संन्यासी की दीक्षा दी जा रही है । नागा संन्यासियों की संख्या में जूना अखाड़ा सबसे आगे है जिसमे अभी 5.3 लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं। नागा संन्यासियों केवल कुंभ में बनते हैं वहीं उनकी दीक्षा होती है। सबसे पहले साधक को ब्रह्मचारी के रूप में रहना पड़ता है। उसे तीन साल गुरुओं की सेवा करने और धर्म-कर्म और अखाड़ों के नियमों को समझना होता है। इसी अवधि में ब्रह्मचर्य की परीक्षा ली जाती है। अगर अखाड़ा और उस व्यक्ति का गुरु यह निश्चित कर ले कि वह दीक्षा देने लायक हो चुका है तो फिर उसे अगली प्रक्रिया में ले जाया जाता है। यह प्रकिया महाकुम्भ में होती है जहां वह ब्रह्मचारी से उसे महापुरुष और फिर अवधूत बनाया जाता है। महाकुम्भ में गंगा किनारे उनका मुंडन कराने के साथ उसे 108 बार महाकुम्भ की नदी में डुबकी लगवाई जाती है। अन्तिम प्रक्रिया में उनका स्वयं का पिण्डदान तथा दण्डी संस्कार आदि शामिल होता है। अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर उसे नागा दीक्षा देते हैं।

पीएम मोदी ने बांटे 65 लाख संपत्ति कार्ड्स

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में देश के 230 से अधिक जिलों के करीब 50,000 गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम में शामिल हुए। इस स्वामित्व योजना से 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के लाखों लोगों को फायदा होगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल, मप्र, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, यूपी और जम्मू- कश्मीर एवं लद्दाख के संपत्ति मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी किए गए। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन देश के गांवों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ऐतिहासिक है। यह एक बड़ी समस्या थी, लेकिन राज्य सरकारों, अधिकारियों और ग्राम पंचायत के हजारों सहयोगियों की कोशिशों से लाखों लाभार्थियों को स्वामित्व योजना का लाभ मिला। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, स्वास्थ्य समस्याएं और आपदाएं प्रमुख हैं, लेकिन दुनिया एक और बड़ी चुनौती से जूझ रही है और वो है संपत्ति का अधिकार। कई वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र ने एक अध्ययन किया था, जिसमें कई देशों में संपत्ति के अधिकारों का अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में पता चला कि दुनिया के कई देशों में लोगों के पास उनकी संपत्ति के कानूनी दस्तावेज ही नहीं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने साफ कहा था कि अगर गरीबी को कम करना है तो लोगों को संपत्ति का अधिकार देना बेहद जरूरी है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है और हमारी स्थिति भी अन्य देशों जैसी ही है। गांवों में लोगों के पास लाखों-करोड़ों रुपये की संपत्ति है, लेकिन उनके पास इसके कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। ऐसे में मालिकाना हक को लेकर विवाद होते हैं। कई जगहों पर ताकतवर लोग गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर लेते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामित्व कार्ड्स बांटने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लाभार्थियों से बात भी की। उन्होंने कहा कि इस योजना से लोगों को ऋण और

सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, पिछली सरकारों को इस संबंध में कुछ कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन कुछ खास नहीं किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि दलित, पिछड़े वर्ग और आदिवासी इस कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा,कानूनी संपत्ति अधिकार मिलने के बाद लाखों लोगों ने ऋण लिया है। उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल अपना कारोबार शुरू करने में किया है। इनमें से कई किसान हैं, जिनके लिए ये संपत्ति कार्ड वित्तीय सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामित्व और भू-आधार गांवों के विकास की नींव बनेंगे। स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को बढ़ाने की दृष्टि से 24 अप्रैल, 2020 को (राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर) प्रधानमंत्री की ओर से शुरू की गई थी। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल तरीके से तैयार किया जाता है, जिससे भूमि विवादों को कम किया जा सके। गौरतलब है कि योजना के तहत 3.17 लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जो लक्ष्य का 92 फीसदी है। वहीं, 1.53 लाख गांवों के लिए करीब 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए गए हैं।

देखना एक दिन मैं शाही स्नान करूंगी: हर्षा रिछारिया

कौमी संवाददाता

प्रयागराज, 18 जनवरी। प्रयागराज महाकुंभ 2025 में पेशवाई के रथ पर बैठने के बाद चर्चा में आईं राजधानी भोपाल की हर्षा रिछारिया सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हर्षा को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। इससे आहत होकर उन्होंने अब महाकुंभ से जाने तक की बात भी कह दी है। इन मामलों पर अमर उजाला ने भोपाल में हर्षा रिछारिया की मां किरण रिछारिया से बातचीत की। मां किरण रिछारिया ने कहा कि उनकी बेटी शिव भक्त है, गलत नहीं है। उसने साल 2004 में कहा था कि एक दिन वह शाही स्नान करेगी और इस बार उसकी यह प्रतिज्ञा पूरी भी हुई। साथ ही उन्होंने उनके ट्रोलर को जवाब दिया। वहीं, हर्षा से कहा कि वह महाकुंभ से न आए और अपनी आराधना, पूजा और गुरुओं की सेवा करे। मां ने हर्षा से अपील किया कि जिस मकसद से कुंभ गई हो, वो मकसद पूरा करो। आराधना करो और शिव से जुड़े

रहो। अब पढ़िए बातचीत के प्रमुख अंश... आप परिवार के साथ 2004 में सिंहस्थ कुंभ स्नान करने आए थे, उस समय हर्षा ने आपसे क्या बात कही थी? साल 2004 में हम उज्जैन स्नान के लिए आए थे। उस समय बच्चे बहुत छोटे थे। स्नान के लिए जब जाते हैं तो आम जनता के साथ शाही स्नान नहीं कराया जाता है। आम जनता का समय अलग होता है या उनको जाने ही नहीं देते हैं। हम स्नान के लिए जा रहे थे, लेकिन हमको घेरे से बाहर कर दिया गया था। मेरी बच्चे उस समय छोटी थी। उसने कहा कि मां आप रो मत। यही कुंभ आएगा, जिस दिन हम यही शाही स्नान खुद गुरुओं के साथ करेंगे। उस समय मैंने उसकी बात हंसी से टाल दी थी। क्योंकि उस समय वह बच्ची थी। अब मुझे वह बात याद आई कि कुंभ के समय में मेरी बेटी ने शाही स्नान किया। यह उसकी प्रतिज्ञा थी या ऊपर वाले का आशीर्वाद उसके साथ रहा, जो पूरा हो गया। हर्षा को लेकर कुंभ में कुछ विवाद जुड़ गए हैं? साधु-संत उनको लेकर सवाल कर रहे हैं? देखिए, हम यही कहेंगे कि आप लोग बड़े हैं। वह एक मध्यम परिवार की बेटी है। कुछ गलत नहीं है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि वह फॉलोवर बढ़ाने के लिए यह सब कर रही है। यह सब झूठ है। वह वाकई में शिव भक्त है। वह भगवान शिव की ही आराधना करने के लिए कुंभ में गई है। कोई गलत नियत और गलत सोच के साथ वह कुंभ नहीं गई है। मैं उनसे यही कहूंगी कि आप लोग उसे ऐसा न कहें। आप लोग आदरणीय और पूजनीय हैं। आप लोग उसे सही रास्ता दिखाएं, उसे गलत मत समझिए। नहीं, अभी इस विषय में मेरी बात नहीं हुई। इन विषयों पर कोई ज्यादा बात भी नहीं करती है। वह सिर्फ यह कहती है कि मम्मी आप मुझ पर भरोसा रखना। मैं कभी गलत काम नहीं करुंगी और न कर रही हूं। मैं सिर्फ यहां आराधना के लिए आई थी।

पूर्व मंत्री संपत सिंह ने बिना नाम लिए हुड्डा पर कसा तंज

हिसार (हरियाणा), 18 जनवरी। पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने बिना नाम लिए पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जुबानी हमला बोला। संपत सिंह ने कहा कि किसानों, जवानों, पहलवानों, कर्मचारियों, व्यापारियों ने लाठियां खाईं। माहौल कांग्रेस के हक में बना दिया। जनता लोकसभा की दस की दस सीट कांग्रेस को देना चाहती थी। लेकिन आप दस नहीं चाहते थे। मकर सक्रांति के दिन की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसमें बरवाला के पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला ने सभा बुलाई थी। इस सभा में संबोधित करते हुए संपत सिंह ने कहा कि भिवानी-महेंद्रगढ़ में श्रुति चौधरी की टिकट को मिलती तो शत प्रतिशत कांग्रेस जीतती। इस खुन्नस में टिकट काट दी कि अगर यह बन गई तो सीएम बनने में दिक्कत करेगी। गुरुग्राम में राजबब्बर को लाने का क्या मतलब बनता था, वहां कैप्टन अजय सिंह की टिकट काट दी। फरीदाबाद में खेल हुआ। करनाल में जो खेल हुआ उससे हर आदमी समझ गया कि कांग्रेस की स्टेट की टिकट देने वाले भाजपा से मिले हुए हैं। करनाल में मनोहरलाल को जिताने के लिए कांग्रेस के नेताओं न प्यादा खड़ा कर दिया। नेताओं ने लोगों के इच्छा के खिलाफ काम किया। लकड़बघ्घे टाइप लोगों को पता होता था कहां पहुंच गए। आज के दिन राजनीति में मेरे से सीनियर कोई नहीं है। कोई बुरा मानो तो माने। 1982 में आजाद जीतकर आया था। अरे भले आदमी कुछ तो सोचते। 2009 में आपकी सरकार किसने बनाई थी। जब आपकी 40 सीट आई तो संपत सिंह ने लोकदल को ठोकर मार कर कांग्रेस को ज्वाइन किया था।

लालू यादव से मिले राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

पटना, 18 जनवरी। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का महत्व घटने की बात एक बार फिर गप्पबाजी साबित हुई है, क्योंकि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पटना आए तो आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उनसे बातचीत करने से खुद को नहीं रोक सके। यह पहले से उन्होंने अपने प्लान में नहीं रखा था, लेकिन पटना में कांग्रेस की सभा और कार्यकर्ताओं से संवाद के बाद उन्होंने लालू प्रसाद यादव से मिलने की जानकारी दी। करीब 3ः40 पर वह सदाकत आश्रम पहुंचे और इसके पहले ही बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को जानकारी दे दी गई कि राहुल गांधी राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मिलने के लिए पहुंच रहे हैं। बीपीएससी अभ्यर्थियों से मिलते हुए वह लालू प्रसाद यादव से बात करने उनके पास पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी करीब आधे घंटे तक राबड़ी आवास में रहे। यहां भी उन्होंने मीडिया से सीधी बात नहीं की। अंदर वह आधे घंटे तक रहे और मौजूदा राजनीति से लेकर बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति तक बात हुई। यह बात गंभीरता से नहीं हुई, लेकिन चूड़ा खाने से लेकर गौशाला देखने के बीच उन्होंने आगे की तैयारी के लिए जल्द मिलने की बात जरूर की। इस मुलाकात के बाद जब मीडिया ने लालू यादव से जानकारी चाहती तो उन्होंने

सिर्फ यह कहा- सब अच्छा है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी कुछ जानकारी नहीं दी। तेजस्वी यादव ने पिछले दिनों साफ कर दिया था कि लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों का बना गठबंधन- इंडिया का अस्तित्व अब नहीं रहा है। इसके साथ ही बिहार में महागठबंधन के बैनर तले ही चुनाव में उतरने की बात हो चुकी है। अमर उजाला से एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में तेजस्वी यादव ने सीएम फेस को लेकर अपने नाम की एक तरह से मुहर भी लगा दी थी। शनिवार को राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने भी साफ कर दिया कि महागठबंधन यह विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लक्ष्य के साथ लड़ेगा। इन सारी बातों के साथ यह भी तय है कि बिहार में महागठबंधन के अंदर राजद ही बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। ऐसे में राहुल गांधी का लालू प्रसाद यादव से मिलना साफ बता रहा है कि चुनावी तैयारी किस रास्ते पर होगी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से फाइनल बात हुए बगैर ही लालू प्रसाद ने अपने हिसाब से सीटों पर राजद प्रत्याशियों का नाम घोषित कर दिया था। कांग्रेस को इस कारण दिक्कत हुई थी। विधानसभा चुनाव में ऐसा न हो, इसके लिए पहले ही सीट बंटवारे का खाका तैयार करना शनिवार की मुलाकात का एक मुद्दा था, हालांकि इसपर आगे जल्द ही विमर्श की बात हुई। राहुल गांधी शनिवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में आए और उन्होंने लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की योजना बताई, लेकिन इस बीच वह बिहार लोक सेवा आयोग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 70वीं प्राथमिक परीक्षा के अभ्यर्थियों से मिलने के लिए गर्दनीबाग स्थित धरना स्थल पर भी पहुंचे।

पकड़ा गया सैफ अली खान पर हमला करने वाला संदिग्ध

तेजिन्दर कौर बब्बर

दुर्ग, 18 जनवरी। मुंबई में सैफ अली खान पर हमले के मामले में एक संदिग्ध को दुर्ग आरपीएफ हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आरपीएफ ने शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से एक युवक को हिरासत में लिया है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई पुलिस ने आरपीएफ पुलिस को एक तस्वीर भेजी थी जिसके आधार पर आरपीएफ पुलिस ने शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल बोगी से एक युवक को हिरासत में लिया है। युवक मुंबई से बिलासपुर जा रहा था और जरनल बोगी में यात्रा कर रहा था।दरअसल बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हाल ही में उनके मुंबई स्थित घर में घुसकर एक शख्स ने हमला कर दिया था। वहीं आरपीएफ प्रभारी संजीव सिन्हा ने बताया कि मुंबई पुलिस द्वारा एक फोटो दुर्ग आरपीएफ को भेजी गई थी, जिसके आधार पर शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस की जनरल बोगी से संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया। युवक का नाम आकाश कैलाश कनौजिया है जो मुंबई का रहने वाला है। ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में बैठकर बिलासपुर जा रहा था जहां से तिल्दा नेवरा में अपने परिचित के घर जाने की बात युवक ने आरपीएफ को बताया है। आरपीएफ ने मुंबई पुलिस को संदिग्ध युवक की फोटो भेजकर पहचान कराई है। अभी आरपीएफ

पुलिस ने युवक से पुछताछ नहीं की, मुंबई पुलिस के आने के बाद पूछताछ की जाएगी। मुंबई पुलिस आठ बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी जिसके बाद दुर्ग आएगी। अस्पताल के डॉक्टरों ने शनिवार को साझा किया कि सैफ का स्वास्थ्य अब बेहतर है। उन्होंने आईसीयू से बाहर निकलकर सामान्य आहार लेना शुरू कर दिया है। डॉक्टरों के अनुसार सैफ को पूरी तरह से ठीक होने में समय लगेगा, लेकिन उनकी हालत स्थिर है और वह अपनी सेहत में सुधार महसूस कर रहे हैं। अभिनेता पर बुधवार देर रात उनके बांद्रा स्थित घर में एक अजनबी ने हमला किया था, जिसमें सैफ को गर्दन और रीढ़ की हड्डी के पास चाकू से कई गंभीर चोटें आईं। इस हमले के बाद उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें इमरजेंसी सर्जरी से गुजरना पड़ा। लीलावती अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे ने शुक्रवार को कहा, हम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं। वह हमारी उम्मीदों के अनुसार बहुत अच्छा सुधार कर रहे हैं। हमने उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी है। अगर वह आराम महसूस करते हैं तो हम उन्हें दो से तीन दिनों में डिस्चार्ज कर सकते हैं। डॉ. डांगे ने यह भी जानकारी दी कि एक डॉक्टरों की टीम ने उनकी जांच की और उन्हें चलने के लिए प्रोत्साहित किया।

छगन भुजबल राकांपा की बैठक में होंगे शामिल

मुंबई, 18 जनवरी। राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने महाराष्ट्र कैबिनेट से खुद को बाहर किए जाने को लेकर पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर निशाना साधा था। उन्होंने शनिवार को बताया कि वे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुरोध पर पार्टी सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। राकांपा नेता ने कहा कि दो दिवसीय राकांपा सम्मेलन में उनकी उपस्थिति का यह मतलब नहीं कि सभी मुद्दे सुलझा लिए गए। पत्रकारों से बात करते हुए राकांपा नेता छगन भुजबल ने कहा, पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल मुझसे दो घंटे तक मुलाकात की और मुझसे सिरडी सम्मेलन में शामिल होने का अनुरोध किया। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने फोन पर मुझसे बात की और सिरडी आने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि वे केवल प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के अनुरोध के कारण पार्टी बैठक में शामिल हो रहे हैं। छगन भुजबल ने कहा, इसका यह मतलब नहीं है कि सभी मुद्दे सुलझा लिए गए। यह एक पार्टी बैठक है, किसी व्यक्ति विशेष की बैठक नहीं है। पूर्व मंत्री छगन भुजबल को इस बार महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने इसके लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार को जिम्मेदार ठहराया। इसके विरोध में वे राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से भी दूर रहे। इसके साथ ही उन्होंने एक अलग राजनीतिक राह अपनाने का संकेत देते हुए कहा था, जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना।

आरजी कर मामला: सजा को चुनौती देने की कोई योजना नहीं: संजय रॉय की बहन

नरेश मल्होत्रा

कोलकाता, 18 जनवरी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में सियालदह सिविल और क्रिमिनल कोर्ट ने आज फैसला सुनाया। अदालत ने मुख्य आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिया। इस फैसले के कुछ मिनट बाद ही आरोपी की बड़ी बहन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि परिवार की अदालत में आदेश को चुनौती देने की कोई योजना नहीं है। आरोपी की बहन ने अपना चेहरा दुपट्टा से छिपा रखा था। सियालदह कोर्टरूम में जहां उनके भाई को पेश किया गया वहां वह मौजूद नहीं थी। पत्रकारों ने संजय रॉय की बहन से बात करने की कोशिश की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, कृपया मुझे अकेला छोड़ दें। हम बिखर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर उसने कोई अपराध किया है तो उसे उचित सजा मिलनी चाहिए। हम इस फैसले को चुनौती देने की योजना नहीं बना रहे हैं। मैं अपने ससुराल में रहती हूं। 2007 में मेरी शादी के बाद से मेरा अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं है, जबकि मेरी मां की तबीयत ठीक नहीं है। महिला ने अपना नाम न बताने की शर्त पर बताया कि बचपन में उनका भाई सामान्य लड़के जैसा था। बहन ने कहा, जैसे जैसे वह बड़ा हुआ, उसने शराब पीना शुरू कर दिया। इसके बावजूद मैंने संजय के नाम पर कोई ऐसा मामला नहीं सुना जिसमें वह किसी महिला के साथ दुर्व्यवहार किया हो। हालांकि, कुछ वर्षों से हमारी रोजाना बात नहीं होती थी और वह दूसरे इलाके में रहता था। मुझे उसके संबंधों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। संजय रॉय की मां ने इस मामले में मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मुझे कुछ नहीं कहना। कृपया मुझे अकेला छोड़ दें। आस-पड़ोस के लोग जिन्होंने मीडिया को संजय रॉय के परिवार तक पहुंचाया, वे घर के बाहर एकत्र हो गए। एक पड़ोसी ने कहा, अगर उसने जघन्य अपराध किया तो उसे सजा मिलनी चाहिए। अगर अन्य लोग भी इसमें शामिल हैं तो उन्हें भी बेदाग नहीं जाने दिया जाएगा। बता दें कि फैसला दोपहर के 2ः30 बजे कोर्टरूम 210 में सुनाया गया। आरोपी संजय रॉय ने अदालत में दावा किया कि उसे फंसाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि उसे सोमवार को अदालत में बोलने का मौका दिया जाएगा। अदालत सोमवार को सजा सुनाएगी। संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता की धारा 64, 66 और 103(1) के तहत दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया। आरजी कर अस्पताल की प्रशिक्षु डॉक्टर से दरिंदगी मामले में एकमात्र आरोपी संजय रॉय को दोषी करार देते हुए सियालदह कोर्ट के जज अनिर्वाण दास ने कहा कि दोषी ने 9 अगस्त 2024 को सुबह करीब 4 बजे अस्पताल के सेमिनार रूम में सो रही पीजी प्रशिक्षु पर हमला किया। संजय ने डॉक्टर से दुष्कर्म किया और उसके बाद उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। जज ने फैसला खुली अदालत में सुनाया लेकिन सुनवाई बंद कमरे में हुई थी। 160 से अधिक पेज के फैसले में

न्यायाधीश ने कहा कि मैंने अपराध की जगह और आरोपी के मोबाइल टावर लोकेशन पर विचार किया। मैंने पुलिस और अस्पताल अधिकारियों की कुछ गतिविधियों की आलोचना की है जो साक्ष्य में सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता-पीड़िता के पिता के उठाए गए कुछ सवालों के जवाब फैसले में दिए गए हैं। इन आरोपों के आधार पर आपके (रॉय) खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64, 66 और 103 (1) के तहत आरोप तय किए गए थे। इस मामले में गवाहों के बयानों और पेश दस्तावेज के आधार पर आपका अपराध सिद्ध हो गया है और आपको दोषी ठहराया जा रहा है। न्यायाधीश दास ने कहा कि बीएनएस की धारा 64 (दुष्कर्म) के तहत कम से कम 10 साल की सजा हो सकती है और यह आजीवन कारावास तक हो सकती है। धारा 66 (पीड़िता की मृत्यु या उसे लगातार निष्क्रिम अवस्था में पहुंचाने के लिए सजा) में कम से कम 20 साल की सजा का प्रावधान है, जिसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इसका अर्थ है आरोपी के शेष जीवन के लिए कारावास या मृत्यु। बीएनएस की धारा 103 (1) (हत्या) में अपराध के लिए दोषी व्यक्ति को मृत्युदंड या आजीवन कारावास का प्रावधान है। न्यायाधीश ने कहा कि मैंने कई बिंदुओं पर विचार किया। इसमें पीड़िता की प्रोफाइल, उसकी ड्यूटी के घंटे और 8-9 अगस्त 2024 के बीच उसे आखिरी बार कब और कहां जीवित देखा गया था। मैं इस बात पर भी विचार किया कि पीड़िता कब और कहां मृत पाई गई और किसने सबसे पहले पाया कि उसकी मृत्यु हो गई है, मृत्यु का कारण और समय।

मोहन लाल को पार्टी की पवित्रता के लिए देना चाहिए इस्तीफा: विज

हरियाणा, 18 जनवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली प्रकरण मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस प्रकरण को लेकर शनिवार को ऊर्जा मंत्री अनिल विज का बयान सामने आया। उन्होंने पत्रकारों द्वारा इस संबंध में प्रश्न पूछने पर कहा कि मोहनलाल ने कहा है कि मैं निर्दोष हूं और जो गवाह थी उसने भी कहा कि मैं निर्दोष हूं और मुझे पूरा भरोसा है कि हिमाचल पुलिस की जांच में वे निर्दोष साबित होंगे। लेकिन जब तक हिमाचल की पुलिस उनको (मोहन लाल बडोली) निर्दोष साबित नहीं कर देती तब तक पार्टी की पवित्रता को बनाए रखने के लिए उनको (मोहन लाल बडोली) इस पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यमुनानगर में 800 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट स्थापित होने के सारे रास्ते साफ हो गए हैं। इस बारे में कल ही पर्यावरण मंत्री से बात की थी। उम्मीद है कि उनकी चिट्ठी आ गई होगी। अगर आज उनकी चिट्ठी आ गई होगी तो आज ही हम एजेंसी को अपना काम आरंभ करने की चिट्ठी जारी कर देंगे। बिजली की दरों में सरचार्ज को बढ़ाने के संबंध में साफ करते हुए मंत्री विज ने कहा कि हरियाणा में किसी भी प्रकार का बिजली सरचार्ज नहीं बढ़ाया गया है बल्कि पिछले साल का जो सरचार्ज था उसे ही जारी किया गया है। मंत्री विज ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि लेकिन यह (विपक्ष) तो बयान बहादुर है और फटाफट जो कोई चिट्ठी देखी और बयान दे दिया। उन्होंने विपक्ष को समझाते हुए कहा कि पहले पढ़ तो लो सारी चिट्ठी कि उसमें क्या लिखा हुआ है। जबकि उसमें कंटिन्यू लिखा हुआ है नया कोई सरचार्ज नहीं लगाया गया। भ्रष्ट पटवारियों के नाम जारी होने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने कुछ किया है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने डाटा एकत्रित किया है और इसके लिए मैं सरकार को साधुवाद देता हूं कि सरकार ने इस डाटा को एकत्रित किया है।

इमरान खान और बुशरा बीबी को अल-कादिर ट्रस्ट केस में 14 और सात साल जेल की सजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बहुचर्चित अल-कादिर ट्रस्ट केस में आखिरकार आज अदालत ने फैसला सुना दिया। इस केस में अपदस्थ प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर करीब 50 अरब रुपयों (लगभग 190 मिलियन पाउंड) की हेराफेरी करने का आरोप है। अदालत ने इमरान खान को 14 साल और बुशरा को सात साल जेल की सजा सुनाई। इमरान लंबे समय से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं।

डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद की भ्रष्टाचार विरधी अदालत के जज नासिर जावेद राणा ने अदियाला जेल में बनाए गए एक अस्थायी अदालत कक्ष में फैसले की घोषणा की। अदालत ने इमरान और बुशरा पर क्रमशः 10 लाख रुपये और 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। फैसले के मद्देनजर अदियाला जेल के बाहर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया। आम चुनाव के फौरन बाद 27 फरवरी, 2024 को इस मामले में दंपति को दोषी ठहराया गया था। आज फैसला आने से पहले अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बातचीत में पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा, आप पिछले दो वर्षों में हुए अन्याय का अनुमान लगा सकते हैं। अगर निष्पक्ष फैसला हुआ तो इमरान और बुशरा बरी हो जाएंगे।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट मिशन फेल

टेक्सास। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट मिशन फेल हो गया। स्पेसएक्स ने कहा कि गुरुवार को उड़ान भरने के बाद ही दिक्कतें पेश आने लगी थीं। इस वजह से मिशन का अगला चरण पूरा नहीं हो पाया। स्पेसएक्स ने इस विफलता पर बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा कि स्पेसएक्स ने सुबह अपने स्टारशिप रॉकेट को लॉन्च किया। लॉन्चिंग के कुछ देर बाद अंतरिक्षयान का स्पेसएक्स से संपर्क टूट गया और तबाह होने के बाद अंतरिक्षयान का मलबा हवा में फैल गया। एलन मस्क ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि सफलता अनिश्चित है, लेकिन मनोरंजन की गारंटी है। यह स्टारशिप रॉकेट की सातवीं परीक्षण उड़ान थी। स्पेसएक्स के मिशन कंट्रोल के कम्युनिकेशन मैनेजर ने कहा कि स्टारशिप से संचार टूटने की वजह ऊपरी चरण में हुई तकनीकी खामी रही। कुछ मिनट बाद ही अंतरिक्षयान पूरी तरह से नष्ट हो गया और उसका मलबा आकाश में बिखर गया।

इजरायल ने गाजा में बंधकों को मुक्त कराने के लिए संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दी

यरूशलम। इजरायल सरकार ने एक लंबी कैबिनेट बैठक के बाद गाजा पट्टी में उसके बंधकों की रिहाई के उद्देश्य से संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आज यह जानकारी दी गयी। कैबिनेट बैठक में 24 मंत्रियों ने पक्ष में और आठ ने विपक्ष में मतदान किया। यह समझौता रविवार से प्रभावी होने की उम्मीद है। गाजा में बंद तीन इजराइली महिलाओं और 95 फिलिस्तीनी कैदियों को समझौते के पहले चरण के तहत कल रिहा किया जाना है। इजरायल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बैठक में कहा कि उन्हें अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया है कि उनके पदभार ग्रहण करने के बाद इजरायल को रोकी गई हथियारों की आपूर्ति मिलेगी।

श्री नेतन्याहू ने कहा, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर हम समझौते के दूसरे चरण तक नहीं पहुंचते हैं, तो हमारे पास लड़ाई में वापस लौटने के लिए अतिरिक्त उपकरण होंगे। समझौते के उल्लंघन की स्थिति में श्री ट्रम्प इजराइल को युद्ध में वापस लौटने के लिए पूरा समर्थन दे रहे हैं। गौरतलब है कि इजरायल की प्रतिबंधित सुरक्षा कैबिनेट द्वारा गाजा में बंधकों के लिए संघर्ष विराम समझौते के पक्ष में मतदान करने के बाद पूर्ण कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। हालांकि दो दक्षिणपंथी मंत्रियों, इतामार बेन-ग्वीर और बेजेल स्मोट्रिच ने समझौते का विरोध किया और समझौते के पहले चरण के पूरा होने के बाद गाजा में लड़ाई फिर से शुरू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की मांग की। संघर्ष विराम के बाद हमास 33 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा।

श्रीलंका पुलिस के इतिहास में अबतक की सबसे बड़ी ड्रग मनी बरामद

कोलंबो। श्रीलंका में पुलिस नारकोटिक्स ब्यूरो (पीएनबी) ने कुरुनेगला क्षेत्र में 283 मिलियन रुपये से अधिक नकद जब्त किए, जो श्रीलंकाई पुलिस के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी राशि है। डेली मिरर ने एक रिपोर्ट में कहा कि अनुमान है कि यह पैसा मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त हुआ है, जिसे दो वाहनों के साथ एक घर में छिपाकर रखा गया था। कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक प्रियंथा वीरसूर्या ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह पैसा जेल के अंदर से काम करने वाले एक मादक पदार्थ तस्कर का है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस बरामदगी के बारे में कुरुनेगला मजिस्ट्रेट अदालत को सूचित कर दिया है।

अमेरिकी में चीन की कंपनी को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट से टिकटॉक पर प्रतिबंध को हां

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने चीन के सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक की विदाई का रास्ता साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखा। रविवार को कानून लागू होने पर इसे ऐप स्टोर से हटा दिया जाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में टिकटॉक लोकप्रिय ऐप है। अमेरिका में 170 मिलियन से अधिक लोग इसका का प्रयोग करते हैं। सीबीएस न्यूज चैनल के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने आमराय से यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के बाइडेन प्रशासन के प्रतिबंध कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि प्रावधान किसी भी तरह के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। व्हाइट हाउस ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि

बाइडेन प्रशासन रविवार को प्रतिबंध लागू नहीं करेगा और इसे ट्रंप प्रशासन पर निर्णय लेने के लिए छोड़ देगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि वह टिकटॉक पर निर्णय लेने से पहले स्थिति की समीक्षा करेंगे। फैसले के बाद टिकटॉक ने कहा कि हाउस और न्याय विभाग यह स्पष्ट नहीं कर सके कि ऐप पर प्रतिबंध क्यों जरूरी है। वह भी तब, जब 170 मिलियन से अधिक अमेरिकी इसका प्रयोग करते हैं। दुर्भाग्य से टिकटॉक 19 जनवरी को अंधेरे में गुम हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रतिबंध के चुनौतीपूर्ण प्रावधान महत्वपूर्ण सरकारी हित को आगे बढ़ाते हैं। इनका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से कोई लेना-देना नहीं है। अदालत ने कहा कि अब टिकटॉक या तो इसे बेच देगा या प्रतिबंध का सामना करेगा। चीन के इस ऐप के अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा तक पहुंच प्राप्त करने से रोकने के लिए ऐसा जरूरी है। कानून के अनुसार टिकटॉक को या तो अपनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा या 19 जनवरी से अमेरिकी ऐप स्टोर और होस्टिंग सेवाओं से अलग होना होगा। उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अदालत से कानून के कार्यान्वयन को रोकने का आग्रह किया था। ट्रंप 20 जनवरी को दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने पर ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यह अपेक्षित था और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। सनद रहे सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में टिकटॉक को जीवन का अविभाज्य हिस्सा घोषित करने से भी इनकार कर दिया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, बाइटडांस ने अमेरिका में इस लड़ाई को जनता के माध्यम से लड़ने की योजना बनाई है।

श्रीलंका ने अंडर वर्ल्ड सरगना पोडी लेस्सी को भारत से सौंपने का किया आग्रह

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका का अंडर वर्ल्ड सरगना अरुमहंडी जेनिथ मदुशंका सिल्वा उर्फ पोडी लेस्सी भारत में पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। श्रीलंका ने आधिकारिक रूप से भारत से उसे सौंपने का आग्रह किया है। लेस्सी को 16 जनवरी को मुंबई में गिरफ्तार किया गया। जेनिथ मदुशंका डी सिल्वा उर्फ पोडी लेस्सी कुख्यात ड्रग तस्कर है। वह श्रीलंका में संगठित अपराधियों के गिरोहों का नेतृत्व करता है। स्थानीय समाचार पत्र डेली न्यूज के अनुसार, श्रीलंका की कार्यवाहक आईजीपी प्रियंता वीरसूर्या ने भारत से आधिकारिक तौर पर पोडी लेस्सी को सौंपने का अनुरोध किया है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित श्रीलंकाई उच्चायोग से इस संबंध में भारतीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने को कहा है। श्रीलंका पुलिस के प्रवक्ता बुद्धिका मनतुंगा ने कहा कि पोडी लेस्सी को पिछले साल नौ दिसंबर को बालापिटिया मजिस्ट्रेट की अदालत से सशर्त जमानत मिलने पर जेल से रिहा किया गया था। अदालत ने उसकी विदेश यात्रा पर रोक लगा दी थी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया

कि लेस्सी चकमा देकर देश से भाग गया। कुछ दिन बाद उसके भारत में होने की सूचना मिली। इसे इंटरपोल के साथ से साझा कर भारतीय अधिकारियों से सहायता मांगी गई थी।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल की औपचारिक गिरफ्तारी पर अदालत का फैसला संभव

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर कानूनी और राजनीतिक संकट में फंसे राष्ट्रपति यून सुक येओल की औपचारिक गिरफ्तारी पर न्यायालय का फैसला रात तक आ सकता है। सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय में इस पर दोपहर दो बजे सुनवाई शुरू होनी है। दो कोरिया टाइम्स की खबर के अनुसार, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह (लिखित आवेदन) किया है। सीआईओ के आवेदन पर न्यायालय पहले समीक्षा करेगा। यदि येओल को औपचारिक गिरफ्तार करने का आदेश आता है तो कोरिया के संवैधानिक इतिहास में

ऐसा पहली बार होगा। और येओल औपचारिक रूप से गिरफ्तार होने वाले देश के पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन जाएंगे। यदि सीआईओ के आग्रह को अस्वीकार कर दिया जाता है तो उम्मीद है कि येओल की राष्ट्रपति आवास पर वापसी हो जाएगी। येओल की कानूनी टीम ने कहा कि वह अदालत की सुनवाई में शामिल होगी।

इस समय येओल सीआईओ की हिरासत में हैं। सीआईओ पुलिस और सेना के साथ एक संयुक्त जांच दल का नेतृत्व कर रहा है। येओल ने तीन दिसंबर को थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू करके देश को चौंका दिया था। इसके बाद से दक्षिण कोरिया में राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। 14 दिसंबर को नेशनल असेंबली उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति की शक्तियां निलंबित की जा चुकी हैं।

व्हाइट हाउस पर हमले के प्रयास में भारतीय युवक को आठ साल की कैद

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की अदालत ने व्हाइट हाउस पर हमले की योजना बनाने के आरोपित भारतीय युवक को आठ साल कैद की सजा सुनाई है। युवक पर आरोप है कि उसने डेढ़ साल पहले भाड़े के ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमले की योजना बनाई थी। साथ ही अमेरिका की सरकार को उखाड़ फेंककर नाजी विचारधारा से प्रेरित शासन लाने का प्रयास भी किया था। दोष सिद्ध युवक के पास अमेरिका की स्थाई नागरिकता है और वह ग्रीन कार्ड धारक भी है। मूलरूप से कर्नाटक के चंदनगर निवासी साई वर्शित कंडुला पिछले चार साल से अमेरिका में रह रहा है। आरोप है कि 22 मई 2023 को उसने वाशिंगटन में एक ट्रक किराए पर लिया। इसके बाद रात 9.30 बजे उसने व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति पार्क की सुरक्षा में लगे बैरियर से ट्रक को टक्कर मार दी। पहली बार टक्कर मारने के बाद उसने ट्रक को पीछे लिया और दोबारा

टक्कर मारने की कोशिश की लेकिन दूसरी कोशिश में ट्रक खराब हो गया। इसके बाद युवक चालक सीट से उतर कर ट्रक के पीछे आया। उसने एक नाजी फ्लैग निकाला और उसे लहराना शुरू कर दिया। तभी अमेरिका सीक्रेट सर्विस के अफसरों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि साईं वर्शित कुंडला ने हमला अमेरिका की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश तो रची ही, वहीं नाजी विचारधारा से प्रेरित तानाशाही शासन लाने का प्रयास भी किया था।

चीन ने दुनिया से अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को अंतरिक्ष में पहुंचाया

एजेंसी

बीजिंग। दुनिया से अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को चीन ने अंतरिक्ष तक पहुंचा दिया। चीन ने पाकिस्तान के पीआरएससी-ई1 उपग्रह के साथ दो और उपग्रह लॉन्च किए। इनका सफल प्रक्षेपण जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार पाकिस्तान के उपग्रह पीआरएससी-ईओ1 को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर सात मिनट पर चीन के मालवाहक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया। चीन का यह मालवाहक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट अपने साथ दो और उपग्रह तियानलू-1 और लांतान-1 को भी ले गया है। चीन का यह प्रक्षेपण लॉन्ग मार्च वाहक रॉकेट सीरीज से जुड़ा 556वां उड़ान मिशन है। पाकिस्तान का यह सैटेलाइट धरती की निगरानी करेगा। साथ ही पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी सुपार्को के लिए काम करेगा। हाल के वर्षों में चीन ने पाकिस्तान के कई उपग्रह लॉन्च किए हैं। इनमें पीआएससी-1 भी है। यह पाकिस्तान का पहला ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग उपग्रह है। दूसरा पीएकेटीईएस 1ए है। यह रिमोट सेंसिंग उपग्रह है। इसे 2018 में लॉन्च किया गया था। इसका निर्माण सुपार्को ने किया था। यह उपग्रह अभी भी काम कर रहा है। चीन ने पाकिस्तान के पहले चंद्र मिशन में भी मदद की है। उसने अपने मून मिशन चांग ए-6 के अंतर्गत पाकिस्तान के आईसीयूबीई-क्यू को चंद्रमा की सतह की तस्वीरें लेने और चुंबकीय क्षेत्र के डेटा को इकट्ठा करने के लिए भेजा था। आईसीयूबीई-क्यू एक तरह का नैनोसैटेलाइट है। इसके अलावा चीन 30 मई, 2024 को पाकिस्तान के संचार उपग्रह पीएकेएसएटी-एमएम 1 को भी लॉन्च कर चुका है।

नेपाल सरकार की तरफ से दो बड़ी हाइड्रोपावर परियोजना चीन की कंपनी को देने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के दो बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को चीन की कंपनी को सौंपने के लिए उसकी प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया गया है। नेपाली कंपनियों द्वारा इन दो परियोजना को बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंचने के बाद रोक दी गई। ऊर्जा मंत्रालय की तरफ से सूचना जारी करते हुए 1902 मेगावाट के मुगु कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और 454 मेगावाट की किमाथांका अरूण हाईड्रोपावर प्रोजेक्ट की प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। इन दोनों हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का टेंडर आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी लेकिन सरकार ने अचानक आज इसकी प्रक्रिया रद्द कर दी।ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने बताया कि इन दोनों ही हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए आवंटित टेंडर को रद्द कर फिर से इसकी प्रक्रिया शुरू

की गयी है ताकि नए निवेशकों को इससे जोड़ा जा सके। मंत्री ने बताया कि नेपाली कंपनियों की तरफ से जो रकम और राजश्व सहित कुछ और सुविधाएं सरकार को मिलनी चाहिए थी वो पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने संकेत दिया कि इन दोनों परियोजनाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए प्रतिस्पर्द्धा को खोल दिया जाएगा ताकि नेपाल सरकार को आर्थिक फायदा होने के साथ मुफ्त में अधिक यूनिट बिजली मिले और कुछ वर्षों बाद ये सरकार के अधीन आ जाए। दोनों ही परियोजनाओं का टेंडर सत्तापक्ष के ही सांसदों की कंपनी को आवंटित किया गया था। ये सभी नेपाली कांग्रेस के सांसद थे लेकिन प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इसे रद्द किया गया है। इनमें कांग्रेसी सांसद विनोद चौधरी की कंपनी सीजी एनर्जी को 902 मेगावाट वाली मुगु कर्णाली और कांग्रेस के ही सांसद सुनील शर्मा तथा इसी पार्टी के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष उमेश श्रेष्ठ की संयुक्त कंपनी को किमाथांका अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने के लिए टेंडर मिला था। कांग्रेसी सांसद सुनील शर्मा ने प्रधानमंत्री केपी ओली पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि चीन की कंपनी को यह परियोजना देने के लिए प्रक्रिया को रद्द किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार के इस फैसले के खिलाफ वो अदालत जाएंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री ओली की चीन यात्रा के समय चीन और नेपाल के बीच हाइड्रोपावर में निवेश पर सहमति बनी थी और चीनी पक्ष इन दोनों ही परियोजनाओं में निवेश में दिलचस्पी दिखाई।

ओली सरकार के खिलाफ एकजुट हुआ विपक्ष, प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सत्ता से हटने के लिए विपक्षी दलों ने नया गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन ने ओली को इतिहास का सर्वाधिक असफल प्रधानमंत्री करार देते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड की अध्यक्षता में हुई बैठक में विपक्षी मोर्चा के गठबंधन ने ओली सरकार पर आरोपों की झड़ी लगाते हुए इतिहास का सबसे असफल प्रधानमंत्री बताया है।

विपक्षी दलों के गठबंधन की बैठक में पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' के नेतृत्व वाले प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी, रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, माधव कुमार के नेतृत्व वाली एकीकृत समाजवादी पार्टी, उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी सहित तीन अन्य छोटी पार्टियां शामिल रहीं।

बैठक के बाद पत्रकार सम्मेलन करते हुए प्रचंड ने कहा कि ओली सरकार हर मुद्दे और हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने कहा कि जबसे केपी ओली ने सत्ता संभाली है तब से देश आर्थिक मुद्दे से लेकर विदेश नीति के मामले में असफल रहा है। उन्होंने ओली पर नेपाल की संतुलित विदेश नीति को खत्म करने और अति निकट पड़ोसी देश भारत के साथ नेपाल के संबंध बिगाड़ने का आरोप लगाया। प्रचंड ने कहा कि ओली की व्यक्तिगत कुंठा की वजह से अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि धूमिल हुई है। प्रचंड ने पत्रकार सम्मेलन में कहा कि उनके कार्यकाल में बड़े भ्रष्टाचार संबंधी खोली गई फाइलों को ओली सरकार ने बंद कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार को प्रधानमंत्री और मंत्री नहीं, बल्कि बिचौलिए चला रहे हैं। देश में भ्रष्टाचार चरम पर रहने और कुछ स्वार्थ समूह के लिए सरकार काम कर रही है। हाल ही में लाए गए अध्यादेश का विरोध करते हुए विपक्षी मोर्चा ने इसे ओली की लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध का कदम बताया है। उन्होंने जल्द से जल्द संसद का अधिवेशन बुलाने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा है कि यदि सरकार संसद का नियमित अधिवेशन नहीं बुलाती है तो विपक्षी मोर्चा विशेष अधिवेशन की मांग करेगा।

बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में लगी आग, बच्चे की मौत, 100 घर राख

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में कॉक्स बाजार के टेकनाफ के मोचनी रोहिंग्या शिविर में भीषण आग लग गई। इस दौरान एक बच्चे की मौत हो गई और 100 से अधिक कच्चे-पक्के घर राख हो गए। चटगांव से 150 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित कॉक्स बाजार में लगभग 10 लाख रोहिंग्या शरणार्थी रहते हैं। इसे दुनिया की सबसे बड़ी रोहिंग्या शरणार्थी बस्ती कहा जाता है।

ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार 16वीं सशस्त्र पुलिस बटालियन (एपीबीएन) के अतिरिक्त उप महानिरीक्षक एमडी कौसर सिकदर ने रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लगने से बच्चे की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहचान नहीं हो सकी है। कुछ लोग झुलसे भी हैं पर उनकी सही संख्या की जानकारी अभी नहीं मिल आई है। कौसर ने कहा कि आग हनीला यूनियन में रोहिंग्या

शिविर के ब्लॉक पी-3 के भीतर एक घर पर लगी और तेजी से फैल गई। रोहिंग्या शिविर में रहने वालों ने एपीबीएन कर्मियों के साथ आग बुझाने में सहयोग किया। सूचना मिलते ही टेकनाफ फायर सर्विस स्टेशन से दो गाड़ियां पहुंची। कुछ देरबाद आग बुझा दी गई। टेकनाफ अग्निशमन सेवा संचालन दल के प्रमुख मुकुल कुमार नाथ ने कहा कि आग की लपटों ने कम से कम 100 घरों को चपेट में ले लिया। देखते-देखते ही प्रभावित क्षेत्र मलबे के ढेर में बदल गया। आग बुझने के बाद मलबे के ढेर से एक बच्चे का शव बरामद किया गया।

उत्तरी यमन में हूती सैन्य स्थल पर हमले

सना। अमेरिका की सेना ने सुबह यमन के अमरान प्रांत में राजधानी सना के उत्तरी क्षेत्र में हूती सैन्य स्थल पर पांच हमले किये। हूती की ओर से संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि उत्तरी अमरान के हर्फ़ सुफयान जिले में स्थित चौकी पर हमला किया गया। निवासियों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने हूती सैन्य चौकी से तड़के में कई जोरदार विस्फोट

सुने।

ट्रम्प ने गिब्सन, स्टेलोन और वोइट को हॉलीवुड राजदूत नियुक्त किया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन हॉलीवुड सितारों जॉन वोइट, मेल गिब्सन और सिल्वेस्टर स्टेलोन को विशेष राजदूत नियुक्त किया है।

श्री ट्रम्प ने सोशल प्लेटफार्म ट्रुथ पर अपने पोस्ट में लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि जॉन वोइट, मेल गिब्सन और सिल्वेस्टर स्टेलोन एक बेहतरीन लेकिन बहुत ही संकटग्रस्त जगह कैलिफोर्निया में हॉलीवुड के विशेष राजदूत होंगे। ये हॉलीवुड को वापस लाने तथा पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर और मजबूत बनाने के उद्देश्य से मेरे लिए विशेष दूत के रूप में काम करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार तीनों सेलिब्रिटी हाल ही में श्री ट्रम्प और उनके चुनाव अभियान से जुड़े रहे हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी भूमिकाएं क्या होंगी। गिब्सन ने एक बयान में कहा , मुझे यह खबर आप सभी के समान ही मिला और मैं भी उतना ही आश्चर्यचकित हूं। फिर भी मैंने इस कॉल पर ध्यान दिया। एक नागरिक के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं जितना हो सके उतना मदद और अंतर्दृष्टि प्रदान करूं।

रिपोर्ट के अनुसार तीनों सेलिब्रिटी हाल ही में श्री ट्रम्प और उनके चुनाव अभियान से जुड़े रहे हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी भूमिकाएं क्या होंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कि रॉकी फ्रैंचाइज़ी में मुख्य किरदार निभाने वाले स्टेलोन ने चुनाव के बाद के विजय भाषण के लिए मार-ए-लागो में श्री ट्रम्प का परिचय कराया। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति की तुलना अमेरिका के पहले नेता से की और उन्हें 'दूसरा जॉर्ज वाशिंगटन' कहा। वहीं मिडनाइट काउबॉय और पर्ल हार्बर में अभिनय करने वाले वोइट लंबे समय से श्री ट्रम्प के समर्थक हैं और उन्होंने उन्हें अब्राहम लिंकन के बाद सबसे महान राष्ट्रपति कहा है।

यह भी गौरतलब है कि हॉलीवुड मनोरंजन उद्योग का केंद्र लॉस एंजिल्स इन दिनों जंगली आग की चपेट में है और यहां हजारों की संख्या में इमारतें नष्ट हो गयी है और अनेक ववसाय प्रभावित हुए हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भाजपा में शामिल हुए आआपा के दो पार्षद

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी(आआपा) को झटका लगा। आआपा के दो पार्षद रविन्द्र सोलंकी और नरेन्द्र गिरसा भाजपा में शामिल हो गए। बापरोला वार्ड से एमसीडी पार्षद सोलंकी और मंगलापुरी से गिरसा भाजपा दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा , केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। दोनों वार्ड सहरावत के निर्वाचन क्षेत्र में आते हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने दोनों पार्षदों का स्वागत करते हुए कहा कि जो भी दिल्ली को बेहतर बनाना चाहते हैं और विकास करना चाहते हैं, वह चुनाव से पहले भाजपा में दिखाई देंगे। कमलजीत सहरावत ने कहा कि दोनों पार्षद आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से थे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति और नीतियों से निराश होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पक्ष दोनों पार्षदों ने नहीं बदला है, अरविंद केजरीवाल ने बदला है।

10 साल में दिल्ली के साथ सिर्फ 'फ्रॉड' हुआ : पवन खेड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस लगातार आम आदमी पार्टी पर हमलावर है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आप सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 10 साल से दिल्ली के साथ सिर्फ फ्रॉड हुआ है। मजाकिया अंदाज में उन्होंने कहा कि अगर मैं आपको गुलाब जामुन खिलाने का वादा करूं और पानी का एक गिलास तक नहीं पूछूं तो यह फ्रॉड नहीं है तो क्या है। दिल्ली के साथ भी ऐसा ही हुआ है। यह लोग तो दिल्ली को लंदन-पेरिस बनाने की बात करते थे। आज दिल्ली की स्थिति क्या है, दिल्ली अच्छे से जान चुकी है। पवन खेड़ा ने कहा कि 2013-2014 में जो दिल्ली के साथ होना शुरू हुआ - वह एक्ट ऑफ फ्रॉड था। यह डबल फ्रॉड था, जो दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और केंद्र में भाजपा की सरकार ने किया। आज दिल्ली में सड़कों और पार्किंग की हालत खराब है, नशे की बढ़ती लत, स्वास्थ्य की खस्ता हालत और बढ़ते प्रदूषण ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। यहां दाएं देखो तो 'शीश महल' और बाएं देखो तो 'राजमहल' दिखता है। वहीं अगर जवाबदेही मांगो तो आप-भाजपा के लोग एक-दूसरे की तरफ इशारा कर देते हैं।

अरविंद केजरीवाल के वादों का कोई मतलब नहीं, दिल्ली की जनता समझदार है : राजीव रंजन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर है। आम आदमी पार्टी (आप) के संस्थापक अरविंद केजरीवाल ने छात्रों के लिए बस में फ्री सफर की घोषणा की है। उनके इस फैसले पर जेडीयू ने सवाल उठाए हैं। जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि जो पार्टी तीसरी बार जनता से जनादेश मांगने जा रही है, उसने ऐसी मांगों को पहले पूरा क्यों नहीं किया। जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा, आम आदमी पार्टी को दिल्ली की जमीनी सच्चाई का अहसास हो गया है। दिल्ली उनके हाथ से फिसल रहा है और इसलिए केजरीवाल बार-बार कभी पूर्वांचलियों को उकसाने की कोशिश करते हैं तो कभी वह उनके खिलाफ टिप्पणी भी करते हैं। कभी दिल्ली में ऐसे वादे करते हैं, जिनके लिए उन्हें समय तो मिला मगर उसे आजतक पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के वादों का अब कोई मतलब नहीं है। दिल्ली की जनता बहुत समझदार है और वह सोच-समझकर ही इस बार वोट करेगी। राजीव रंजन ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस के लिए सत्ता में आना तो बहुत दूर की बात है। इस बार उनके एक भी विधायक का जीतना बहुत मुश्किल है।

केजरीवाल ने दिल्ली को बेरोजगारी के अंधेरे में धकेल दिया : अभय दुबे

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता अभय दुबे ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार ठहराया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में सुझाव दिया था कि छात्रों को मेट्रो यात्रा में टिकट पर छूट मिलनी चाहिए। अभय दुबे ने कहा, मैं अरविंद केजरीवाल से अनुरोध करना चाहूंगा कि आप छात्रों की बात क्या कर रहे हैं, आपने दिल्ली को बेरोजगारी के अंधेरे में धकेल दिया है। आपका दिल्ली रोजगार कार्यालय दिखाएगा कि कितने लोग बेरोजगार हैं। 16-17 लाख लोगों ने रोजगार के लिए आवेदन किया है। आपने दिल्ली के लिए क्या किया है। केजरीवाल को लोगों को रोजगार देने के लिए काम करना था। लेकिन, आप पुरानी घोषनाएं कर रहे हैं, दिल्ली की जनता जान चुकी है और आपसे पुराने वादों का हिसाब मांग रही है।

पटेल नगर, करोल बाग और मोती नगर विधानसभा क्षेत्रों में पंजाब के मुख्यमंत्री ने किया रोड शो

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में पटेल नगर, करोल बाग और मोती नगर विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया। इस दौरान भगवंत मान ने कहा कि दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को हमेशा खूब प्यार दिया है। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार भी दिल्लीवाले अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के लोगों को अपना परिवार मानते हैं। पटेल नगर विधानसभा में रोड शो के दौरान भगवंत मान ने कहा कि हम काम की राजनीति करते हैं। अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी इनकम टैक्स में कमिश्नर थे। वो चाहते तो बहुत पैसे कमा सकते थे लेकिन उन्होंने कुर्सी छोड़कर देश के लोगों के हित में ईमानदार राजनीति का रास्ता चुना। इसके लिए उन्हें बहुत यातनाएं झेलनी पड़ी, जेल भी जाना पड़ा। विपक्ष वाले हर रोज गालियां देते हैं और कहते हैं कि ये कौन आ गया? क्योंकि केजरीवाल उनकी कुर्सियों के लिए खतरा बन गए।

इसलिए ये सब हो रहा है। अगर वो इनकम टैक्स के कमिश्नर बने रहते तो कोई दिक्कत नहीं थी। इसी तरह जब मैं टीवी पर कॉमेडी करता था, मेरी खूब तारीफ करते थे लेकिन मैं अब आता हूं तो मुझे बुरा भला कहते हैं, क्योंकि अब उनकी कुर्सियों को खतरा हो गया। मान ने कहा कि पंजाब में हमारी सरकार बने हुए पौने तीन साल हो गए। पंजाब के 90 फीसदी घरों में आज बिजली का बिल जीरो आता है। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बने, सरकारी स्कूल और अस्पतालों का कायाकल्प हुआ, तो पंजाब में भी इन कामों को शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में पंजाब में हमने सड़क सुरक्षा फोर्स (एसएसएफ) की भर्ती शुरू की। हमने एक नई पुलिस बना दी। उन्हें शानदार गाड़ी और फर्स्ट एड, स्ट्रेचर, दवा का सामान दे दिया। उनकी ट्रेनिंग कराई। एक साल से भी कम में एसएसएफ ने करीब 1500 से ज्यादा लोगों की जानें बचाई हैं। कोई सड़क दुर्घटना होने पर वो व्यक्ति को तुरंत पास के किसी भी अस्पताल में भर्ती कराते हैं। अस्पतालों को भी हमारी सरकार का आदेश है कि बिना शर्त सबसे पहले व्यक्ति की जान बचाई जाएगी। ये सारे काम इसलिए हो रहे हैं, क्योंकि हमारी नीयत साफ है। हम राजनीति में भ्रष्टाचार करने या पैसा कमाने नहीं आए हैं। भगवंत मान ने कहा कि दिल्ली के लोग केजरीवाल को दिल से प्यार करते हैं और वो भी दिल्ली के लोगों से बहुत प्यार करते हैं। केजरीवाल दिल्लीवालों को अपना परिवार मानते हैं। अंत में उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि आज भाजपा ने संकल्प पत्र जारी किया है और कहा है कि महिलाओं को 2500 रुपये देंगे। ये रेवड़ी नहीं तो क्या यह पापड़ है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने चार बदमाशों को दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ ने 'नो गन्स, नो गैंग्स' ऑपरेशन के तहत मुठभेड़ के बाद नवीन खाती गैंग के चार शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक पिस्टल, एक देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद किया है।

द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार आरोपितों की पहचान बाबा हरिदास नगर निवासी सज्जन उर्फ लाला (32), छावला निवासी नकुल (30), भीम नगर निवासी नीरज (32) और संदीप के रूप में हुई है। डीसीपी के अनुसार सज्जन के ऊपर 11, नकुल के ऊपर 14, नीरज पर आठ मामले दर्ज हैं। आरोपित संदीप बदमाशों को अपने घर में रखने का काम करता था।

डीसीपी के अनुसार जिले की स्पेशल स्टाफ को गुप्त सूचना मिली थी कि नवीन खाती गिरोह के कुछ सदस्य गांव-घुमेनहेड़ा में संदीप नामक व्यक्ति के घर पर आनेवाले हैं। सूचना को पुख्ता कर ऑपरेशन के एसीपी रामावतार की देखरेख में पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दी। बीती देर रात पुलिस ने तीन से चार व्यक्तियों को संदीप के घर के बाहर देखा।

पुलिस को देखते ही सभी आरोपित भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। इस बीच एक बदमाश ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने आरोपितों को रुकने के लिए कहा। इस पर आरोपितों ने दोबारा पुलिस टीम पर गोली चलाई। गोली हेडकांस्टेबल देव कुमार की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। इधर, पुलिस ने जवाब में गोली चलाई। पुलिस की एक गोली एक बदमाश के पैर में लगी। गोली लगते ही वह गिर गया। उसके बाद पुलिस ने एक-एक कर चारों को गिरफ्तार कर लिया।

दुर्गेश पाठक ने राजेंद्र नगर विधानसभा में निकाली जन आशीर्वाद यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राजेंद्र नगर विधानसभा से प्रत्याशी दुर्गेश पाठक ने जन आशीर्वाद यात्रा निकाली। इस दौरान दुर्गेश पाठक ने अपनी विधानसभा क्षेत्र में किए कार्यों को जनता के बीच रखा। उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र को झूठ का पूलिंदा बताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही ऐसे नेता हैं, वह जो कहते हैं, करके दिखाते हैं।

जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज चारों तरफ सड़कों पर लोगों की भीड़ है। लोग यही कह रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है और राजेंद्र नगर से आम आदमी पार्टी का विधायक चुनना है। जहां तक भाजपा के मेनिफेस्टो की बात है, तो इस तरह के मेनिफेस्टो वे

हर चुनाव में लेकर आते हैं। उनके मेनिफेस्टो का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में भाजपा ने कई मेनिफेस्टो पेश किए, लेकिन कुछ भी नहीं किया, केवल झूठ बोलते रहे।

मटियाला से आले मोहम्मद इकबाल ने किया नामांकन

मटिया महल से प्रत्याशी आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि उन्होंने आज अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान पुरानी दिल्ली और मटिया महल के हजारों समर्थक मौजूद रहे। इस दौरान आम आदमी पार्टी महिला विंग की महिलाएं और झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टर्स समेत तमाम जनता शामिल हुई। लोगों ने बड़े ही जोश के साथ उनके नामांकन में हिस्सा लिया और आम आदमी पार्टी की जीत का एलान किया। जनता ने पुरानी दिल्ली और मटिया महल में आम आदमी पार्टी को अपना भरपूर समर्थन देने का वादा किया।

एनसीपी ने दिल्ली विधानसभा के लिए 30 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजीत पवार गुट) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 के लिए 30 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है। नई दिल्ली सीट से विश्वनाथ अग्रवाल और कालकाजी से जमील को मैदान में उतारा है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संसदीय बोर्ड की मंजूरी के बाद दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 30 और उम्मीदवारों की घोषणा की जा रही है। पार्टी ने रिठाला से लाखन प्रजापति , शालीमार बाग से मो. उस्मान, मटिया महल से मो. जावेद, मोती नगर से सदरे आलम, मादीपुर (एससी) से हरीश कुमार, हरि नगर से शब्बीर खान , जनकपुरी से मो. नवीन, विकासपुरी से हामिद , नई दिल्ली से विश्वनाथ अग्रवाल कस्तूरबा नगर से

सुरेंद्र सिंह हुड्डा, मालवीय नगर से मो. समीर, देवली से खेम चंद राजोरा, कलकाजी से जमील, तुगलकाबाद से प्रेम खटाना , बदरपुर से इमरान सैफी, कृष्णा नगर से राजेंद्र पाल, शाहदरा से राजेश लोहिया, सीमापुरी (एससी) से अभिषेक, रोहतास नगर से महक डोगरा, घोंडा से जगदीश भगत, गोकलपुर से जगदीश भगत और करावल नगर से संजय मिश्रा को टिकट दिया है। पार्टी ने इससे पहले 28 दिसम्बर को 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। उसमें बुराड़ी से रतन त्यागी , बादली से मुलायम सिंह, मंगलोपुरी से खेम चंद, चांदनी चौक से खालिदुर्रहमान, बल्लीमारान से मोहम्मद हारून, छतरपुर से नरेंद्र तंवर, संगम विहार से कमर अहमद, ओखला से इमरान सैफी, लक्ष्मीनगर से नमाहा, सीमापुरी से राजेश लोहिया और गोकुलपुरी से जगदीश भगत को टिकट दिया गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा जारी संकल्प पत्र का नेता प्रतिपक्ष ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और रोहिणी विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी विजेंद्र गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए जारी किए गए 'घोषणा पत्र' का स्वागत किया है। गुप्ता ने कहा कि यह घोषणा पत्र दिल्ली की जनता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी की तरह है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा की तरफ से जारी घोषणा पत्र केवल घोषणा पत्र ही नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से दिल्ली वालों के लिए नई सौगात है। उन्होंने कहा कि 'महिला समृद्धि योजना' के तहत महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह की 'सम्मान राशि' देने की घोषणा भाजपा द्वारा महिलाओं को सशक्तीकरण प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर पर पांच सौ रुपये की सब्सिडी, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये और होली-दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर की घोषणा भी

महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके अलावा दिल्ली के 60 से 70 वर्ष के वरिष्ठ लोगों को मिल रही दो हजार रुपये की पेंशन को बढ़ाकर 2,500 कर दिया जायेगा और 70 साल से अधिक के बुजुर्गों, विधवाओं और डिसेबल्ड नागरिकों को मिल रही 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर तीन हजार रुपये कर दिया जायेगा। गुप्ता ने बताया कि दिल्ली की झुग्गीवासियों के लिये उन्हें भरपेट भोजन उपलब्ध करवाने के लिए प्रत्येक झुग्गी बस्ती में 'अटल कैंटीन' स्थापित कर झुग्गी वालों को सिर्फ पांच रुपये में भोजन उपलब्ध करवाने की घोषणा गरीबों, मजदूरों और श्रमिक वर्ग के लोगों के लिए भाजपा की सहानुभूति का द्योतक है। गुप्ता ने विश्वास जताया कि उसके अलावा दिल्ली में चल रही सभी कल्याणकारी योजनाओं को चालू रखने की नड्डा की घोषणा दिल्लीवासियों के लिए बहुत बड़ी राहत है। अरविंद केजरीवाल भाजपा के खिलाफ दिल्ली की जनता में भ्रम फैला रहे थे कि भाजपा के आते ही सभी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। गुप्ता ने लोगों को चेताया कि केजरीवाल द्वारा महिलाओं के लिए 2,100 प्रतिमाह देने की घोषणा सिर्फ छलावा है, क्योंकि केजरीवाल सिर्फ घोषणाएं करते हैं उस पर अमल कभी नहीं करते। गुप्ता ने दिल्ली की जनता को आगाह किया कि वह अरविंद केजरीवाल के बहकावे में ना आए, क्योंकि केजरीवाल से जनता को सिर्फ धोखा ही मिलेगा, जो कि उनको पिछले 10 साल से लगातार मिल रहा है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पूर्वांचल के लोगों को कहे अपशब्द पर माफी मांगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के प्रवक्ता ऋतुराज झा को लेकर की गई टिप्पणी पर माफी मांगी है। पूनावाला ने कथित तौर पर पूर्वांचल के लोगों को अपशब्द कहे थे। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा, मैं सभी पूर्वांचली भाई - बहनों से माफी मांगता हूं कि मेरे शब्दों से आपको पीड़ा हुई और कष्ट पहुंचा है। इसके लिए मैं कोई भी सफाई नहीं देना चाहता क्योंकि मेरा आप लोगों के साथ गहरा रिश्ता है। मैं यूपी- बिहार के लोगों को खासकर के मेहनतकस लोगों को बहुत सम्मान देता हूं। यह सब मेरे चरित्र से दिखता है लेकिन फिर भी मेरे शब्दों से चोट पहुंची है तो मैं उन शब्दों के लिए माफी मांगना चाहता हूं।आम आदमी प्रवक्ता ऋतुराज झा को एक टीवी बहस के दौरान उकसाने पर अपशब्द कहे जाने की निंदा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मनोज तिवारी ने अपनी ही पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला को नसीहत दी थी और कहा कि उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। भाजपा नेता मनोज तिवारी ने बयान में कहा था कि भाजपा प्रवक्ता से यह अपेक्षा की जाती है कि कितना भी उकसाया जाए हमेशा मर्यादा पूर्ण व्यवहार करें। पार्टी भी उनसे यही अपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि शहजाद पूनावाला को इस विषय पर आगे बहस ना करते हुए बिना शर्त माफी मांग लेनी चाहिए। दो दिन पहले एक टीवी बहस में आम आदमी पार्टी (आआपा) नेता ऋतुराज झा ने पहले शहजाद पूनावाला के नाम को तोड़-मरोड़ कर उन पर टीका-टिप्पणी की। इसका जवाब देते हुए पूनावाला ने कहा कि वे भी उनके नाम को तोड़-मरोड़ सकते हैं और यह-यह (अपशब्द) कह सकते हैं।

भाजपा के सत्ता में आने पर मालवीय नगर में 21 पहलों पर किया जाएगा काम: सतीश उपाध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। मालवीय नगर से भाजपा उम्मीदवार सतीश उपाध्याय ने ग्रीन पार्क में प्रेस वार्ता कर कहा कि आम आदमी पार्टी ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने कहा कि दिल्ली को पेरिस या लंदन बनाने के सपने अधूरे रह गए और लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दूषित पानी की आपूर्ति और सीवर का पानी पीने के पानी में मिलना स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। उपाध्याय ने कहा कि यदि हमारी सरकार सत्ता में आती है तो हम मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 21 निम्नलिखित प्रमुख पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सभी समस्याओं का सिंगल विंडो समाधान किया जाएगा और जनता के प्रति समयबद्ध सीमा में जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

-बढ़े हुए बिजली और पानी के बिलों की जांच करके गलत बिलों को कैंसिल किया जाएगा।

-कचरे का ढेर तत्काल प्रभाव से हटाया जाएगा और कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता पर पूरी निगरानी रखी जाएगी।

-खुले नाले, जलभराव एवं सीवरेज सुधार जैसे कार्यों को एक्सपर्ट कमिटी द्वारा जांच करवाकर स्थायी समाधान की व्यवस्था की जाएगी।

-'हर घर जल' योजना के तहत स्वच्छ पेयजल की सप्लाई हो और पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनता को अशुद्ध पेयजल से निजात मिल सके।

-भारत योजना को लागू करने के साथ-साथ स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी एवं मल्टीस्पेशलिटी सेंटर्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

-विधानसभा के भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में ट्रैफिक नियंत्रण करेंगे और सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाएगा।

-सोसायटी की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु हर माह आरडब्ल्यू और संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएंगी।

-सभी पार्कों में वॉकिंग ट्रैक, बच्चों के लिए खेल परिसर और फिट इंडिया कार्यक्रम होंगे। इसके साथ ही क्षतिग्रस्त झूलों, बेंचों एवं ओपन जिम का नवीनीकरण भी कराया जाएगा।

-मार्केट में जन-सुविधा हेतु स्मार्ट स्ट्रीट फर्नीचर लगवाए जाएंगे।

-पार्किंग सुविधाओं को बढ़ाते हुए मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण होगा।

-सभी धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण एवं आस-पास की व्यवस्था ठीक करेंगे।

-नई प्रतिभाओं और युवाओं के लिए कल्चरल सेंटर्स, टेक्नॉलिजी सेंटर्स और हैप्पीनेस कॉर्नर्स की स्थापना की जाएगी, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

-मालवीय नगर की आबादी को देखते हुए डीटीसी बसों की संख्या में बढ़ोतरी करेंगे।

-पिछले 10 वर्ष से ठप पड़ी राशनकार्ड रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को दोबारा शुरू करेंगे और नए राशन कार्ड बनवाने का काम करेंगे।

पुलिस ने 11 दिन में 1.84 करोड़ की नकदी जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और स्वतंत्र बनाने के लिए दिल्ली पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। चुनाव आयोग की गाइड लाइन्स का प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी तरह के उल्लंघन को सख्ती से निपटने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें अंतरराज्यीय सीमा चेकपॉइंट पर निगरानी बढ़ाना, अवैध गतिविधियों पर सख्ती से नकेल कसना और अवैध हथियारों व शराब की तस्करी पर विशेष ध्यान देना शामिल है। पुलिस की इन कोशिशों के चलते 7 जनवरी से 17 जनवरी, 2025 तक कई अहम एक्शन लिये हैं। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के अभी तक पुलिस ने 244 केस दर्ज किए हैं। इसके अलावा आबकारी अधिनियम के तहत पुलिस ने अभी तक 25,719 लीटर शराब बरामद की है, जिसकी कीमत 75 लाख से अधिक है। इसी क्रम में गैर-लाइसेंस 152 हथियार 110 कारतूस जब्त किए गए हैं।

केजरीवाल ने पूर्वांचल समाज को लेकर भाजपा पर किया पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पूर्वांचल समाज को लेकर भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा पूर्वांचलियों को बड़ी तिरस्कार की निगाहों से देखती है। केजरीवाल की यह प्रतिक्रिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली की आआपा सरकार कोरोना काल में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को आनंद विहार छोड़ आई थी। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आज पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा आआपा के मन में पूर्वांचल समाज के लोगों के लिए बहुत इज्जत है। उप्र और बिहार के हमारे पूर्वांचली भाई दिल्ली पढ़ने आते हैं या फिर रोजगार की तलाश में आते हैं। वह दिल्ली में इतने सालों से रह रहे हैं कि वह दिल्ली को ही अपना घर बना लेते हैं। मुझे बेहद दुख है कि भारत की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा पूर्वांचलियों को बड़ी तिरस्कार की निगाहों से देखती है। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कि दिल्ली के अंदर पिछले 10 साल से उनकी सरकार चल रही है, उन्होंने इन 10 सालों में पूर्वांचल समाज के लोगों के लिए क्या काम किया है? भाजपा एक

काम बता दे। मैं पूर्वांचल समाज के लिए किए गए अपने 10 काम गिना दूंगा लेकिन भाजपा एक काम बता दे। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके अंदर पूरे पूर्वांचल समाज के लिए बहुत तिरस्कार है। यह इनके टिकट वितरण में भी साबित हो गया। आआपा ने 12 पूर्वांचलियों को टिकट दिया और इन्होंने 5 पूर्वांचलियों को दिया। ऐसे में भाजपा को पूर्वांचल समाज क्यों वोट दे? ये पूर्वांचल समाज का अपमान और तिरस्कार करते हैं। सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा पूर्वांचली समाज को बांग्लादेशी और रोहिंग्या कहते हैं। उनके वोट कटवाते हैं। अरविंद केजरीवाल ने कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले हमारे उप्र, बिहार और झारखंड के लाखों भाइयों की जिंदगी में बदलाव लाने का काम किया है। कच्ची कॉलोनियों में 6800 किलोमीटर की सीवर पाइपलाइन बिछाने का काम किया। 10 हजार किलोमीटर की नई सड़क बनवाई। चार हजार किलोमीटर की पानी की पाइपलाइन बिछाई। बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज और माताओं-बहनों के लिए बस की यात्रा फ्री की। अरविंद केजरीवाल ने उनकी जिंदगी की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का काम किया।

संसद का सत्र 31 जनवरी से, 1 फरवरी को पेश होगा बजट

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक दो भागों में होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को आठवीं बार बजट पेश करेंगी। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी प्रोविजनल कैलेंडर के अनुसार, सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन से होगी। इसके बाद उसी दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र 2025 के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक 31 जनवरी 2025 से 4 अप्रैल 2025 तक बुलाने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू 31 जनवरी को सुबह 11 बजे लोकसभा चैंबर में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। रिजिजू ने लिखा, ÷केंद्रीय बजट 2025-26 आगामी 1 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया जाएगा। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 फरवरी को एक लंबे अंतराल के लिए स्थगित की जाएगी। संसद की कार्यवाही 10 मार्च को दोबारा शुरू होगी जिसमें विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी और बजट पारित कराया जाएगा। बजट सत्र के पहले भाग में 31 जनवरी से 13 फरवरी तक नौ बैठकें होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देंगे, जबकि वित्त मंत्री सीतारमण बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। पूरे बजट सत्र में 27 बैठकें होंगी और यह 4 अप्रैल को समाप्त होगा। केंद्र में नई सरकार के गठन के कुछ सप्ताह बाद पिछले साल जुलाई में वित्त मंत्री सीतारमण ने अपना सातवां बजट पेश किया था और इस प्रकार लगातार छह बजट पेश करने का स्वर्गीय मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा था। वित्त मंत्री सीतारमण ने इससे पहले 2014 से 2017 के बीच पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में काम किया था। वह मई से नवंबर 2014 तक वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री रहीं और फिर मई 2014 से सितंबर 2017 तक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहीं। बाद में, उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया गया।

समाधान शिविर में एडीसी ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

नारनौल। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह के दिशा-निर्देशानुसार लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में आज अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। आज कुल 19 नागरिकों ने अपनी शिकायतें रखी। एडीसी ने कहा कि इन समाधान शिविरों के माध्यम से एक ही समय में एक ही छत के नीचे सभी अधिकारी मौजूद होकर उनकी

समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सरकार तथा जिला प्रशासन नागरिकों के जनहित के कार्यों को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

अधिसूचित सेवाओं को निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराएं अधिकारी: टीसी गुप्ता

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त टीसी गुप्ता ने नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय में अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सेवा का अधिकार अधिनियम-2014 के तहत अधिसूचित सेवाओं को तय समय सीमा में प्रदान करने के निर्देश दिए गए। मुख्य आयुक्त टीसी गुप्ता ने बताया कि हरियाणा इस अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू करने में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा हरियाणा का मॉडल अन्य राज्यों के लिए मार्गदर्शक बन रहा है। यदि यह अधिनियम देशभर में हरियाणा की तरह प्रभावी रूप से लागू हो जाए, तो नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। अधिनियम के तहत अब तक 802 सेवाओं को अधिसूचित किया गया है। ये सेवाएं जन्म से मृत्यु तक, गरीब से अमीर तक और बच्चों से बुजुर्गों तक सभी के लिए ध्यान में रखकर अधिसूचित की गई हैं। मुख्य आयुक्त ने बताया कि ऑटो अपील सिस्टम पोर्टल पर आई किसी भी अपील को कोई भी व्यक्ति देख सकता है। इसके अलावा, अनपढ़ व्यक्ति भी कॉल सेंटर पर कॉल करके अपनी अपील दर्ज करा सकता है। इस अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन का उद्देश्य नागरिकों को पारदर्शी, समयबद्ध और सुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नागरिकों की शिकायतों और अपीलों को प्राथमिकता से निपटाएं।

भाजपा ने मनाया संविधान गौरव अभियान : भाजपा नेता दिनेश शर्मा

सोहना। हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन चेयरमैन व भाजपा में वरिष्ठ जिलाउपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि भाजपा ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी संविधान गौरव अभियान के तहत सोहना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के झंडे तले हर बूथ पर कार्यक्रम आयोजित कर संविधान निर्माता बाबा साहब डाक्टर भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बनाए गए संविधान की बारीकियों से आमजन को अवगत कराया और आम जनमानस को संविधान की बारीकियों के प्रति जागरूक बनाते हुए यह भी बताया कि भाजपा ने सही मायने में बाबा साहब व संविधान का सम्मान किया है। जो कांग्रेस पार्टी आज भाजपा पर संविधान खत्म करने का आरोप लगा रही है, उसकी दोगली नीतियों और जनविरोधी नीतियों की असलियत भी जनता को बताई गई कि किस प्रकार कांग्रेस पार्टी ने अपने फायदे के लिए संविधान में संशोधन करके संविधान का अपमान करने का काम किया और अपने लंबे शासनकाल में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस पार्टी ने संविधान निर्माता डाक्टर भीमराव अंबेडकर को देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न तक नही दिया।

हिसार की बेटी भावना का पैरा एशिया कप-2025 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में चयन

हिसार। जिले के उकलाना क्षेत्र की होनहार बेटी भावना ने एक बार फिर प्रदेश का नाम रोशन किया है। भेरी अकबरपुर की रहने वाली भावना का चयन पैरा एशिया कप-2025 के लिए भारतीय तीरंदाजी टीम में हुआ है। यह प्रतियोगिता 2 से 11 फरवरी तक थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित की जाएगी। भावना की तीरंदाजी में रुचि 2022 में जागी, जब वह अपने भाई के साथ एक खेल अकादमी गई थी। दीप पब्लिक स्कूल के संचालक नरेश कुमार ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और स्कूल में एक विशेष कोच नियुक्त कर उन्हें प्रशिक्षण दिलवाया। इसका परिणाम यह हुआ कि भावना ने लगातार तीन वर्षों (2022, 2023 और 2024) में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीते। मार्च 2024 में दुबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फैजल कप में भी भावना ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

प्रदेश के सभी तालाबों की सफाई करवाएं : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी तालाबों की सफ़ाई करवाई जाए ताकि उनका पानी पशुओं के पीने या सिंचाई आदि के कार्यों में प्रयोग किया जा सके। पंचायतों के सहयोग से ग्रामीणों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाए कि वे तालाबों में कूड़ा -कर्कट एवं घरों से निकला गंदा पानी न जाने दें। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में द हरियाणा पौंड एंड वेस्ट वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर अथॉरिटी के अलावा विकास एवं पंचायत विभाग, सिंचाई विभाग, वन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, मछली पालन विभाग, लोक निर्माण विभाग , भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण समेत कई विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने गिरते भू -जल स्तर पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रथम चरण में 500 गांवों के भू-जल को रिचार्ज करने का लक्ष्य तय करें और इस कार्य को निर्धारित अवधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भू-जल स्तर के नीचे जाने पर चिंता जताई है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भूजल का कम होना देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती से निपटने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने लोगों को जल प्रदूषण का मुकाबला करने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने भी

प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप कार्य करते हुए डार्क जोन में अधिक से अधिक पौंड (तालाब) बनाने चाहिए ताकि बरसात के दिनों में पानी का संचय किया जा सके। इससे जहां भू -जल स्तर में सुधार होगा वहीं इस पानी का बरसात के बाद अन्य कार्यों में सदुपयोग हो सकेगा। उन्होंने हांसी -बुटाना लिंक नहर को भी वाटर -स्टोरेज के लिए प्रयोग करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में जल-ऑडिट से व्यापक जल -प्रबंधन करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में नदियों के आपस में जोड़ने के लिए ÷नदी जोड़ो परियोजना÷ के पहले चरण का शुभारंभ किया था। इसी तर्ज पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए की राज्य से होकर गुजरने वाली नदियों को भी आपस में जोड़ने के लिए रोड़-मैप तैयार करें। इससे बरसात के दिनों में बाढ़ से होने वाले नुकसान से बचने और निम्न भू-जल स्तर को ऊपर लाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प -पत्र÷ में ÷अमृत सरिता योजना की परिकल्पना की गई थी। इसके तहत राज्य की सभी नहरों और नदियों के तटबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को मनरेगा योजना के तहत करवाया जा सकता है। तटबंध मजबूत होने से नहर टूटने की घटनाओं पर रोक लग सकेगी। उन्होंने नहरों से पानी की चोरी रोकने के लिए भी टास्क फोर्स गठित करने के निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने चरखी दादरी, झज्जर, महेंद्रगढ़, सोनीपत, रोहतक समेत कुछ अन्य क्षेत्रों में होने वाले जल भराव को ठीक करने हेतु सोलर पंप से जल निकासी का प्रबंध करने के निर्देश देते हुए कहा कि आस-पास के क्षेत्र में पौंड बनाकर मछली पालन का व्यवसाय शुरू किया जा सकता है। इसके लिए किसानों को प्रोत्साहित करें ताकि जल भराव वाले क्षेत्र से जल निकासी आसानी से हो सके।

सरकार के 100 दिन पूरे होने पर बीजेपी दे चुनावी वादों का हिसाब- हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बिजली महंगी करने के फैसले का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में कोई नया पावर प्लांट लगाना तो दूर, एक यूनिट भी बिजली उत्पादन नहीं किया। बावजूद इसके वो लगातार बिजली दरों में बढ़ोत्तरी कर रही है। जबकि प्रदेश में कांग्रेस के दौरान 4 पावर प्लांट और 1 न्यूक्लियर पावर प्लांट स्थापित हुए। बावजूद इसके कांग्रेस ने देश में सबसे सस्ती बिजली हरियाणावासियों को उपलब्ध करवाई। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में बिजली उपभोक्ताओं के 1600 करोड़ रुपए के बिल माफ किए थे। लेकिन बीजेपी ने उनका एक भी रुपया माफ नहीं किया और ऊपर से वो लगातार उपभोक्ताओं पर जुर्माना, एफएसए, नए मीटर के चार्ज समेत अलग-अलग तरह की वसूली कर रही है। अब सरकार ने 84 लाख बिजली उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 47 पैसे फ्यूल सरचार्ज एडजस्टमेंट (स्नह्र) के नाम पर लूटने का फरमान सुनाया है। इसके चलते 201 यूनिट बिजली खर्च होने पर प्रत्येक उपभोक्ता को 94.47 रुपये ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा। इसके अलावा भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बीजेपी की नई सरकार के 100 दिन पूरे होने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 100 दिनों को सिर्फ व्यर्थ किया है और इतने दिन में कोई भी काम नहीं किया। प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है और बेरोजगारी व महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी का यह आलम है कि 5700 युवाओं ने, जिसनें ज्यादातर हाईली क्वालिफाइड हैं, उन्होंने चपरासी की नौकरी के लिए अप्लाई किया है। शिक्षा तंत्र की बात की जाए तो आज सरकारी स्कूलों में ना बच्चे बचे हैं और ना अध्यापक। बीजेपी ने 10 साल से किसी गरीब को 100 गज का प्लॉट नहीं दिया। जबकि कांग्रेस ने लगभग 4 लाख परिवारों को प्लॉट बांटे थे। निकाय चुनाव में देरी को लेकर हुड्डा ने कहा कि पहले बीजेपी ने पंचायत चुनाव में भी इसी तरीके से देरी की थी और अब निकाय चुनाव में भी सरकार की कोई रुचि नहीं है। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 100 दिन पूरे होने पर बीजेपी को बताना चाहिए कि उसे चुनावी वादों का क्या हुआ। महिलाओं को मिलने वाले 2100 रुपये, 500 रुपये के सस्ते सिलेंडर और युवाओं की 2 लाख पक्की नौकरियों का क्या हुआ? उसे बताना चाहिए कि कौशल रोजगार निगम के सभी कर्मचारियों को पक्का करने का वादा करने वाली सरकार अब उन्हें नौकरी से क्यों हटा रही है?

चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी के निवासियों व बिल्डर प्रबंधन के साथ डीसी ने की बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी में रहने वाले सभी नागरिकों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। जिला प्रशासन ने इस दिशा में चिंटेल्स बिल्डर्स को ठोस निर्देश जारी किए हुए हैं। यह बात डीसी अजय कुमार ने लघु सचिवालय के सभागार में चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी के ए, बी, सी तथा डी, ई, एफ टावर के प्रतिनिधियों व बिल्डर्स के साथ बैठक में कही। बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा, पीडब्ल्यूडी के एसई प्रवीण कुमार व डीटीपी अमित मधोलिया भी मौजूद रहे। डीसी अजय कुमार ने चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी के विभिन्न टावर्स के प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिला प्रशासन ने बिल्डर प्रबंधन को सोसाइटी निवासियों के साथ समझौते व पुनर्वास के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इच्छुक नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार दिए गए विकल्प में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं। उन्होंने प्रतिनिधियों से कहा कि इन दोनों विकल्पों के अलावा आप लोगों की अन्य कोई मांग या सुझाव है तो

आप लिखित रूप में इसे कमेटी के सम्मुख प्रस्तुत करें ताकि बिल्डर प्रबंधन से संबंधित सुझावों पर बात की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने चिंटेल्स सोसायटी के निवासियों के हित में जो भी समाधान वाजिब हैं, उसके लिए उच्च स्तर पर विशेषज्ञों की टीम से हर मामले का बारीकी से निरीक्षण करवाया है। इसके उपरांत नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसी सार्थक निर्णय पर पहुंचने से पहले सभी फ्लैट धारकों व बिल्डर प्रबंधन के साथ निरन्तर बैठकें की जा रही हैं। बैठक में टावर ए, बी तथा सी के निवासियों ने फ्लैट खाली न कराने का आग्रह किया।

इस पर डीसी ने आश्वस्त किया कि पहले तीनों के टॉवर के निवासियों से आपत्तियां मांगी जाएगी और उस पर बिल्डर प्रबंधन से भी जवाब मांगा जाएगा। इसके बाद चिंटेल्स कमेटी के द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

समीक्षा और भविष्य की रणनीति बनाने के लिए हुई बैठक

एजेंसी

जींद। भारतीय रेडक्रास सोसायटी एवं सेंट जॉन एंबुलेंस की हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ द्वारा समय-समय पर जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए कराए गए कार्यों की समीक्षा व भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने को लेकर सोसायटी की राज्य शाखा चंडीगढ द्वारा स्थानीय जिम खाना क्लब में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में हरियाणा के सभी जिलों के सचिव, सहायक सचिव तथा जिला प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया। रिव्यू बैठक की अध्यक्षता हरियाणा राज्य सोसायटी के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी तथा राज्य सचिव डा. मुकेश अग्रवाल द्वारा की गई। इस अवसर पर जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव रवि हुड्डा ने वाइस चेयरपर्सन तथा राज्य सचिव का बैठक में पहुंचने पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। समीक्षा बैठक में अंकुश मिगलानी द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी, सेंट जॉन की गतिविधियों को जिला स्तर पर बढ़ाने के लिए सुझाव तथा दिशा निर्देश दिए गए।

देश में अव्वल रही हरियाणा शाखा : अंकुश

वाइस चेयरमैन अंकुश

मिगलानी ने जिला के सभी सचिवों को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा राज्य रेडक्रॉस सोसायटी चंडीगढ़ शाखा द्वारा पिछले साल के दौरान रक्तदान शिविरों का आयोजन करके तीन लाख 46 हजार 124 यूनिट रक्त का संग्रह करने पर हरियाणा शाखा पूरे देश में अव्वल स्थान हासिल किया है। इस सराहनीय कार्य के लिए राष्ट्रपति द्वारा अवार्ड से नवाजा गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य के 57 युवा व अनेकों महिलाएं ऐसे हैं, जिन्होंने 100 से भी अधिक बार रक्तदान किया है। शाखा द्वारा उनको सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य के लगभग सभी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को इसमें सहयोग के लिए चुना गया है और इनको प्रशिक्षण दिया गया है। ये विद्यार्थी सरकार द्वारा समय-समय पर चलाए जाने वाले नशा मुक्ति अभियान, टीबी मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रम तथा बाढ़ व आगजनी होने जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि जरूरत के हिसाब से इनका सहयोग लिया जा सके।

बैठक में जिला रेडक्रास सोसायटी जींद के सचिव रवि हुड्डा ने अधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मुख्यालय द्वारा जो भी निर्देश दिए जाते हैं, उनकी अक्षरशः पालना की जा रही है। जरूरत के हिसाब से समय-समय पर रक्तदान, दिव्यांगों की पहचान करके उनके लिए कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने जैसे कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे है। उन्होंने बताया कि अभी पिछले दिनों भी खंडस्तर पर दिव्यांग पहचान शिविर का आयोजन किया गया है ताकि दिव्यांगों को उनके घर द्वार के नजदीक ही सुविधा मिल सके। बैठक में राज्य संयुक्त सचिव अनिल जोशी, कार्यक्रम अधिकारी रोहित शर्मा, राज्य प्रशिक्षण अधिकारी संजीव धीमान, प्रचार अधिकारी विजय कुमार तथा जिला रेडक्रास सोसायटी का स्टाफ मौजूद रहा।

सार्वजनिक शौचालयों व यूरिनल में मिली खामियां, एजेंसी पर लगेगा जुर्माना

एजेंसी

हिसार। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने शुक्रवार को सार्वजनिक शौचालयों और

यूरिनल का निरीक्षण किया। इस दौरान संयुक्त आयुक्त ने राजगुरु मार्केट, सुशीला भवन, व मलिक चौक पर बने शौचालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के इस दौरान सीएसआई राजकुमार, एएसआई कपिल, एएसआई रोहित सहित एजेंसी के कर्मचारी मौजूद रहे। संयुक्त आयुक्त डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि शहर के कुछ सार्वजनिक शौचालय व यूरिनल का निरीक्षण किया। इनमें से तीन ऐसे शौचालय व यूरिनल थे जिसमें साफ-सफाई नहीं थी और सामान टूटे हुए थे जिसको लेकर देखरेख कर रही एजेंसी सोशल स्किल विजन सिक्योरिटी को साफ-सफाई करने व टूटे हुए सामान को ठीक करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिन शौचालयों में खामियां मिली है एजेंसी पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।उन्होंने बताया कि इसी प्रकार समय-समय पर औचक निरीक्षण किए जाएंगे।

नए पैरा लीगल वॉलिंटियर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

प्रत्येक नागरिक तक कानूनी सहायता पहुंचाना विधिक सेवाएं प्राधिकरण का मुख्य मकसद : नरेंद्र सूरा

एजेंसी

नारनौल। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा की अध्यक्षता में आज एडीआर सेंटर नारनौल में नए पैरा लीगल वॉलिंटियर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्हें उनकी भूमिका समझाई गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव शैलजा गुप्ता भी मौजूद थीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक तक कानूनी सहायता पहुंचाना विधिक सेवाएं प्राधिकरण का मुख्य मकसद है।

सभी पैरा लीगल वालंटियर्स पूरी गंभीरता के साथ नागरिकों को कानून के प्रति सजग करें तथा उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि विशेषकर गरीब नागरिकों, महिलाओं तथा बच्चों पर फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को जागरुक करते समय संचार कला का बहुत बड़ा महत्व है। ग्रामीणों से उन्हीं की भाषा में बात करें। इस तरह

से वे बेहतर तरीके से आपकी बात को समझ सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान एडवोकेट मास्टर ट्रेनर गिरिबाला यादव ने संविधान का आधारभूत ढांचा तथा विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कार्य तथा पैरा लीगल वालंटियर्स की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं लीगल एड काउंसल संदीप कुमार ने बेसिक क्रिमिनल लॉ तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी।

इसी प्रकार लीगल एड काउंसल अजय कुमार पांडेय ने वरिष्ठ नागरिक एक्ट 2007 की जानकारी दी तथा संचार कला के गुर सिखाए। इसके अलावा उन्होंने लेबर लॉ तथा चाइल्ड राइट के बारे में भी जानकारी दी।

संविधान निर्माताओं को सम्मान देने को सामूहिक संविधान प्रस्तावना वाचन कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

नारनौल। संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराते हुए संविधान निर्माताओं का सम्मान करने के लिए आज जिला महेंद्रगढ़ में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' के तहत संविधान प्रस्तावना वाचन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार जिले के सभी थाना, चौकियों, पुलिस लाइन नारनौल सामूहिक संविधान प्रस्तावना का वाचन किया। इन कार्यक्रमों में

पुलिस कर्मचारियों ने सामूहिक रूप संविधान प्रस्तावना का वाचन किया तथा संविधान निर्माता के प्रति अपनी कृतज्ञता की। संविधान की प्रस्तावना की वाचना को लेकर 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' के तहत संविधान निर्माताओं को याद किया गया। जिसके तहत महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा जिले के सभी थाना प्रबंधकों, चौकी इंचार्जों व पुलिस लाइन नारनौल में संविधान की प्रस्तावना को पड़ा तथा सभी पुलिस कर्मचारियों ने एक स्वर में प्रस्तावना को दोहराया।

नूंह में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को सफल बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी

नूंह। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नूंह के अग्रणी जिला कार्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का संचालन केनरा बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) सागर फलदू की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी सम्मिलित हुए। कार्यशाला में योजना के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर चर्चा की गई और इसके सफल क्रियान्वयन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। एलडीएम सागर फलदू ने कहा कि सभी बैंक अधिकारियों को सौर ऊर्जा विभाग द्वारा प्रायोजित ऋण आवेदनों को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध तरीके से निपटाना चाहिए, ताकि बीपीएल परिवार इस योजना का अधिकतम लाभ उठा सकें। नूंह बिजली निगम के एसडीओ अमित ने योजना की दो श्रेणियों के बारे में जानकारी दी। पहली श्रेणी में उन बीपीएल परिवारों को शामिल किया गया है जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम है। इन परिवारों को 2 किलोवाट तक सौर ऊर्जा संयंत्र पर

केंद्र सरकार से 60 हजार रुपए और राज्य सरकार से 50 हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी। इस संयंत्र की कुल लागत 1 लाख 35 हजार रुपये आएगी, जिसमें से 1 लाख 10 हजार रुपए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दिए जाएंगे, जबकि शेष 25 हजार रुपए का ऋण बैंक से प्राप्त किया जा सकेगा। इस संयंत्र से उपभोक्ता को प्रति माह 300 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा, जिससे न केवल बिजली बिलों में भारी कटौती होगी, बल्कि जिन उपभोक्ताओं की बिजली खपत कम है, उन्हें तो बिजली बिल भरने से भी मुक्ति मिल सकती है।

दूसरी श्रेणी में उन उपभोक्ताओं को रखा गया है जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार से 3 लाख रुपये के बीच है। इन उपभोक्ताओं को 2 किलोवाट के लोड पर केंद्र सरकार से 60 हजार रुपये और राज्य सरकार से 20 हजार रुपये की सब्सिडी मिलेगी, और शेष राशि के लिए बैंक ऋण प्रदान करेगा। इस कार्यशाला के माध्यम से योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया गया।

किसान सभा ने किया 26 को ट्रेक्टर परेड निकालने का ऐलान

एजेंसी

हिसार। अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक पृथ्वी प्रभात भवन में हुई। बैठक में राष्ट्रीय आह्वान के तहत किसान आंदोलन के आगामी कदम के लिए 26 जनवरी को सभी तहसीलों में ट्रेक्टर मोटरसाइकिल, मार्च निकालने का निर्णय किया गया। बैठक जिला अध्यक्ष शमशेर सिंह नंबरदार की अध्यक्षता मे हुई व संचालन जिला सचिव सतबीर धायल ने किया।जिला सचिव ने शुक्रवार को बताया कि अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक हुई जिसमें 4 जनवरी की टोहाना किसान महापंचायत की समीक्षा की गई और महापंचायत को कामयाब करने के सभी कार्यकताओं का आभार प्रकट किया। किसान सभा के संगठन को मजबूत करने के लिए गांव गांव में सदस्यता अभियान तेज करने व ग्रामीण कमेटियों का गठन करने का फैसला लिया गया।संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर किसान सभा ने नई कृषि बाजार नीति का विरोध गांव गांव जारी रखने का आह्वान किया। इसके साथ ही मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान के तहत प्रदेश भर में तहसील स्तर पर 26 जनवरी को ट्रैक्टर परेड निकालने का ऐलान किया। किसान परेड के माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग की जाएगी कि वे सभी संघर्षरत किसान संगठनों के साथ तुरंत चर्चा करें और जगजीत सिंह डल्लेवाल की जान बचाएं, किसान-विरोधी राष्ट्रीय कृषि बाजार नीति को तुरंत वापस लें, सी 2+50त्न की दर से गारंटीकृत खरीद के साथ एमएसपी का कानून बनाएं, किसानों और खेत मजदूरों की कर्ज माफी के लिए व्यापक योजना बनाएं, बिजली का निजीकरण बंद करें, स्मार्ट मीटर योजना रद्द करें। बैठक में किसानों की तात्कालिक समस्याओं जिसमें पिछले दिनों बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों के मुआवजे देने, लंबित बीमा क्लेम जारी करने, राजस्व विभाग के लंबित मुआवजे तत्काल प्रभाव से जारी करने की मांगे भी उठाई गई। प्रदेश सरकार द्वारा सूखा राहत के 2000 रुपये जिन किसानों के बकाया है वो डालने और पोर्टल के नाम पर किसानों को तंग करने की नीति वापिस लेने की मांग उठाई गई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जनवरी को समाप्त हफ्ते में 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रह गया है, जो पिछले 10 महीने का निचला स्तर है। इससे पिछले सप्ताह में यह 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब यूएस डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 10 जनवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.47 अरब डॉलर घटकर 536.01 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 79.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.88 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 40 लाख डॉलर घटकर 4.19 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। दरअसल, विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए रिजर्व बैंक का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है।

वित्त मंत्री से मिले सीआईआई महानिदेशक, कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। केंद्रीय बजट 2025-26 संसद में पेश होने से पहले सीआईआई महानिदेशक की यह मुलाकात अहम है। हालांकि, इसका विस्तृत ब्यौरा अभी नहीं मिला है। इस अवसर पर अन्य लोग भी मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) सलाहकारी और परामर्श प्रक्रियाओं के जरिए उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और बनाए रखने के लिए काम करता है।

शेयर बाजार की तेजी का सिलसिला थमा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, टेक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर पीएसई, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर मिला-जुला कारोबार होता नजर आया, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 35 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 428.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.40 लाख करोड़ रुपये था।

बीपीसीएल ने एसबीआई के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के साथ ऋण समझौते पर किये हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसीएल) ने मध्य प्रदेश के बीना में अपनी रिफाइनरी के विस्तार और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना के वित्तपोषण के लिए भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के साथ 31,802 करोड़ रुपये के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना की अनुमानित लागत 48,926 करोड़ रुपये है जिसका उद्देश्य 12 लाख टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) एथिलीन क्रैकर इकाई वाला एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स स्थापित करना और रिफाइनरी की क्षमता को 7.8 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 11 एमएमटीपीए करना है। इस विस्तार से बीपीसीएल को डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल उत्पाद जैसे कि लीनियर लो डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एलएलडीपीई), हाई डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एचडीपीई), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) और अन्य सुगंधित पदार्थ के उत्पादन में मदद मिलेगी जिससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी।

पीयूष गोयल ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो को बताया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटो शो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 के उद्घाटन अवसर पर इसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव शो बताया है। उन?होंने कहा कि प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में प्रधानमंत्री के विजन ने परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। गोयल ने कहा कि भारत मोबिलिटी दुनिया को भारत की कहानी दिखा रही है। नवाचार और स्थिरता अब देश में ऑटो उद्योग का फोकस है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया, जिसमें उन्होंने दिग्गज रतन

टाटा और ओसामु सुजुकी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत मोबिलिटी सेक्टर को प्रेरित करेगी। ये एक्सपो 22 जनवरी तक तीन प्रतिष्ठित स्थलों भारत मंडपम, नई दिल्ली, यशोभूमि, द्वारका और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य श्रृंखला को एक छत के नीचे एकजुट करना है। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में तीन स्थानों पर 2 लाख वर्ग मीटर का उपयोग भारत मोबिलिटी शो के लिए किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन मोबिलिटी सेक्टर का स्वरूप बदल रहे हैं, पहली बार ऑटो खरीदने वालों को ईवी खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत मोबिलिटी 2025 इंडिया स्टोरी को दुनिया के सामने पेश करता है, जो निवेश और हमारे निर्यात को बढ़ाने के लिए एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो ने मोबिलिटी इकोसिस्टम की वैल्यू चेन-ऑटोमोबाइल से लेकर ऑटो से जुड़े कंपोनेंट को एक ही छत के नीचे ला दिया है।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के जीर्णोद्धार को कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का जीर्णोधार करने जा रही है। इसके लिए 11,440 करोड़ रुपये तय किए हैं। वर्तमान में कंपनी की 26 हजार करोड़ से अधिक की देनदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने इसे अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।

विशाखापत्तनम प्लांट को संचालित करने वाली राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटिड (आरआईएनएल) भारत सरकार के शत प्रतिशत स्वामित्व के साथ इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है। इसकी तरल स्टील की स्थापित क्षमता 7.3 एमटीपीए है।

सरकार की खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर है नजर : खाद्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार उपभोक्ताओं के लिए जरूरी खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और कीमतों पर कड़ी निगरानी रख रही है, ताकि उपभोक्ताओं को उनकी सामर्थ्य के अनुसार खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो सकें तथा मूल्य व्यवस्था स्थिर बनी रहे। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार समय रहते और पहले से ही निर्णय ले रही है। आवश्यक खाद्य वस्तुओं की समग्र उपलब्धता और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने, आयात और निर्यात नीतियों जैसे उपाय किए जा रहे हैं।

मंत्रालय के मुताबिक सरकार उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए समय पर निर्णय ले रही है। अच्छी मानसूनी बारिश और अनुकूल मौसम के कारण फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में दालों और प्याज का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ने का अनुमान

है। वहीं, 2024-25 में तुअर उत्पादन 35.02 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष के 34.17 लाख टन उत्पादन से 2.5 फीसदी अधिक है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय के मुताबिक कृषि मंत्रालय ने तुअर की खरीद के लिए मंजूरी जारी कर दी है। वहीं, मंत्रालय को अधिक बुवाई के कारण खरीफ और देर खरीफ प्याज का उत्पादन अच्छा रहने का अनुमान है। इसी तरह रबी प्याज की बुवाई भी अच्छी चल रही है। गौरतलब है कि खाद्य मुद्रास्फीति अक्टूबर के 10.87 फीसदी के मुकाबले घटकर दिसंबर 2024 में 8.39 फीसदी हो गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में 6 पैसे की गिरावट, 86.61 के स्तर पर बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स में आई तेजी, स्टॉक मार्केट में आई कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण भारतीय मुद्रा में डॉलर की तुलना में 6 पैसे की गिरावट आ गई। भारतीय मुद्रा आज डॉलर के मुकाबले 86.61 रुपये के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय रुपया 86.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। मुद्रा बाजार में आज भारतीय रुपया दो पैसे की कमजोरी के साथ 86.57 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। दिन के कारोबार में रुपया मजबूत होकर 86.55 के स्तर तक पहुंचा, वहीं डॉलर की मांग बढ़ जाने पर भारतीय मुद्रा 86.63 रुपये के स्तर तक टूट भी गई। अंत में भारतीय मुद्रा ने दिन के निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करके 86.61 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के जानकारों का मानना है कि डॉलर इंडेक्स में आई तेजी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण आज रुपये पर दबाव बढ़ गया। इसी तरह घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बनाकर अपना पैसा निकालने की कोशिश की, इसलिए डॉलर की मांग

तेज होने की वजह से रुपये पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के स्टॉक मार्केट में लिवाली करने की वजह से डॉलर की मांग में कमी आई, जिसके कारण रुपया भी निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करने में सफल रहा। मार्केट एक्सपर्ट अंशुमान चौधरी का कहना है कि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में आई गिरावट की वजह से आज डॉलर इंडेक्स 108.96 के स्तर से बढ़कर 109.25 के स्तर तक पहुंच गया। इस वजह से भारतीय मुद्रा समेत ज्यादातर देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ गया। अंशुमान चौधरी का मानना है कि ग्लोबल मार्केट की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी के कारण आने वाले दिनों में रुपये पर लगातार दबाव की स्थिति बनी रह सकती है। इसके साथ ही इंपोर्टर्स की ओर से भी डॉलर की मांग में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। ऐसी स्थिति में अगर भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को सपोर्ट करने के लिए मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह बढ़ा दे, तो रुपये की कीमत को काफी सहारा मिल सकता है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स का करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स के दौरे पर जाएंगे। पीयूष गोयल की यह यात्रा यूरोपीय संघ के साथ व्यापार और निवेश संबंधों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया गया है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयोग के आयुक्त मारोस शेफकोविक के साथ उच्च स्तरीय वार्ता में भाग लेंगे। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की यह यात्रा इस बात को रेखांकित करती है कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ अपने व्यापार और निवेश संबंधों को कितना महत्व देता है, जो हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वि?त वर्ष 2023-2024 में 180 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। इसके साथ ही ईयू प्रत्यक्ष

विदेशी निवेश का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिसका कुल एफडीआई 117.34 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएगीः जयंत चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएंगी। सोलर कम्युनिटी हब मोबाइल वैन प्रशिक्षण इकाइयों को हरी झंडी दिखाने के बाद उन्होंने संबोधन में यह बात कही।

जयंत चौधरी ने कहा कि यह परिवर्तनकारी पहल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन, डेल टेक्नोलॉजीज और स्थानीय हितधारकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। चौधरी ने कहा, सौर ऊर्जा से चलने वाली ये मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां शिक्षा और अवसरों को सीधे वंचित समुदायों के दरवाजे तक पहुंचाकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। चौधरी ने क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 रैंकिंग में भारत को दूसरा स्थान

मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे परिवर्तनकारी क्षेत्रों में हमारे देश की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती करती है। इस कार्यक्रम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव अतुल कुमार तिवारी तथा एनएसडीसी के सीईओ एवं एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी भी उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि सोलर कम्युनिटी हब सौर ऊर्जा से चलने वाली अत्याधुनिक मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां हैं, जिन्हें वंचित समुदायों को प्रभावशाली कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम सोलर कम्युनिटी हब की राष्ट्रव्यापी तैनाती की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें सिक्किम, आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के जिलों में संचालित होने वाली सात वैन शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम का विस्तार सात नए जिलों तक किया जाएगा। इससे समुदाय के युवाओं, छात्रों, महिलाओं तथा बुजुर्गों सहित अतिरिक्त 58 लाख लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन, सीजी पावर और सीजी सेमी ने वित्तीय सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। एक मजबूत सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित करते हुए भारत सेमीकंडक्टर मिशन, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड और सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक वित्तीय सहायता समझौते (एफएसए) पर हस्ताक्षर किए गए। यह सीजी की ओएसएटी सुविधा के माध्यम से अपने सेमीकंडक्टर विनिर्माण को मजबूत करने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए संशोधित कार्यक्रम के तहत अनुमोदित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड गुजरात के साणंद में अपनी

सेमीकंडक्टर ओएसएटी इकाई स्थापित कर रही है। यह रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका इंक. और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स (थाईलैंड) पब्लिक कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी में है। इसमें कुल निवेश लगभग 7,600 करोड़ रुपये (परियोजना) है। इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन से पात्र पूंजीगत व्यय के लिए समतुल्य आधार पर 50 प्रतिशत राजकोषीय सहायता का लाभ मिलेगा, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सचिव एस कृष्णन ने रेखांकित किया कि भारत सरकार एफएसए पर हस्ताक्षर के साथ परियोजना के कार्यान्वयन के हर चरण में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घरेलू बौद्धिक संपदा और बाजार विकास के महत्व पर जोर देते हुए क्षेत्र की बारीकियों को गहराई से समझने और उनकी तेज प्रगति के लिए सीजी पावर की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीजी पावर भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएगा और 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स में 500 बिलियन डॉलर के उत्पादन लक्ष्य तक पहुंचने के भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

महाराष्ट्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस 19 जनवरी को दावोस जाएंगे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 19 जनवरी की सुबह मुम्बई से दावोस जाएंगे। दावोस में 20 से 24 जनवरी तक मुख्यमंत्री विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में लेंगे। यह जानकारी सूत्रों ने दी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री फडणवीस का दावोस दौरा कई बड़े कार्यक्रमों से भरा हुआ है। वह विश्व के कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरे में उनके साथ उद्योग मंत्री उदय सामंत, एमआईडीसी, एमएमआरडीए और सिडको के अधिकारी भी होंगे। इस दौरे में डेटा सेंटर, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा उद्योग, दवा निर्माण और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस दौरे का उद्देश्य

महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निवेश आकर्षित करना तथा बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस बारे में प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में निवेश लाने और बुनियादी ढांचे का विकास करते समय उनकी सरकार ने हमेशा संतुलित और क्षेत्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। दावोस दौरे का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र के सभी क्षेत्रों और जिलों में निवेश लाना है, जिससे सभी के लिए समान विकास सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 279-294 रुपये प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली। जल एवं अवसंरचना समाधान कंपनी डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 22 जनवरी, 2025 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 279-294 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई पर 29 जनवरी को लिस्ट होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ 22 जनवरी को सब्सिक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 24 जनवरी, 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशक इसमें 21 जनवरी को दांव लगा पाएंगे। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 50 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 50 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से 75 लाख इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। इसकी कीमत मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर 220.5 करोड़ रुपये है। कंपनी नए निर्गम से 150 करोड़ रुपये की इनकम का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा।

देश की डिजिटल भुगतान क्रांति में सबसे आगे यूपीआई, दिसंबर में 16.73 बिलियन लेनदेन का रिकॉर्ड हिट

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में भारत ने डिजिटल लेन-देन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है, जो कैशलेस समाज बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति में सबसे आगे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) है, जिसने दिसंबर 2024 में 16.73 बिलियन लेन-देन का रिकॉर्ड हिट बनाया है। इसके अलावा तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और एनईटीसी फास्टैग वित्तीय लेन-देन को तेज़, अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के हालिया डेटा के अनुसार यूपीआई ने 16.73 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें 23.25 लाख करोड़ रुपये का चौंका देने वाला लेनदेन मूल्य है। यह नवंबर में 21.55 लाख करोड़ रुपये से उल्लेखनीय उछाल है। 2024 में यूपीआई ने लगभग 172 बिलियन लेन-देन संसाधित किए, जो 2023 में 117.64 बिलियन से 46 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि वित्तीय समावेशन की ओर एक व्यापक सांस्कृतिक बदलाव को रेखांकित करती है, जिसमें यूपीआई एक केंद्रीय स्तंभ है। यूपीआई ने मोबाइल लेन-देन के क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखा है। आईएमपीएस लंबे समय से खातों के बीच तत्काल भुगतान के लिए एक विश्वसनीय सेवा रही है। 2010 में लॉन्च की गई तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) एक वास्तविक समय, 24×7 इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सेवा है, जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों में त्वरित लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। मोबाइल, एटीएम, एसएमएस और इंटरनेट सहित कई चैनलों के माध्यम से लेन-देन का समर्थन करने में इसकी बहुमुखी प्रतिभा ने इसे व्यवसायों और व्यक्तियों दोनों के लिए एक आवश्यक उपकरण बना दिया है। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमपीएस लेन-देन में उछाल आया है, दिसंबर 2024 में 441 मिलियन लेन-देन दर्ज किए गए, जबकि नवंबर 2024 में 407.92 मिलियन लेन-देन दर्ज किए गए थे। लेन-देन मूल्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो दिसंबर में 6.01 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले महीने 5.58 लाख करोड़ रुपये था। एक अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल भुगतान विधि, जिसका महत्व बढ़ गया है, वह है एनईटीसी फास्टैग। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल का भुगतान करने का एक सहज कैशलेस तरीका प्रदान करता है, जिससे वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। फास्टैग को बैंक खाते (चाहे वह बचत, चालू या प्रीपेड हो) से जोड़कर चालक चलते-फिरते अपने टोल का भुगतान कर सकते हैं, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है। नवंबर में 358.84 मिलियन के मुकाबले दिसंबर में फास्टैग लेन-देन की मात्रा बढ़कर 381.98 मिलियन हो गई। नवंबर में 6,070 करोड़ रुपये के मुकाबले इसका मूल्य भी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपये हो गया।

क्या हेयर फॉल रोकने में मदद करता है तिल का तेल? जानिए इसका जवाब

आज कल कई लोग हेयर फॉल से जूझ रहे हैं. इसे कम करने के लिए कई तरीके और कई प्रोडक्ट्स का भी इस्तेमाल करते हैं. हेयर फॉल कम करने के लिए कई तरह के तेल फायदेमंद है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि तिल के तेल से भी बालों के झड़ने की समस्या को रोक सकते हैं?

बालों का झड़ना आज के समय में एक आम समस्या बन चुकी है. तनाव, खराब लाइफस्टाइल, प्रदूषण और खराब डाइट जैसे कई कारण बालों की सेहत को प्रभावित करते हैं. ऐसे में बालों की देखभाल के लिए नेचुरल उपायों का सहारा लेना एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है. तिल का तेल, जिसे आयुर्वेद में ÷संपूर्ण औषधि÷ कहा गया है, बालों के झड़ने को रोकने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है.

तिल का तेल न केवल प्राचीन चिकित्सा का हिस्सा है, बल्कि आज भी इसे बालों और त्वचा की देखभाल के लिए उपयोग किया जाता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, और मिनरल्स बालों की जड़ों को पोषण देते हैं और उन्हें टूटने से बचाते हैं. अगर आप हेयर फॉल की समस्या से जूझ रहे हैं, तो तिल का तेल एक असरदार और सेफ उपाय हो सकता है.आइए जानें कि तिल का तेल कैसे काम करता है, इसके क्या फायदे हैं, और इसे बालों की देखभाल में किस तरह से उपयोग किया जा सकता है.

तिल के तेल में क्या-क्या पोषक तत्व होते हैं?

तिल का तेल कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का भंडार है, जो बालों की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं.

विटामिन श्च: जड़ों को पोषण देकर बालों को मजबूत बनाता है.

मैग्नीशियम: बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देता है.

फैटी एसिड्स:स्कैल्प को हाइड्रेट करके रूखेपन और डैंड्रफ से बचाते हैं.

एंटीऑक्सीडेंट: बालों को फ्री रेडिकल्स से बचाकर उन्हें समय से पहले सफेद होने से रोकते हैं.

हेयर फॉल रोकने में तिल का तेल कैसे मदद करता है?

बालों की जड़ों को पोषण देता है: तिल का तेल बालों की जड़ों में गहराई तक जाकर पोषण प्रदान करता है. ये जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें टूटने से बचाता है.

ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है: तिल के तेल से रेगुलर मालिश करने से स्कैल्प में ब्लड फ्लो बेहतर होता है, जिससे बालों की ग्रोथ में मदद मिलती है.

डैंड्रफ को कम करता है: डैंड्रफ बाल झड़ने का मुख्य कारण हो सकता है. तिल का तेल एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है, जो डैंड्रफ को कंट्रोल करता है.

स्कैल्प को मॉइस्चराइज करता है: तिल का तेल स्कैल्प को हाइड्रेट करके उसकी नमी को बनाए रखता है, जिससे स्कैल्प का रूखापन और खुजली कम होती है.

बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है: तिल का तेल बालों की प्राकृतिक काली चमक बनाए रखने में मदद करता है और समय से पहले सफेद होने से बचाता है.

तिल का तेल उपयोग करने का सही तरीका

मालिश के लिए उपयोग करें: तिल के तेल को हल्का गुनगुना कर लें. इसे उंगलियों की मदद से स्कैल्प पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें. बेहतर रिजल्ट के लिए तेल को रातभर छोड़ दें और सुबह शैंपू कर लें.

हेयर मास्क के रूप में: तिल के तेल में मेथी पाउडर, आंवला पाउडर या एलोवेरा जेल मिलाकर हेयर मास्क बनाएं. इसे स्कैल्प और बालों पर लगाकर 30-40 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें.

बाजार में क्यों हाहाकार है

बाजार में हाहाकार है। बाजार मतलब सिर्फ शेयर और पूंजी बाजार नहीं करेंसी बाजार और सामान्य बाजार भी

इसका असर निश्चित रूप से हमारे शेयर बाजारों के साथ रुपए का मोल गिरने पर पड़ा है और दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतों में अचानक और अकारण से उछल पड़ा है। अमेरिकी डालर का मूल्य अमेरिका में भी बढ़ा है क्योंकि उसमें निवेश में कमाई के नतीजे बेहतर होने की रिपोर्ट आई है। वहां भी लगभग एक फीसदी गिरा है और इसका असर वैश्विक है।बाजार में हाहाकार है। बाजार मतलब सिर्फ शेयर और पूंजी बाजार नहीं करेंसी बाजार और सामान्य बाजार भी। यह बात जोर शोर से प्रचारित की जा रही है कि खुदरा मूल्य सूचकांक गिरा है और चार महीने के न्यूनतम स्तर पर आ गया है लेकिन वह अभी भी 5.2 फीसदी जैसे खतरनाक स्तर से ऊपर है और यह बात रिजर्व बैंक भी मानता है। बल्कि इसके चलते वह बैंक दरों में हेरफेर करने से बच रहा है। अभी तत्काल बड़ी चिंता शेयर बाजार में कोहराम से है। जब 13 जनवरी को बाजार का एक दिन का नुकसान 13-14 लाख करोड़ रुपए का हो गया तो दूसरे दिन सरकार और बाजार के कामकाज पर नजर रखने वाले सचेत हुए। कुछ टेक्नीकल करेक्शन का असर था और कुछ हजारों करोड़ रुपए झोंकने का, बाजार में हल्की बढ़त दिखी।

झोंकना शब्द जाना-बूझ कर इस्तेमाल किया गया है क्योंकि साझा कोष हों या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां, उनके निवेश का फैसला बाजार के रुख की जगह सरकार के रुख से तय होता है और हर संकट में ऐसा निवेश बाजार बचाने वाला होता है और करेंसी बाजार को संभालने के लिए तो सचमुच बैंक में जमा धन बाजार में उतारना पड़ता है। इस बार बाजार संभल पाएगा यह कहना मुश्किल है क्योंकि यह सिर्फ किसी एक समूह के कामकाज से जुड़ी देसी-विदेशी रिपोर्ट या सच के उजागर होने से आया तूफान नहीं है।

इस बार की गिरावट वैश्विक स्तर पर होने वाले कुछ बड़े बदलावों के चलते है और इसका असर हमारे बाजार पर सिर्फ 13 जनवरी को नहीं आया है। हमारा सेंसेक्स अस्सी हजार अंक से इतना नीचे आ गया है कि जल्दी भरोसा नहीं होता कि वह कभी इतना ऊपर गया था।

चार सत्रों में ही गिरावट ढाई हजार अंकों से ज्यादा की हो चुकी है और इसमें हर तरफ लक्षण खराब दिख रहे हैं। बाजार के जानकार जिनकी बारीक चीजों पर नजर रखते हैं उनमें %निफ्टी नेक्स्ट 50% अर्थात निफ्टी में शामिल पचास शेयरों के बाद वाले पचास शेयरों का हिसाब समझ आता है, में और ज्यादा गिरावट के लक्षण देख रहे ही। उनमें आम तौर पर बीस फीसदी से ज्यादा की गिरावट है लेकिन अदानी ग्रीन जैसे दुलारे शेयरों में साल भर में 58 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। 13 जनवरी को ही बाजार 1.5 फीसदी के आसपास गिरा तो इन पचास शेयरों में गिरावट 4.3 फीसदी थी। अर्थात बाजार में आगे के लिए भी बहुत उम्मीद नहीं दिखती और निवेशक बाजार से मुंह मोड़ रहे है। ऐसा विदेशी निवेशक लगातार कर रहे हैं और उनके पूंजी निकालने(तथा चीन की तरफ रुख करने) पर सरकार अपनी संस्थाओं और सहयोगी संस्थाओं से लिवाली करा के बाजार को स्थिर करने का प्रयास करती रही है। पिछले साल की अंतिम छमाही में यह ट्रेंड रहा है।

शेयर बाजार की बदहाली का एक बड़ा कारण तो अचानक चीन के बाजारों में बढ़ता निवेश है और इसमें चीन सरकार की नीतियों के साथ दुनिया के बाजार में चीन की अनिवार्यता को स्वीकार करना भी एक कारण है। आज चीन का विदेश व्यापार का सरप्लस एक ट्रिलियन डालर का हो चुका है और काफी सारे देशों को लगता है कि चीन के उत्पादन तंत्र में पूंजी, ब्रांड-मूल्य और तकनीक की साझेदारी से अगर वे घाटे को कम कर सकते हैं तो जरूर करना चाहिए। चीन ने भी विदेशी निवेश आकर्षित करने के इंतजाम बढ़ाए हैं। पिछले छह महीने का जो हिसाब है वह बताता है कि चीन के प्रति डोनाल्ड ट्रम्प के जहर उगलने का भी निवेशकों के मन पर कोई असर नहीं हो रहा है। आज दुनिया के पूंजी बाजार में एक अलग तरह की हलचल है (और हमारे बाजार भी उससे गहरे प्रभावित हैं) उसका ट्रम्प के आगमन और उससे भी ज्यादा सरकारी अमेरिकी गील्ड में रिटर्न की डर का पांच फीसदी से ऊपर पहुंचने का हाथ है। जब बैंक और सरकारी बांड वगैरह में पड़ी रकम पांच फीसदी से ज्यादा की कमाई देने लगे तब अमेरिकी ही नहीं विकसित दुनिया के काफी सारे निवेशकों को दूसरी तरफ देखने की जरूरत नहीं है। ऐसा भरोसा तब और असरदार हो जाता है जब ट्रम्प के आगमन की आशंका से बाजार में बेचैनी हो।

इसका असर निश्चित रूप से हमारे शेयर बाजारों के साथ रुपए का मोल गिरने पर पड़ा है और दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतों में अचानक और अकारण से उछल पड़ा है। अमेरिकी डालर का मूल्य अमेरिका में भी बढ़ा है क्योंकि उसमें निवेश में कमाई के नतीजे बेहतर होने की रिपोर्ट आई है। वहां भी लगभग एक फीसदी गिरा है और इसका असर वैश्विक है। लेकिन हमारे बाजार और रुपए की गिरावट को हम अकेले इसी बहाने नजरअंदाज नहीं कर सकते।

डालर का 86.53 रुपया छूना बताता है कि हम असल खतरे वाले जोन में आ रहे हैं। अगर डालर की मजबूती और अमेरिकी बैंक रेट में गिरावट के लक्षण नहीं हैं तो रुपए जैसी कमजोर मुद्राओं पर लगातार दबाव रहेगा। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की भविष्यवाणी है कि साल भर में हमारा रुपया डालर के मुकाबले सवा रुपया और गिरेगा। इसका सीधा असर हमारे आयात बिल पर पड़ेगा। पिछले सितंबर से दिसंबर के तीन महीनों में रुपए को संभालने में चार लाख करोड़ से ज्यादा की लिक्वीडिटी कम हुई है अर्थात बाजार में नकदी कम हुई है।लेकिन यह मात्र करेंसी का मामला नहीं है। 20 जनवरी को जब ट्रम्प सत्ता में आएंगे तब के बाद वे काफी ऐसी चीजें करने वाले हैं जिनका हमारी पूरी अर्थव्यवस्था पर असर आएगा। इसमें वीज़ा नियमों का बदलाव भी है लेकिन हमारे विदेश मंत्री अमेरिका यात्रा करते हैं तो ज्यादा से ज्यादा अपने लिए शपथ ग्रहण समारोह का न्यौता जुगाड़ पाते हैं या कुछ गोपनीय मिशन पूरा करते हैं।

संपादकीय

राहुल का संघ पर नया हमला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बड़ा हमला बोला है। इस बार उनके निशाने पर सीधे संघप्रमुख मोहन भागवत आये हैं। दरअसल मंगलवार को भागवत ने एक बयान में वह सब कह दिया जो संघ वर्षों से कहता तो आया है लेकिन जब बात सार्वजनिक रूप से कहने या संवैधानिक मंच से स्वीकारने का अवसर आता है तो संगठन या तो मुकर जाता है या अपनी लाइन बदल देता है। 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ था और स्वतंत्र भारत का नीति-नियामक ग्रंथ भारतीय संविधान है, यह सभी जानते हैं परन्तु संघ का हमेशा से कुछ अलग ही विचार रहा है।

आजादी की लड़ाई से खुद को दूर रखने वाले संघ ने 26 जनवरी, 1950 को लागू किये गये संविधान को भी यह कहकर स्वीकार नहीं किया था कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। जाहिर है कि संघ एवं उसके राजनीतिक विंग पूर्ववर्ती जनसंघ और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की पसंद मनुस्मृति रही है जो कि गैरबराबरी और वर्ण भेद पर आधारित संहिता है। यह कुनबा आजाद भारत के संवैधानिक प्रतीकों के भी खिलाफ रहा है। यही कारण है कि वर्षों तक संघ के नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पर तिरंगा नहीं वरन शाखाओं में फहराया जाने वाला भगवा झंडा ही लगाया जाता था।

पिछली लगभग पौन शताब्दी के दौरान विभिन्न मौकों पर संघ के पदाधिकारियों द्वारा या उनके मुखपत्रों में ये विचार तो अभिव्यक्त होते ही रहे लेकिन मंगलवार के जिस बयान को लेकर राहुल आक्रामक हुए हैं, उसमें भागवत ने कहा कि भारत ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण दिवस पर अपनी सच्ची आजादी' हासिल की। भागवत का आशय राममंदिर की प्राणप्रतिष्ठा से था जो कि अयोध्या में पिछले साल हुआ था। तिथि के अनुसार इसकी सालगिरह 11 जनवरी को मनाई गई थी। भागवत ने यह भी कहा कि 15 अगस्त, 1947 को भारत को अंग्रेजों से राजनीतिक आजादी मिलने के बाद, देश से निकले उस खास नजरिये के दिखाए रास्ते के अनुसार एक लिखित संविधान बनाया गया, लेकिन दस्तावेज़ के अनुसार नहीं चलाया गया।

भागवत के इस बयान को राहुल ने राष्ट्रद्रोह करार देते हुए कहा कि संघप्रमुख ने स्वतंत्रता की लड़ाई, संविधान और हर भारतीय का अपमान किया है। राहुल गांधी बुधवार की सुबह कांग्रेस के नयी दिल्ली स्थित नवनिर्मित मुख्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने भागवत को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज जो लोग सत्ता में हैं, वे तिरंगे को सलाम नहीं करते, राष्ट्रीय ध्वज को नहीं मानते, संविधान को नहीं मानते और भारत के बारे में उनका नज़रिया हमसे बिलकुल अलग है।

भारत को लेकर नज़रिये का फर्क बतलाकर राहुल उन बुनियादी कारणों पर चले जाते हैं जिसके कारण कांग्रेस और संघ-भाजपा के बीच लड़ाई की स्पष्ट रेखा खिंचती है। इनमें से बहुत से ऐसे तथ्य हैं जो पिछले 75 वर्षों में कई बार साफ तौर पर उभरकर सामने तो आ ही चुके हैं, जिनके चलते कांग्रेस के साथ अनेक दल एवं संगठन भी संघ-जनसंघ-भाजपा के खिलाफ खड़े होते हैं। ऐसा भी नहीं कि राहुल इस मुद्दे पर पहली बार संघ को घेर रहे हैं पर इस बार सीधे भागवत पर हमला कर उन्होंने दर्शा दिया है कि लगातार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव हारने, भाजपा को तीसरी बार सत्ता से दूर रखने में असफल रहने तथा इंडिया गठबन्धन की एकजुटता में आ रहे अवरोधों के बावजूद संघी विचारधारा के खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई न धीमी पड़ी है और न ही ठंडी।अपनी दोनों भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान राहुल ने विचारधाराओं का जो संघर्ष छेड़ा था, उसमें कांग्रेस न तो कोई ढील देने जा रही है और न ही वह इससे पीछे हटेगी। उसे यह भी पता है कि वह संघ के विरोध की लड़ाई में बिलकुल अकेली है, वैसे ही जिस प्रकार आजादी की लड़ाई उसने अपने बलबूते पर लड़ी थी। इसलिये अपने भाषण में राहुल ने साफ किया कि, %इस देश में कोई भी दूसरी पार्टी नहीं जो उन्हें (भाजपा को) रोक सके। उन्हें रोकने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है। राहुल का यह कहना उनके संगठन के हौसलों को तो दर्शाता ही है, इसकी तैयारी भी दिखलाता है कि मौका पड़े तो वह अकेली संघ-भाजपा से दो-दो हाथ करेगी।

नर्मदा की जोड़ने वाली मेला संस्कृति

मेले में सर्कस और रामलीला आकर्षण का केन्द्र हुआ करते थे। माइक पर गीत पुराने सिनेमा गीत व धार्मिक भजन बजते रहते थे। नर्मदा की नरम-नरम रेत पर पैदल चलना अच्छा लगता था। मेले में भारी भीड़ होती थी। इधर से उधर लोग घूमते रहते थे। परकम्मावासियों की हर-हर नर्मदे की आवाजें ध्यान खींचती थी। महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में आते थे।हाल ही में नर्मदा नदी के किनारे सांडिया में मकर संक्रांति का मेला लगा। इसी तरह नर्मदा के किनारे जगह-जगह मेले लगते हैं। मुझे नर्मदा के किनारे रहने के कारण बार-बार नर्मदा के दर्शन हुए हैं। बचपन से ही मैं नर्मदा मेलों में जाता रहा हूं, आज नर्मदा की मेला संस्कृति पर यह कॉलम है, जिससे हम यह समझ सकें कि नर्मदा सिर्फ नदी ही नहीं है, जनसाधारण श्रद्धालुओं के लिए नर्मदा मैया है, यानी मां है, जीवनदायिनी है।मैं नर्मदा के किनारे मध्यप्रदेश के पूर्वी छोर पर एक कस्बे में रहता हूं। यहां हम पूर्णिमा के दो-तीन पहले से ही सरै भरते (साष्टांग लेटकर नर्मदा तक जाना) हुए श्रद्धालुओं को देखते हैं। वे दूर-दूर से आते हैं। एक दिन पहले तो रात भर हर-हर नर्मदे का जयकारा करते हुए नर्मदा जाने वालों का तांता लगा रहता है। पैदल, साइकिल, मोटर साइकिल, ट्रेक्टर-ट्राली और चार पहिया वाहनों से जनधारा नर्मदा की ओर बहती रहती है।

पिपरिया से सांडिया की दूरी करीब 20 किलोमीटर है। नर्मदा अमरकंटक से उद्गमित होकर इसी इलाके से होकर गुजरती है। मैं कई बार इन मेलों में जाता रहा हूं। यह मेले उत्साह से भर देते हैं। मेलों का उद्देश्य भी यही रहा है।

नर्मदा, अमरकंटक से उद्गमित होकर मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से होते हुए गुजरात में जाकर खम्बात की खाड़ी में मिलती है। इस दौरान वह करीब 13 सौ किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस बीच इसमें कई सहायक नदियां मिलती है, जो इसे सदानीरा बनाती रही हैं। इसके किनारे कई प्रसिद्ध मंदिर व धर्मशालाएं हैं। जलप्रपात व कई दर्शनीय स्थल हैं। कई पुरातात्विक महत्व के अवशेष भी मिले हैं।नर्मदा की श्रद्धालु परकम्मा (परिक्रमा) करते हैं। पहले पैदल करते थे, अब भी कुछ करते हैं, लेकिन अब पैदल के साथ बस व रेल से भी करने लगे हैं। परकम्मा के नियम होते हैं। जबलपुर के प्रसिद्ध चित्रकार अमृतलाल वेगड़ ने परकम्मा की थी, और यात्रा वृत्तांत पर तीन किताबें भी लिखी हैं, जो काफी चर्चित रही। मैंने स्वयं वेगड़ जी से मिलकर नर्मदा परकम्मा के अनुभव सुने हैं। इसी प्रकार कुछ विदेशी श्रद्धालुओं ने भी नर्मदा पर किताबें लिखी हैं।मेला शब्द की व्युत्पत्ति मिल हुई है। यानी मिलना, देखना, साक्षात्कार करना।

इसमें मेल-मिलाप करते हैं। चूंकि पहले बाजार दूरदराज हुआ करते थे और निश्चित दिन बाजार लगते थे। इसलिए मेले में बाजार लगता था। कुछ बुजुर्ग लोगों का कहना है कि हम यहां से सभी गृहस्थी का सामान ले जाते थे। मेले में मनोरंजन भी होता था। नाटक, नौटंकी, रामलीला, झूले आदि से मनोरंजन होता था। लेकिन अब बाजार लोगों के घर तक पहुंच गया है। अब पहले की अपेक्षा कमखरीदारी होती है। चूंकि ग्रामीण जनजीवन की गति धीमी होती है। इसलिए मेले व उत्सव उनमें उत्साह का संचार कर देते हैं।

मेलों के लिए लोग काफी तैयारी करते हैं। नए कपड़े पहनते हैं। धरउअल (संभालकर रखे हुए) कपड़े निकालते हैं। खासतौर से महिलाओं व बच्चों में ज्यादा उत्साह रहता है, क्योंकि उन्हें घर गांव से निकलने का मौका कम मिलता है। मेले में बड़ी संख्या में युवा घूमते दिख जाते हैं। वे झूले झूलते व दुकानों पर अपने मन पसंद सामान खरीदते देखे जा सकते हैं।यहां कई तरह की घरेलू चीजें मिलती हैं। अगर मैं बचपन को याद करूं, तो मेले में बैलगाड़ी से जाया करते थे। मेले के लिए बैलों की साज-सज्जा देखते ही बनती है। उन्हें नहलाना, रंगना और मुछेड़ी (रंग-बिरंगी रस्सियां बांधना) बांधना, यह सब मेले की तैयारी का हिस्सा हुआ करते थे। हालांकि अब बैलगाड़ी नहीं के बराबर होती हैं। लेकिन याद ऐसी ताजी है जैसी कल की ही बात हो।बचपन से ही मैं परिवार के साथ बैलगाड़ी से नर्मदा जाया करता था। छोटी बैलगाड़ी को बग्घी कहते थे। उसमें तीन-चार लोग ही बैठते थे। बैलगाड़ी के चक्के के ऊपर की पात चमकती थी। रास्ता कच्चा होता था। उसे गड़वाट कहते थे। गड़वाट यानी जो बैलगाड़ी के आने-जाने से स्वत- ही बन जाती है।बैल तेजी से दौड़ते थे। धूल उड़ती जाती थी। रास्ते में हरे-भरे खेत पड़ते थे। ज्वार व अरहर के पौधों से हमसे टकरा जाते थे। नरम- नरम हथेली से स्पर्श करना, इन पौधों को बहुत अच्छा लगता था। चक्कों की चूं-चर्र आवाज और बैलों के गले में बंधे घुंघरू मिलकर संगीतमय वातावरण बनाते थे। मन उमंग से भरा होता था।हम मेले में दो-तीन दिन रुकते थे। पेड़ के नीचे हमारा डेरा होता था। बैलों को यही बांध देते थे। उनके चरने के लिए धान का पुआल घर से ही बैलगाड़ी में धरके लाया जाता था। ठंड के लिए उन्हें टाट के बोरों से ढंक दिया जाता था, जिससे उन्हें ठंड न लगे। नर्मदा के किनारे विशाल इमली के पेड़ हुआ करते थे। कई बच्चे इन इमली की शाखों से झूलते रहते थे। सामने नर्मदा का विशाल घाट होता था और मेले की भीड़भाड़। घाट ऊपर से लोग छोटे-छोटे दिखते थे।

मेले में सर्कस और रामलीला आकर्षण का केन्द्र हुआ करते थे। माइक पर गीत पुराने सिनेमा गीत व धार्मिक भजन बजते रहते थे। नर्मदा की नरम-नरम रेत पर पैदल चलना अच्छा लगता था।मेले में भारी भीड़ होती थी। इधर से उधर लोग घूमते रहते थे। परकम्मावासियों की हर-हर नर्मदे की आवाजें ध्यान खींचती थी। महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में आते थे। मिठाईयों की दूकानें सजी होती थीं। भुने चने, मूंगफली, सिंघाड़े इत्यादि भी बिकते थे। रात में नौटंकी और नाटक होते थे। सर्कस भी बहुत बड़ा आकर्षण होता था। झूले व हिड़ोलना भी बच्चों के लिए होते ही थे। यहां तरह के करतब दिखाने वाले भी आते थे। नर्मदा में बड़े झादे (नाव) चलते थे जिन पर लोग तो बैठते थे, साइकिलें, मोटर साइकिलें व गाय-बैल भी बिठा लेते थे।मेले में विविध रुचि व जरूरत वाले लोग भी आते हैं। पुण्य स्नान तो है ही, साथ ही खरीदने, बेचने, घूमने, फिरने व मनोरंजन के लिए भी लोग आते हैं। यहां गांव, शहर व अलग-अलग व समूहों में लोग आते हैं। अब बैलगाड़ी की जगह ट्रेक्टर व आटो रिक्शा से लोग आते हैं। टोलियों में लोग नर्मदा मैया के जयकारा करने के साथ झंडे हाथों में लिए आते हैं।

बच्चों के लिए आकर्षण खिलौने व मिठाईयां हुआ करती हैं। पुंगी, फिरकनी, बांसुरी, गुब्बारे और गेंद इत्यादि। महिलाएं यहां रसोई में काम आने वाली कई चीजें खरीदते देखी जा सकती हैं- जैसे झारा, कढाई, बेलन, थालियां, कटोरी इत्यादि। इसके अलावा, यहां भोजन में दाल बाटी, और बैगन का भर्ता भी काफी प्रसिद्ध है। इसे बनाना सरल भी है। आजकल जगह-जगह भंडारे भी होते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग भोजन करते हैं।कुल मिलाकर, इन मेलों में प्रेम और भाईचारा दिखाई देता है। यह हमारी जमीन से जुड़ी देसी मेला संस्कृति है, जो एक दूसरे को जोड़ती है। एक दूसरे से बतियाने व मिलने का मौका देती है। संस्कृतियों के आदान-प्रदान का मौका देती है। मेला संस्कृति हमें सामूहिकता का भाव देती है। और उन अच्छी परंपराओं से जोड़ती है, जो हमें खुद से परे लोगों से मिलाती है। जिस तरह छोटी नदियां नर्मदा में आकर एक हो जाती हैं, उसी तरह जनसाधारण भी मेलों में आकर नर्मदा की शरण में आकर एक हो जाते हैं। यह संस्कृति आज की दिखावे और तामझाम की संस्कृति से दूर ठेठ ग्रामीण देसी मिट्टी की उपज है, जो सालों से विकसित हुई है। लेकिन ये नदियां कई कारणों से पहले से कमजोर भी हो रही हैं, प्रदूषित भी हो रही हैं, जलवायु बदलाव की मार भी झेल रही हैं।

तितलियों का अनोखा संसार

- विश्व की सबसे तेज़ उड़ने वाली तितली मोनार्च है। मोनार्च एक घंटे में 17 मील की दूरी तय कर लेती है।
- कोस्टा रीका में तितलियों की 1300 से ज्यादा प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- दुनिया की सबसे बड़ी तितली जायंट बर्डविंग है, जो सोलमन द्वीपों पर पाई जाती है।
- जायंट बर्डविंग तितली के पंखों का फैलाव 12 इंच से ज्यादा होता है।

तितली कीट वर्ग का सामान्य रूप से हर जगह पाया जानेवाला प्राणी है। यह बहुत सुन्दर तथा आकर्षक होती है। दिन के समय जब यह एक फूल से दूसरे फूल पर उड़ती है और मधुपान करती है तब इसके रंग-बिरंगे पंख बाहर दिखाई पड़ते हैं। इसके शरीर के मुख्य तीन भाग हैं सिर, वक्ष तथा उदर। इनके दो जोड़ी पंख तथा तीन जोड़ी सन्धियुक्त पैर होते हैं अतः यह एक कीट है। इसके सिर पर एक जोड़ी संयुक्त आँख होती हैं तथा मुँह में घड़ी के स्प्रिंग की तरह प्रोवोसिस नामक खोखली लम्बी सूँड़नुमा जीभ होती है जिससे यह फूलों का रस (नेक्टर) चूसती है। ये एन्टिना की मदद से किसी वस्तु एवं उसकी गंध का पता लगाती है।

तितली एकलिंगी प्राणी हैं। मादा तितली अपने अण्डे पत्ती की निचली सतह पर देती है। अण्डे से कुछ दिनों बाद एक छोटा-सा कीट निकलता है जिसे कैटरपिलर लार्वा कहा जाता है। देखने, सूंघने, स्वाद चखने व उड़ने के अलावा जगह को पहचानने की इनमें अद्भुत क्षमता होती है। वयस्क होने पर आमतौर पर ये उस पौधे या पेड़ के तने पर वापस आती हैं, जहाँ इन्होंने अपना प्रारंभिक समय बिताया होता है। तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है। ये ठोस भोजन नहीं खातीं, हालाँकि कुछ तितलियाँ फूलों का रस पीती हैं।

बगीचों और क्यारियों में फूलों पर मंडराने वाली रंग-बिरंगी और सुंदर पंखदार तितलियां देखने में तो आकर्षक होती ही हैं, वे परागण के माध्यम से नवीन पौधों के पनपने तथा बीजों के अंकुरण में भी सहायक हैं। तितलियों के जन्म तथा विकास की प्रक्रिया रोचक है। अंडे से वयस्क तितली बनने तक इस कीट को चार अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है। वनस्पति विज्ञान की भाषा में इस प्रक्रिया को मेटाफार्मेसिस (कायान्तरण) कहा जाता है। इस परिवर्तन-प्रक्रिया के प्रत्येक पड़ाव में उसके आकार, रंग तथा जैविक संरचना में बदलाव आ जाता है। वृक्षों तथा लताओं की हरी पत्तियों पर रेंगने वाले शिशु को देख कर व्यक्ति अंदाजा भी नहीं कर सकता कि एक दिन यह सुंदर तितली की शक्ल में इंद्रधनुषी पंख फडफ़ड़ाते हुए फूल पर मंडराएगा। मादा तितली किसी ऐसे पौधे अथवा पेड़ पर अंडे देती है जिसकी पत्तियां उसके शिशु जिसे अंग्रेजी में 'कैटरपिलर' तथा हिंदी में 'इल्ली' कहा जाता है, के लिए बढिय़ा खुराक साबित हो। कुछ समय के बाद कैटरपिलर अंडों से बाहर आ जाते हैं तथा फिर शुरू होता है उसका जीवन चक्र। अंडों से बाहर आने वाला कैटरपिलर बहुत भुक्खड़ होता है तथा हरी पत्तियों से भोजन ग्रहण कर बहुत तेजी से बढ़ता है। इसकी शारीरिक वृद्धि इतनी तेजी से होती है कि मोटापे से कैटरपिलर की त्वचा फट जाती है। त्वचा फटने से उसकी जान को कोई खतरा नहीं होता। कुदरत ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि बाल्यावस्था की बाहरी त्वचा के नीचे छिपी नवीन त्वचा सामने आ जाती है जिसमें उसके बढ़ते शरीर का भार तथा विस्तार संभालने की अधिक क्षमता पाई जाती है। प्रत्येक 'कैटरपिलर' अपने चारों तरफ एक कठोर खोल जैसा बनाता है जिससे बॉटनी की शब्दावली में प्यूपा कहा जाता है। प्यूपा के अंदर इसका शरीर अर्द्धठोस अवस्था में बदल जाता है। प्यूपा अपने अंदर उसके शरीर को किसी मजबूत तिजोरी की तरह संभाले तथा बाह्य प्रभावों से बचाए रखता है ताकि इसमें होने वाले नवीन परिवर्तनों के दौरान वह किसी बाहरी नुक्सान और खतरों से पूरी तरह सुरक्षित रह सके।

प्यूपा के भीतर मौजूद कीट का अर्द्धठोस शरीर क्रमशः तितली के रूप में बदलने लगता है। जब प्यूपा के अंदर मौजूद तितली इसे तोड़कर बाहर निकलती है तो उसके पंख काफी नरम तथा सिकुड़े हुए होते हैं। सूरज की गर्मी में इसके पंख सूख कर फैल जाते हैं तथा मजबूत भी हो जाते हैं। इसके कुछ ही घंटों के बाद एक नन्ही-सी तितली बगीचे में डाल-डाल पर मंडराने तथा पुष्पों के मकरंद पान के लिए तैयार हो जाती है।

मादा तितली अपने संपूर्ण जीवन में 50 हजार से अधिक अंडे देती है। एक फूल से दूसरे फूल तक उड़-उड़ कर मकरंद पान करने वाली तितलियां परागण में सहायक होती हैं। ये फूलों का रस पान स्वाद के लिए नही करती। इससे उन्हें उडने के लिए आवश्यक शक्ति प्राप्त होती है। नन्ही-सी दिखने वाली तितली लम्बी दूरी की उड़ान भरने में चैम्पियन होती है। प्रति वर्ष सर्दी में अनुकूल मौसम तथा आहार की तलाश में मोनार्क बटर फ्लाई नामक तितली कनाडा से मैक्सिको तक लगभग 3500 किलोमीटर लम्बी यात्रा पर निकल जाती है।

वैसे तो तितली बहुत शरीफ तथा शांतिप्रिय जीव है लेकिन इसकी एक किस्म पीताकर बटर फ्लाई शिकारी चिडिय़ों में दहशत पैदा कर देती है। दरअसल जब कोई शिकारी चिडिय़ा इसे खाने की लालच में नजदीक आती है तो वह अपने पंख फैला देती है जो दो खतरनाक घूरने वाली आंखों की तरह दिखते हैं।

मगरमच्छों और चिड़ियों के करीबी रिश्तेदार हैं कछुए

वैज्ञानिकों ने पशुओं के विकास से जुड़ी सालों पुरानी एक पहेली सुलझाने का दावा किया है। ताजा शोध करने वाले वैज्ञानिकों का दावा है कि कछुए का छिपकलियों और सांपों से ज्यादा मगरमच्छों और चिडिय़ों से ज्यादा करीबी रिश्ता है। 20-30 करोड़ साल पहले कछुओं के पूर्वजों के विकास से इस बात लेकर काफी वैज्ञानिक विवाद पैदा हुए कि आखिर ये प्रजातियां किस परिवार से नाता रखती हैं। रॉयल सोसाइटी की पत्रिका 'बायोलॉजी लेटर्स' में प्रकाशित शोध में वैज्ञानिकों ने लिखा, 'कछुओं के विकासवादी मूल ने हड्डियों से संबंधित विकास की समझ में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं जो अपने आप में अनोखा है।' ताजा अध्ययन तक कछुओं को छिपकलियों और सांपों का सबसे करीबी रिश्तेदार माना जाता था।

सफेद व्हेल से आती है इंसानों जैसी आवाज

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि सफेद व्हेल कुछ ऐसी आवाजें निकाल सकती है जो सुनने में बिल्कुल इंसानी बातचीत जैसी लगती हैं। इस जीव का श्रवण विश्लेषण करने पर कैलीफोर्निया के नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन ने पाया कि व्हेल की आवाज मानव की आवाज की नकल की तरह है। दिलचस्प बात यह है कि व्हेल में आवाज निकालने का तरीका इंसानों से बिल्कुल भिन्न है। नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन के सैम रिग्वे ने कहा, ''हमारे निरीक्षणों के अनुसार व्हेल को बोलचाल जैसी आवाज निकालने के लिए अपने स्वर प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन करने पड़ते हैं।'' 1984 में रिग्वे और अन्य लोगों ने यह पाया था कि व्हेल और डॉल्फिन कुछ ऐसी आवाजें निकालती हैं मानो कुछ दूरी पर दो लोग आपस में बातचीत कर रहे हों। यह बातचीत ऐसी होती है जिसे समझना मुश्किल होता है। कुछ ऐसी ही आवाजें सफेद व्हेल से सुनने को मिली थीं। कुछ ही देर बाद गोताखोर ने अपने साथियों से पूछा ''क्या उसने मुझे बाहर जाने को कहा?'' शोधकर्ताओं ने इस व्हेल की पहचान एनओसी के रूप में की। यह डॉल्फिनों और सफेद मछलियों के अलावा कभी-कभी इंसानों के बीच भी रहती थी। वैसे तो व्हेल के इंसानों जैसी आवाजें निकालने की खबरें पहले भी आई हैं लेकिन रिग्वे की टीम कुछ सबूत जुटा लेना चाहती थी। इसलिए उन्होंने व्हेल की आवाजें रिकॉर्ड कर लीं। इन आवाजों की आवृत्ति उनकी सामान्य आवाज की आवृत्ति से कुछ कम थी। यह आवृत्ति इंसान की आवाज के काफी करीब थी। रिग्वे ने कहा, ''व्हेल की ये आवाजें इंसानी आवाज जैसी थीं लेकिन ये व्हेल की स्वाभाविक आवाज से भिन्न थी। हमने जो आवाजें सफेद व्हेल से सुनीं, वे ठीक ऐसी थीं मानों उसने उन्हें सीखा हो।''

आवाजें निकालने के लिए व्हेलें अपने नासिका तंत्र का इस्तेमाल करती हैं जबकि इंसान इसके लिए अपने कंठ का इस्तेमाल करता है। इंसान जैसी आवाजें निकालने के लिए एनओसी को कई मांसपेशियों की मदद से अपनी नासिका के दबाव के साथ-साथ कई अन्य बदलाव करने पड़ते थे। तीस साल तक नेशनल मरीन मैमल फाऊंडेशन के साथ रहने वाली एनओसी की मृत्यु पांच साल पहले हो चुकी है।

जानें कुछ रोचक जानकारी

हम आपको दुनियाभर में मशहूर कुछ अजायबघरों के बारे में बता रहे हैं। यह अजायबघर किसी ना किसी खास कारण ने जाने जाते हैं। ब्रिटेन के साउथवर्क सेंट थॉमस में एक ऐसा अजायबघर है जहां रोगी को बिना बेहोश किए चीर-फाड़ करने के तरीके दिखाए गए हैं। यहां पुराने जमाने की ऑपरेशन प्रक्रिया को सजीव मॉडलों से दिखाया गया है। यहां उस वक्त के अजीबोगरीब मेडिकल औजार भी यहां रखे गए हैं जो हैरत में डाल देने के लिए काफी है। यह ऑपरेशन कक्ष 1821 में क्रिसटोफर रेन द्वारा बनाई गई थी। लंदन के लैबेंथ पैलेस रोड पर फ्लोरेंस माइटेंगल नाम एक म्यूजियम है। इसमें उस स्थान के नर्सिंग संबंधी क्रांतिकारी सिद्धांत अंकित किए गए हैं। इस म्यूजियम की महत्वपूर्ण बात यह है कि जब इसमें रोगी दाखिल होते हैं तो उसे ज्यादा बीमार नहीं दिया जाता है। यहां यह भी सिखाया जाता है कि एक पलंग का दूसरे पलंग से कितना फासला हो। लंदन के रसोल स्क्वायर में स्थित ब्रिटिश डेंटल एसोसिएशन अजायबघर में दंत चिकित्सा के इतिहास की मूसली और हथौरा भी शामिल हैं। यहां दंत परीक्षा में काम आनेवाली एक कुर्सी का भी नमूना रखा हुआ है। कहते हैं कि एडवर्ड सप्तम ने इसी कुर्सी का इस्तेमाल किया था। उत्तरी लंदन में स्थित महान मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड का घर भी अब अजायबघर में तब्दील कर दिया गया है। यहां मिस्त्र, यूनान, रोम और अन्य प्राचीन सभ्यताओं की पुरानी वस्तुएं भी देखने को मिल जाती हैं।

एक गांव ऐसा जहां इंसानों से अधिक हैं मोर

मध्य प्रदेश के नीमच जिले के बासनियां गांव की पहचान मोरों के गांव के तौर पर बन गई है। इस गांव में मोरों की संख्या यहां की आबादी से दो गुना है। अरावली पहाड़ी के नीचे बसे बासनियां गांव के लोगों को पशु-पक्षियों से बेहद लगाव है। यही कारण है कि यहां मोर जैसा पक्षी भी आसानी से विचरण करता नजर आ जाता है। गांव का हाल यह है कि हर तरफ मोर नजर आते हैं। खेत हो, खलिहान हो या फिर घरों की छत जहां भी नजर दौड़ाई जाए, वहां सिर्फ राष्ट्रीय पक्षी ही नजर आते हैं। इस गांव में मोर और इंसानो के बीच दोस्ताना रिश्ते हो गए हैं। आलम यह है कि इंसान को देखकर मोर भागते नहीं बल्कि उसकी ओर दौड़े चले आते हैं। मोर को इस बात का जरा भी डर नहीं होता है कि आदमी के पास जाने में उसे किसी तरह का खतरा हो सकता है। गांव के मदनलाल बताते हैं कि यहां के लोग पशु-पक्षियों से बहुत लगाव रखते है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस बात का ख्याल रखते हैं कि किसी पशु-पक्षी को किसी तरह की परेशानी न हो। मोरों की बढ़ती तादात के लिए वे यहां की हरियाली और वातावरण को श्रेय देते हैं। बासनियां गांव की आबादी लगभग 400 है लेकिन गांव के लोग मोरों की संख्या दो गुना यानी 800 से ज्यादा होने का दावा करते है। गांव में पक्षियों के प्रति बढ़े प्रेम से हर कोई प्रभावित है। गांव के लोग मानते हैं कि प्राकृतिक संतुलन के लिए इंसान वनस्पति के साथ पशु-पक्षियों की संख्या में इजाफा जरूरी है। गांव के ही तुलसीराम का कहना है कि मोरों को यहां सुरक्षा तो मिलती ही है साथ में उन्हें दाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। इस गांव में लगभग सभी किसान जैविक खाद का इस्तेमाल करते हैं और अपने खेतों में कीट नाशकों का उपयोग नहीं करते। लिहाजा यहां का दाना मोरों को ज्यादा भाता है। मोरों के गांव के तौर पर पहचान बना चुके बासनियां गांव के लोग सभी पशु-पक्षियों की हिफाजत के प्रति सजग है। वे चाहते हैं कि उनका गांव पशु-पक्षियों के संरक्षण के मामले में आदर्श गांव बन जाए।

60 आंखों वाला फ्लैटवर्म

ब्रिटेन में वैज्ञानिकों ने फ्लैटवर्म की एक नयी प्रजाति की खोज की है जिसके 12 मिलिमीटर लंबे शरीर पर 60 आंखें हैं। इस जीव को कैंब्रिज के पास घास के मैदान में ढूंढा गया। 'नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम' के वैज्ञानिक डॉ. ह्यूग जोंस का कहना है कि उन्होंने अप्रैल में इसी तरह के एक जीव को नीदरलैंड में ढूंढा था। इस 60 आंखों वाले जीव को 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट फॉर बेडफोर्डशायर, कैंब्रिजशायर और नॉर्थम्पटनशायर' के मुख्य कार्यपालक ब्रायन एवरशाम ने ढूंढा है।

किसी जासूस से कम नहीं हैं डॉल्फिन

डॉल्फिनें हर पल इतनी चौकस रहती हैं कि उन्हें किसी जासूस से कम नहीं माना जा सकता। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि डॉल्फिनों के सोते समय उनके मस्तिष्क का सिर्फ आधा हिस्सा ही सोता है जबकि शेष आधा हिस्सा सचेत अवस्था में रहता है। ऐसा वे लगातार 15 दिन तक कर सकती हैं। नेशनल मरीन मैमल फाउंडेशन के शोधकर्ता ब्रियान ब्रैनस्टेटर ने पाया कि डॉल्फिनें लगातार 15 दिन तक अपने आसपास के वातावरण के बारे में जागरूक रह सकती हैं। ये अपने लक्ष्यों को पहचान सकती हैं और अपने पर्यावरण पर नजर रख सकती हैं। शोधकर्ताओं ने दो डॉल्फिनों का अध्ययन किया था। इनमें एक नर और एक मादा थी। उन्होंने पाया कि पांच दिनों तक ये दोनों बिना किसी थकान के इस काम को कर रहे थे। मादा डॉल्फिन 15 दिन तक अतिरिक्त कार्य कर सकी। हालांकि इस बात का अध्ययन नहीं किया गया कि वे कितने लंबे समय तक यह कर सकी। ऐसा माना जा रहा है कि आधे मस्तिष्क के साथ सोने की प्रकृति डॉल्फिनों में विकसित हुई होगी ताकि वे सोने के दौरान भी पानी की सतह पर सांस ले सकें। इस शोध का यह भी मानना है कि सतर्क रहने की जरूरत के चलते इस तरह के सोने के व्यवहार का विकास हुआ होगा। यह शोध पत्रिका 'प्लोस वन' में प्रकाशित हुआ है।

स्वास्थ्यवर्धक सीताफल

सीताफल में विटामिन बी-1, ए, बी-2 और सी पाया जाता है। इसका फल गोलाकार, छोटी-छोटी गोल कृतिवाली, बाहर से उभरी हुई पेशियों के कारण मनोहर कलाकृति के समान लगता है। यह अत्यन्त ठंडा होता है। अधिक खाने पर जुकाम हो जाता है। इनके फल में अनेक बीज काले और चिकने होते हैं। बीजों के आसपास सफेद मीठी गिरी होती है। इसे ही खाया जाता है।

शरीर की दुर्बलता, थकान, अशक्ति, मांस-पेशियां क्षीण होने की दशा में सीताफल का सेवन करने से मांसवृद्धि होती है। यह शरीर के लिए अत्यन्त श्रेष्ठ फल है। घबराहट, ह्रदय की क्रिया को स्वाभाविक बना देता है। इसकी एक बड़ी किस्म और होती है, जिसे रामफल कहते हैं। व्रत के दिनों में फलाहार के रूप में इसे खाते हैं। पूरक आहार के रूप में इसका सेवन किया जाता है। कुछ लोग सीताफल को अन्नुस भी कहते हैं। निम्न रोगों पर चिकित्सा संबंधी उपयोग दिए जा रहे हैं, इनका प्रयोग करें और रोगों को दूर भगाएं-

अतिसार

सीताफल का कच्चा फल खाना अतिसार और पेचिश में उपयोगी है।

घाव पर

सीताफल के पत्तों को पीसकर, सेंधा नमक मिलाकर पुल्टिस को घाव पर बांधने से उसमें पड़े हुए कीड़े मर जाते हैं।

दूसरी विधि

कच्चे अपक्व फोड़ों पर सीताफल के पत्ते, कच्ची तंबाकू और सूखे चूने में शहद मिलाकर घाव पर बांधने से शीघ्र पकता है और भीतरी पीप बाहर निकलकर घाव शीघ्र ठीक होता है।

जुएं या लीख में

कच्चे सीताफल का चूर्ण या इसके बीज का चूर्ण बनाकर रात में सोने से पूर्व सिर में खूब लगाकर सिर को कपड़े से बांध लें। इससे सिर के बालों में पड़ी जुएं और लीखें मर जाती हैं।

पित्त में

पके सीताफल को खुली जगह ओस में रख दें। सवेरे खाने से पित्त का दाह शांत होता है।

मासिक धर्म

यदि मासिक बंद हो गया हो, तो सीताफल के बीज की गर्म बत्ती बनाकर स्त्री योनि में रखने से बंद मासिक आना शुरू हो जाता है।

सावधानियां

सीताफल को अधिक मात्रा में सेवन करने से ठंड लगकर बुखार आ जाता है। अत्यधिक खाने से व्यक्ति बीमार हो जाता है। सीताफल का बीज आंख में जाने पर दाह-जलन करता है, इससे आंखें खराब हो जाती हैं। जुएं या लीखें मारने के लिए उनके बीज का चूर्ण सिर में भरते समय आंख में न चला जाए। सीताफल न पचने पर फायदे के बदले नुकसान भी कर देता है।

संतुलित आहार स्वस्थ जीवन का रहस्य

आपको जितनी भूख हैं उसका तीन-चौथाई ही खाएं। एक चौथाई भाग पानी के लिए छोड़ दें। खाना खाने के थोड़ी देर बाद पानी पिएं। इससे खाना अच्छा पचेगा। भोजन को पचाने में रेशेदार तत्वों का भी विशेष महत्व हैं अपने आहार में रेशेदार व रसीले फलों को भी लें। इनसे विटामिन्स भी मिलेंगे और भोजन पचने में मदद भी मिलेगी। पौष्टिक तत्वों के लिए भोजन में अंकुरित अनाजों का भी समावेश करें यदि आप चाहते हैं कि आपका शरीर सुडौल रहे तो अपने भोजन में अधिक मसाले, तेल व शक्कर का प्रयोग न करें। प्रतिदिन भोजन में कच्ची सब्जियों व फलों का प्रयोग सलाद के रूप में करें। ये मोटापे से आपको दूर रखेंगे।

यदि आपको अक्सर पार्टियों में जाना पड़ता हैं तो दूसरे दिन उसको संतुलित करने के लिए सूप, फलों का जूस, फल, सलाद एक समय का आहार रखें। पातन शक्ति इससे सही रहेगी। जब भूख लगी हो तो तब न खाकर बाद में अधिक खाना शरीर की स्वाभाविक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाता हैं ऐसी गलती न करें। भूख के अनुसार ही खाएं। विटामिन्स, प्रोटीन्स, खनिज जो शरीर के लिए जरूरी हैं। ऐसे सभी पदार्थों को प्रतिदिन अपने आहार में जरूर रखें। जहां तक हो सके, शीघ्र सुपाच्य पदार्थों का ही सेवन करें। इससे आप कब्ज या गैस जैसे रोगों से बचे रहेंगे। खाना खाने का भी सही तरीका अपनाएं। प्रसन्न मन से एक जगह बैठ कर भोजन करें। इस समय तनाव और चिंता छोड़ दें।

अच्छे सलीके से किए गए भोजन से तन और मन दोनों ही प्रभावित होते हैं। भोजन के साथ-साथ अच्छे स्वास्थय के लिए प्रतिदिन 8 से 10 गिलास तक पानी पिएं।

हेल्थ प्लस

बीमारियों से बचाते हैं एंटीऑक्सीडेंटस

एंटी-ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं।

एंटी ऑक्सीडेंट्स ऐसे तत्त्व हैं, जो कई प्रकार की बीमारियों से शरीर की रक्षा करते हैं। इनसे बुढ़ापे की प्रक्रिया धीमी होती हैं। ये विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई से मिलते हैं। यह फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से शरीर को बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं, चाहे रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम या ज्यादा होती रहे। ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की प्रक्रिया को उल्टा कर देते हैं। यह विटामिन कई प्रकार के होते हैं और फल एवं सब्जियां प्राकृतिक रूप से इनसे भरपूर हैं जिनका सेवन हम आराम से कर सकते हैं, जबकि दवाइयों में बहुत साइड इफेक्ट हैं।

विटामिन-ए

विटामिन ए दो प्रकार के होते हैं। पहला जो पशु और उसके पदार्थों से प्राप्त होता है जैसे मांस, दूध आदि जिसे रेटिनोल कहते हैं और दूसरे जो फल एवं सब्जी से प्राप्त होता है जिसे बीटा केरोटीन कहते हैं। यही बीटाकेरोटीन एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। रंगीन फल एवं सब्जियां इसका एक अच्छा स्त्रोत है, जैसे साग, धनिया, गोभी, गाजर, सीताफल, आम, पपीता एवं टमाटर, यह केरोटीन शरीर के अंदर विटामिन ए में बदल जाता है। यह पकाने या अल्ट्रा वायलट किरणों से भी खराब नहीं होता, किंतु इसका केवल 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा ही शरीर में रहता है। प्रतिदिन व्यक्ति को रेटिनोल 600 माइक्रोग्राम और बीटा केरीटीन 2400 माइक्रोग्राम की आवश्यकता होती है।

विटामिन-सी

विटामिन सी का सबसे बड़ा स्त्रोत आंवला है। यह नीबू , संतरा, मौसमी, स्ट्राबेरी, अमरूद, फूलगोभी और हरी पत्तेदार सब्जी जैसे साग में पाया जाता है।

विटामिन-ई

विटामिन ई भी एंटी ऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है। यह हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। यह व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत करता है और हार्ट डिजीज से बचाता है। यह आटे, अंकुरित दालों और हरे साग में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

खून की कमी

आपको थकान महसूस हो रही है तो हो सकता है खून की कमी हो या रक्त में कुछ तत्व कम हों। भोजन में लौह-तत्व, खनिज लवण की पूर्ति करें। पत्तेदार सब्जियां और फल खाएं। भारत में रक्ताल्पता अर्थात् खून की कमी के रोगी सर्वाधिक हैं। यह अनुपात पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक देखने में आता है। शरीर में खून की मात्रा 4 से 6 लीटर होती है। जब खून में लाल रक्त कणिकाएं कम होने लगती हैं। इस रोग में रोगी का चेहरा पीला या काला, आंखें सफेद, शारीरिक कमजोरी, शीघ्रता से थकान, मानसिक अवसाद, स्नायु एवं स्मृति दौर्बल्य आदि लक्षण प्रकट होने लगते हैं। किसी भी प्रकार के रक्तालपता में कुछ प्रयास अत्यन्त लाभकारी हो सकते हैं।

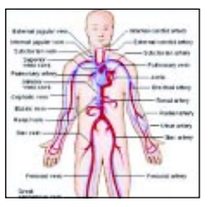

आयरन की भरपाई

इस रोग में खून में लौह तत्व की कमी आने लगती है। अत: अपने भोजन में लौह-तत्व की पूर्ति करने हेतु फलों में सेब, अंजीर, मुनक्का, अनार, पपीता व सब्जी में पालक, मेथी, गाजर, बथुआ, चुकंदर, खूबानी आदि को रात्रि में लोहे की कड़ाही में पानी के साथ 6 घंटे भिगोने के बाद प्रयोग करें, ऐसा करने से तेजी से खून में आयरन की मात्रा बढ़ेगी।

जरूरी है विटामिन बी-12

खून की कमी के दौरान शरीर को विटामिन बी-12 की सख्त आवश्यकता होती है, जो खून में लाल रक्त कणिकाओं को तेजी से बढ़ाता है। अनार, सेब, चुकंदर में पाए जाने वाला आयरन शरीर में पहुंचकर विटामिन बी-12 में बदल जाता है। यदि सुबह के समय पेट की मिट्टी पट्टी व एनिमा लेकर नीबू पानी व शहद के साथ फल व कच्ची सब्जियों का प्रयोग किया जाए, तो विटामिन बी-12 की पूर्ति होता है।

खनिज लवण जरूरी

खून की कमी के दौरान शरीर में खनिज लवणों की कमी आ जाती है जो कि शरीर को पानी द्वारा पूर्ति नहीं हो पाती है। यदि इस दौरान शरीर को जैतून तेल से धूप मालिश व धूप सर्वांग मिट्टी लेप दिया जाए तो शरीर इस प्रक्रिया द्वारा खनिज लवणों की मूर्ति कर खून को कोबाल्ट, मैग्नीशियम, कॉपर आदि की पूर्ति कर चेहरा एवं त्वचा को कांतिमय बनाता है।

ऑक्सीजन हो पर्याप्त

खून की कमी का एक मुख्य कारण शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी है। जब शरीर में ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है, तो ऑक्सीजन श्वेत रक्त कणिकाओं व प्लाज्मा के संयोजन द्वारा लौह तत्व की पूर्ति कर लाल रक्त कणिकाओं की संख्या बढ़ाता है। जब शरीर में ऑक्सीजन शुद्ध एवं भरपूर पहुंचता है, तो खून के सारे अवयव ठीक कार्य करते हैं। ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए सुबह की खुली ताजा हवा में तेज गति से घूमना बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। घूमने की प्रक्रिया के दौरान तेजी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

अंकुरित भोजन

भोजन में जीवंत खाद्य पदार्थ शामिल करें, जैसे अंकुरित अनाज, दाल, फल, सब्जी, सलाद आदि। जीवंत भोजन नई कोशिकाओं को पैदा कर ऊर्जा देता है, नई कोशिकाएं शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर खून की कमी को दूर करती हैं तथा साथ ही हरी दूब व गेहूं के जवारे का 50 से 60 मिग्रा. रस खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को तेजी से बढ़ाता है, जिसे 'ग्रीन ब्लड' कहा जाता है। अब तक की धारणा थी कि मांसाहार खून की कमी को पूरा करता है। लेकिन, असल में ऐसा नहीं है। मांसाहार शरीर में हीम लौह की मात्रा के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी तेजी से बढ़ाता है, जो कि दिल का दौरा व उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार है। प्रकृति में पाया जाने वाला क्लोरोफिल, आयरन व विटामिन्स खून की कमी को सही तरीके से पूरा करते हैं।

मां का भोजन

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार नहीं मिले तो उनके शिशुओं की आयु कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने चूहियों पर अध्ययन के बाद यह जानकारी दी। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों का कहना है कि अध्ययन के दौरान जिन चूहियों को पर्याप्त मात्रा में संतुलित भोजन दिया गया उनके बच्चे ज्यादा दिनों तक जीवित रहे, जबकि जिन्हें असंतुलित आहार दिया गया उनके बच्चों की मौत जल्दी हो गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि चुहियों पर किया गया अध्ययन सीधे तौर पर महिलाओं पर लागू नहीं होता, लेकिन नेचर में छपी खबर के अनुसार जन्म के समय औसत से कम वजन वाले बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ दिल की बीमारी के साथ-साथ दूसरे जानलेवा रोगों से पीड़ित होने का खतरा बना रहता है।

शोधकर्ता सुसान ओजानेने का कहना है कि अध्ययन से इस बात की पुष्टि हो गई है कि गर्भवती महिलाओं को समुचित मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार मिले, तो शिशु की आयु औसतन बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार नहीं मिलने पर भरूण का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता। सुसान का कहना है कि शिशु के जन्म के बाद भी महिलाओं को प्रोटीनयुक्त भोजन नहीं मिलने पर शिशु की जिंदगी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 1961

■	14	6	■	■	■	■	■	■	■
11			10	■	16	10	■	14	4
12				11			8		
■	3			10 7			3 24		
■	■	3 24			20				■
■	14 13				8 17			30	11
15			9 15			23 13			
23				16 3			10 17		
■	■	6			23				■
■	■	4			■	16			

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 24	1	2	3	4	5
7					
8					
9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1960 का हल

■	3	6	■	■	■	■	■	■	■
4	1	3	10	■	3	30	■	23	3
7	2	1	4	11	2	9	11	9	2
■	5	2	3	9 24	1	8	9 7	8	1
■	■	11 18	2	9	14	7	1	6	■
■	13 3	4	1	8	10 14	6	4	10	12
11	2	9	13 23	7	6	6 16	2	1	3
14	1	5	8	15 15	8	7	11 3	2	9
■	■	13	6	7	15	9	2	4	■
■	■	17	9	8	■	4	1	3	■

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली - 1961

1		2		■	3		4		5
	■		■	6		■		■	
7		■	8	■	9		■	10	
	■	11		12		■	13	■	
14	15		■		■	16	■	17	
■	18		19	■	20		■		■
21	■	■	22			■	23		
24		25		■	26	27	■		■
	■		■	28	■	29		■	30
■	31		■	32			■	33	

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन-मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुम्मा तुम्मा तक तक तुम्मा' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन ?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1960

बं	दि	नी	■	पु	■	गैं	ब	ल	र
ध	■	ल	ल	का	र	■	हा	■	वी
न	सी	म	■	र	■	प	र	वा	ना
■	मा	■	ज्ञ	■	सु	र	■	सु	■
आ	■	आ	शि	क	■	दे	वी	■	ह
ह	मे	श	■	ह	व	स	■	स	त्या
■	ला	■	आ	र	जू	■	खे	ल	■
बे	■	ला	वा	■	द	स	■	मा	या
खु	■	■	रा	जू	■	फ	र्ज	■	ग
दी	वा	ने	■	ली	ड	र	■	टी	ना

सूडोकु -1961

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1960 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
9	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 1961

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■			37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली - 1960 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	ब
न	सी	ह	त	■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	वी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■	अ	जा	य	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	■	ना	ट	क	का	र

झूठ बोलती है आप और भाजपा, दिल्ली को है कांग्रेस की जरुरत : विनेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं हरियाणा में जुलाना के विधायक विनेश फोगाट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा आम आदमी पार्टी (आप) पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली को कांग्रेस की जरूरत है। श्रीमती फोगाट ने कहा कि 31 मई, 2000 को दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार ने जाट समाज के लिए प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी में आरक्षण की अधिसूचना जारी की थी, लेकिन अब यहां चुनाव हैं, तो पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मोदी सरकार जाटों के आरक्षण की बात करके जाट समाज की भावनाओं से खेल रहे हैं, जो बेहद दुखद हैं।

रूसी सेना में सेवा देने वाले 12 भारतीयों की मौत, 16 लापता

नई दिल्ली। यूक्रेन के साथ जारी संघर्ष के दौरान रूसी सेना में सेवायें दे रहे 12 भारतीयों की मौत हो चुकी है और 18 भारतीय लापता हैं। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने यहां दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में केरल के बिनिल बाबू की हाल ही में रूसी सेना में सेवाएं देते हुए हुई मौत को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हमने पीड़ित परिवार के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

इसके साथ ही कई प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने बताया कि अब तक रूसी सेना में भारतीयों के सेवाएं देने से जुड़े 126 मामले प्रकाश में आए हैं। इन 126 मामलों में 96 भारतीय स्वदेश वापस आ चुके हैं और उन्हें रूसी सैन्य बलों ने सेवा मुक्त कर दिया है। 18 मामलों में 16 के बारे में रूसी सेना का कहना है कि उनके पास इन भारतीयों की कोई जानकारी नहीं है। रूसी सेना उन्हें लापता घोषित कर चुकी है। बाकी बचे भारतीयों को जल्द से जल्द रिहा किए जाने की मांग की गई है। 12 भारतीयों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बिनिल बाबू की मौत को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि हमने परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। हमारा दूतावास रूसी अधिकारियों के संपर्क में है ताकि उनका पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत आ सके। एक अन्य घायल व्यक्ति का मॉस्को में इलाज चल रहा है।

कांग्रेस आदिवासी और आंबेडकर विरोधी : विनोद तावड़े

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासी विरोधी पार्टी है। आदिवासी समाज की बेटी को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचाने का मौका मिला तो वह भाजपा के शासनकाल में मिला। कांग्रेस ने पूरी ताकत लगाई कि एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति न बन सके, लेकिन भाजपा ने उनके मंसूबों पर पानी फेर एक आदिवासी महिला को सर्वोच्च स्थान पर सुशोभित किया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए विनोद तावड़े ने कांग्रेस को आंबेडकर का विरोधी बताते हुए कहा कि बाबा साहब के जीते जी उनका अपमान किया गया और उनकी मृत्यु के बाद भी अपमान किया। कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा में आने से रोका। सन् 1956 में उनके देहांत के चार दशक बाद तक उन्हें भारत रत्न नहीं दिया। चार दशक बाद केंद्र में भाजपानीत गैर कांग्रेसी सरकार ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. आंबेडकर को जीवित रहते सदन में नहीं आने देने के लिए तत्कालीन कांग्रेस नेताओं ने तमाम जतन किए। 1952 के प्रथम आम चुनाव में तो तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें लोकसभा में आने से रोकने का पूरा प्रयास किया और उनके खिलाफ चुनाव प्रचार तक किया। उन्होंने कहा कि पंचतीर्थ की परिकल्पना करते हुए डॉ. आंबेडकर की जन्मभूमि, शिक्षाभूमि, दीक्षाभूमि, कर्मभूमि और परिनिर्वाण स्थल को तीर्थस्थल का दर्जा प्रधानमंत्री मोदी ने दिया। मोदी ने 14 अप्रैल को डॉ. आंबेडकर की जयंती पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया। आदिवासी समाज की बेटी को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुँचने का मौका मिला तो वह भाजपा के शासनकाल में मिला।

किरण सिंह देव फिर बने छग भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, निर्विरोध निर्वाचित

रायपुर। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के किरण सिंह देव फिर से प्रदेश अध्यक्ष बन गए हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित निर्वाचन कार्यक्रम में सिंह देव के निर्वाचन की घोषणा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने की। सिंह देव ने गुरुवार शाम अपना नामंकन चुनाव प्रभारी खूबचंद पारख को सौपा था। उन्होंने तीन सेट में अपना नामांकन दाखिल किया था। किरण सिंहदेव के अलावा किसी अन्य नेता ने अपना नामांकन प्रदेश अध्यक्ष के लिए दाखिल नहीं किया था, जिसके बाद आज सिंह देव को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। किरण सिंह देव का जन्म 17 सितंबर 1962 में जगदलपुर में हुआ। किरण सिंह देव पेशे से वकील रहे हैं। वे सन् 1985-86 तक छात्र संघ के अध्यक्ष रहे। वे 1998 से 2002 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहे। इसके बाद साल 2002 से 2005 तक भाजपा जिला अध्यक्ष के रूप में सक्रिय रहे, 2005 से 2009 तक प्रदेश मंत्री के तौर पर संगठन में सक्रिय रूप से काम किया। सिंहदेव साल 2009 से 2014 तक प्रदेश कार्य समिति के सदस्य रहे।

नया संचार साथी मोबाइल ऐप लाँच

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पूरे देश में दूरसंचार पहुंच, सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में आज कई नागरिक-केंद्रित पहलों का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में संचार साथी मोबाइल ऐप, राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन (एनबीएम) 2.0 का शुभारंभ और डीबीएन द्वारा वित्तपोषित 4जी मोबाइल साइटों पर इंट्रा सर्किल रोमिंग सुविधा का उद्घाटन शामिल है।

संचार साथी मोबाइल ऐप एक उपयोगकर्ता-अनुकूल प्लेटफ़ॉर्म है जिसे दूरसंचार सुरक्षा को मज़बूत करने और नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। मोबाइल अनुप्रयोग जारी करते हुए, श्री सिंधिया ने कहा यह पहल न केवल अवसरों तक पहुंच प्रदान करती है बल्कि सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करती है।÷ उन्होंने इस

बात पर ज़ोर दिया कि संचार साथी ऐप सभी के लिए दूरसंचार नेटवर्क की सुरक्षा, सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

संचार साथी मोबाइल ऐप, एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है, जो उपयोगकर्ताओं को अपने दूरसंचार संसाधनों को सुरक्षित रखने और दूरसंचार धोखाधड़ी से निपटने के लिए महत्वपूर्ण उपाय प्रदान करता है। देश में 90 करोड़ से अधिक स्मार्ट फोन उपयोगकर्ताओं के साथ, संचार साथी मोबाइल ऐप का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्मार्टफोन पर बस कुछ क्लिक से इन महत्वपूर्ण सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो। श्री सिंधिया ने राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन (एनबीएम) 2.0 का दृष्टिकोण दस्तावेज़ जारी करके इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि एनबीएम 2.0 एनबीएम 1.0 की सफलता पर आधारित है, जिसके तहत लगभग 8 लाख टावर स्थापित किए गए थे। उन्होंने कहा, ÷ब्रॉडबैंड उपभोक्ता 66 करोड़ से बढ़कर 94 करोड़ हो गए हैं। यह वृद्धि एनबीएम 2.0 की शुरूआत के लिए प्रमुख बिंदु और आधार के रूप में कार्य करती है। उन्होंने कहा आज भारत दूरसंचार और डिजिटल दोनों क्षेत्रों में वैश्विक अग्रणी भूमिका में है। 53.1करोड़ से अधिक भारतीय अब इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग से जुड़े हैं। हमारे मजबूत दूरसंचार नेटवर्क द्वारा संचालित यूपीआई के माध्यम से, हमने पिछले साल 172 अरब लेनदेन की सुविधा प्रदान की, जिसकी राशि लगभग 247 लाख करोड़ थी। देश की वृद्धि आंतरिक रूप से हमारे दूरसंचार नेटवर्क की मजबूती से जुड़ी हुई है। इसी दृष्टिकोण से राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन शुरू किया गया था।

केंद्रीय पर्यवेक्षी बोर्ड की 30वीं बैठक आयोजित, कानून के बारे में जागरुकता पर दिया गया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा की अध्यक्षता में केंद्रीय पर्यवेक्षी बोर्ड (सीएसबी) की 30वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम, 1994 के कार्यान्वयन की देखरेख पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका उद्देश्य लिंग चयन एवं निर्धारण के लिए चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से निपटना है। इस बैठक में स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिल श्रीवास्तव सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के बाद जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि 30वीं केंद्रीय पर्यवेक्षी बोर्ड (सीएसबी) की बैठक में गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन निषेध) अधिनियम, 1994 के कार्यान्वयन

को सुदृढ़ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि बोर्ड की बैठक उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने, प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सख्त नियामक उपायों का आग्रह करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों और जनता के बीच अधिनियम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सर्वसम्मति के साथ संपन्न हुई।

असम भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा: गजेंद्र सिंह शेखावत

गुवाहाटी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश भाजपा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने जाने पर दिलीप सैकिया को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आज से असम भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। आज का दिन ऐतिहासिक है। केंद्रीय मंत्री शेखावत राजधानी के बशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष की ताजपोशी समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भाजपा अपनी स्थापना वर्ष 1980 से ही निश्चित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ती रही है। देश में इस समय मौजूद 12 हजार राजनीतिक दलों के बीच भाजपा की एक अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि भाजपा का इतिहास सिर्फ 1980 तक ही सीमित नहीं है। देशवासियों के बलिदान के बाद आजादी मिली तो नेहरू देश को कुमार्ग पर लेकर चलने लगे थे।

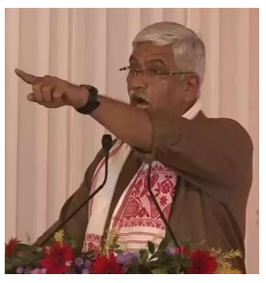

तब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने वर्ष 1951 में जनसंघ की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं की शक्ति को बढ़ाते हुए देश को संपन्न, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाना था। केवल सत्ता प्राप्ति उद्देश्य नहीं था। इसी लक्ष्य को लेकर पार्टी की स्थापना हुई। तब से बिना रुके, बिना थके, बिना झुके निरंतर लाखों-लाख साथियों ने इस उत्कर्ष पर भारतीय जनता पार्टी को पहुंचाने के लिए काम किया। आज देश के लगभग दो तिहाई प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्यक्ष तथा परोक्ष सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार देश की जनता के आशीर्वाद से प्रचंड बहुमत के साथ बनी एनडीए सरकार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रही है। कभी भरोसा भी नहीं था कि हमारी सरकार बनेगी, लेकिन हमारे कार्यकर्ता निरंतर जुटे रहे। इसी का परिणाम है कि आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के इसी परिश्रम के बदौलत आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है। 30 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। यह सब कार्यकर्ताओं के मेहनत के बल पर संभव हुआ है। उन्होंने असम सरकार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि जिस तेजी से असम में कार्य हुआ, वही कारण है कि आज भारत का ग्रोथ इंजन असम बन रहा है।

ईरान रेलवे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ प्रतिनिधिमंडल बरेका पहुंचा, हुआ स्वागत

एजेंसी

वाराणसी। ईरान रेलवे के उप मंत्री एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जब्बार अली जकेरी के नेतृत्व में छह सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बनारस में बरेका स्थित रेल इंजन कारखाना परिसर में पहुंचा। परिसर में महाप्रबधंक बरेका नरेश पाल सिंह और अन्य शीर्ष अफसरों ने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान रेलवे के प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने बरेका की विभिन्न अत्याधुनिक कार्यशालाओं का दौरा किया जिनमें इंजन असेंबली शॉप, लाइट मशीन शॉप, इंजन टेस्टिंग शॉप, लोको असेंबली शॉप, लोको टेस्ट शॉप और टर्बो असेंबली शॉप शामिल रहा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डीजल और विद्युत रेल इंजनों की उत्पादन प्रक्रिया को भी देखा। दल ने बरेका की तकनीकी दक्षता की सराहना की। दल के भ्रमण के दौरान, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सुशील कुमार श्रीवास्तव ने बरेका की उत्पादन प्रक्रियाओं, निर्माण सुविधाओं और वर्तमान दोनों पक्षों के अधिकारियों ने वार्ता की। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते

परियोजनाओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बरेका के इतिहास, मैनपावर दक्षता और लोकोमोटिव निर्माण में इसकी क्षमता के बारे में बताया। प्रतिनिधिमंडल ने स्वागती हॉल में प्रदर्शित एक्सपोर्ट लोको मॉडल्स और बरेका कर्मचारियों द्वारा बनाए गए 'वेस्ट टू आर्ट' प्रोजेक्ट को देखा और इसकी सराहना की। इसके बाद कीर्ति कक्ष में आयोजित बैठक में हुए कहा कि यह दौरा भारत और ईरान के रेलवे नेटवर्क के बीच एक नई और मजबूत साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ईरान रेलवे जब्बार अली जकेरी ने बरेका की उत्पादन क्षमता, तकनीकी उत्कृष्टता और कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि बरेका का योगदान न केवल भारतीय रेलवे, बल्कि वैश्विक रेलवे के लिए भी प्रेरणादायक है।

बेंगलुरु प्रौद्योगिकी,रक्षा,शिक्षा में भारत-अमेरिका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण: जयशंकर

एजेंसी

बेंगलुरु। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बेंगलुरु में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास खोलने की घोषणा के साथ भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में शहर के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि यह द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, विशेष रूप से व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में। डॉ जयशंकर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्थायी अमेरिकी राजनयिक उपस्थिति के लिए बेंगलुरु की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्थानीय प्रतिनिधियों, सांसदों और नागरिकों द्वारा लगातार आवाज उठाई गई थी। उन्होंने कहा कि इस विकास की गति 2023 में विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की यात्रा की अगुवाई में तेज हो गई ।उन्होंने टिप्पणी की

'बेंगलुरु का महत्व निर्विवाद है और यह वाणिज्य दूतावास खोलना वैश्विक कूटनीति में इसकी बढ़ती भूमिका का प्रतिबिंब है। शहर लंबे समय से स्थायी अमेरिकी राजनयिक उपस्थिति का हकदार है जो अब व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और नागरिक सेवाओं को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि नया वाणिज्य दूतावास यात्रा और राजनयिक सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पुल के रूप में काम करेगा। विदेश मंत्री ने इस क्षेत्र में पासपोर्ट जारी करने की उच्च संख्या (पिछले साल 883,000) का उल्लेख किया और अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में बेंगलुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री ने भारत-अमेरिका सहयोग के भविष्य के केंद्र में उभरते तकनीकी परिदृश्य की ओर भी इशारा किया और कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों, अंतरिक्ष अन्वेषण और ड्रोन में प्रगति के साथ बेंगलुरु की तकनीकी क्षमताएं साझेदारी को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।ड़ा जयशंकर ने कहा ÷ विशेष रूप से अंतरिक्ष क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और बेंगलुरु इस उभरती हुई सीमा में सबसे आगे है।÷ उन्होंने रक्षा सहयोग एक अन्य प्रमुख फोकस पर पिछले दो दशकों में महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख किया। भारत की सूची में अमेरिकी हथियारों की अनुपस्थिति से दोनों देश अब उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों को साझा करते हैं जिनमें सी-17, सी-130, चिनूक और अपाचे हेलीकॉप्टर शामिल हैं जो बेंगलुरु के रणनीतिक महत्व को और मजबूत करते हैं। उन्होंने शैक्षिक मोर्चे पर बढ़ते सहयोग के बारे में आशावाद व्यक्त किया, विशेष रूप से भारत की नई शिक्षा नीति के साथ अधिक छात्र आदान-प्रदान और संयुक्त परिसरों को बढ़ावा देने के बारे में।

विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र को नयी शेयर पूंजी आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि से किया गया निर्णय : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र को सरकार की ओर नयी शेयर पूंजी प्रदान करने के निर्णय पर कहा है यह आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि से किया गया निर्णय है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गुरुवार को इस संयंत्र का परिचालन करने वाली सरकारी क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड को पूंजी सहायता देने का फैसला किया।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक पर एक पोस्ट में कहा, 'विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र का आंध्र प्रदेश के लोगों के मन-मस्तिष्क में एक विशेष स्थान है। कल की कैबिनेट बैठक के दौरान प्लांट के लिए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की इक्विटी सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। श्री मोदी ने कहा, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इस्पात क्षेत्र के महत्व को समझते हुए ऐसा किया गया है।'

मध्य प्रदेश में नये आपराधिक कानूनों को जल्द लागू करने के निर्देश दिये शाह ने

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और इन कानूनों को जल्द से जल्द पूरी तरह अमल में लाने को कहा।

बैठक में मध्य प्रदेश में पुलिस, जेल, न्यायालय, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान ब्यूरो के महानिदेशक, अपराध रिकार्ड ब्यूरो के महानिदेशक और केन्द्रीय गृह मंत्रालय एवं राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों में किसी भी मामले में प्राथमिकी से लेकर उच्चतम न्यायालय तक तीन साल में न्याय दिलाने के प्रावधान हैं। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए गृह मंत्री ने शीघ्र नए क़ानूनों को राज्य में शत प्रतिशत लागू करने पर बल दिया। गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद और संगठित अपराध से जुड़ी धाराओं में केस दर्ज करने से पहले पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मामले का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि निरंतर निगरानी होनी चाहिए कि कितनी जीरो प्राथमिकी नियमित प्राथमिकी में बदली गयी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि दो राज्यों के बीच प्राथमिकी स्थानांतरित की जा सके।

उन्होंने हर जिले में एक से अधिक फॉरेंसिक साइंस मोबाइल वैन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। श्री शाह ने अस्पतालों और जेलों में पर्याप्त संख्या में क्यूबिकल बनाने पर भी जोर दिया ताकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए साक्ष्य दर्ज कराने में मदद मिल सके।

श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में आरोपित ऐसे भगोड़ों के खिलाफ अनुपस्थिति में मुकदमें की शुरुआत करनी चाहिए जो लंबे समय से देश से फरार हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में इसका प्रावधान किया गया है जिसके तहत भगोड़े अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पुलिस को पूछताछ के लिए हिरासत में रखे गए लोगों की जानकारी इलेक्ट्रॉनिक डैशबोर्ड पर प्रदान करनी चाहिए, साथ ही जब्ती सूची और अदालतों में भेजे जाने वाले मामलों की जानकारी भी डैशबोर्ड पर रखनी चाहिए। उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक को इन मामलों की निरंतर निगरानी का भी निर्देश दिया। श्री शाह ने फॉरेंसिक विज्ञान के जानकार अधिकारियों की भर्ती पर जोर देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार को इसके लिए नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी से समझौता करना चाहिए।

जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने मिजोरम के राज्यपाल पद की शपथ ली

एजेंसी

आइजोल। पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) ने मिजोरम के 25वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय विश्नोई ने राजभवन के सर्कुलर लॉन में उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री लालदुहोमा, उनके कैबिनेट सहयोगी, विधानसभा अध्यक्ष लालबिआकजामा, उपाध्यक्ष लालफमकीमा और प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। मिजोरम के पूर्व मुख्यमंत्री जोरामथांगा और लाल थनहवला भी इस अवसर पर मौजूद रहे। सेवानिवृत्त जनरल सिंह ने आइजोल आने से पहले गुवाहाटी में स्थित कामाख्या मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पूर्व सेना प्रमुख जनरल विजय कुमार सिंह

(सेवानिवृत्त) का जन्म 10 मई, 1951 में हुआ था। जनरल विजय कुमार सिंह वर्ष 2010 से 2012 तक भारतीय सेना के 24वें सेना प्रमुख रहे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा और गाजियाबाद से लोकसभा चुनाव जीता था। वे मोदी सरकार में विदेश मामलों, सड़क परिवहन, नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके हैं।

पुणे जिले में 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत, 6 घायल

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में 12 लोगों की मौत हो गई है और छह लोग घायल हो गए हैं। सभी छह घायलों का इलाज पुणे के शासकीय अस्पताल में हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इन घटनाओं में मृतकों के परिजनों को प्रत्येक पांच-पांच लाख रुपये आर्थिक मदद की घोषणा की है।

पुलिस के अनुसार आज सुबह पुणे में सासवड-जेजुरी रोड पर बेलसर फाट्या के पास एसटी बस ने मोटर साइकिल से जा रहे तीन लोगों को कुचल दिया। स्थानीय नागरिकों और पुलिस ने तीनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों की पहचान रमेश किसन मेमाने (60), संतोष दत्तात्रय मेमाने (40), और पांडुरंग दामोदर मेमाने (65) के रूप में की गई है। इस घटना में पुलिस ने एसटी बस चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। इसी तरह पुणे-नासिक राजमार्ग पर आज सुबह एक आयशर टैम्पो ने यात्रियों को ले जा रहे मैक्स ऑटो वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद मैक्स ऑटो वाहन आगे जा रही एसटी बस से टकरा गया। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। मृतकों में चार महिलाएं, चार पुरुष और एक बच्चा शामिल है। मृतकों की पहचान देबूबाई दामू टाकलकर (65), विनोद केरूभाऊ रोकड़े (50), युवराज महादेव वाव्हल (23), चंद्रकांत करभारी गुंजाल (57), गीता बाबूराव गवारे (45), भाई राभाजी बड़े (65), नजमा अहमद हनीफ शेख (35) वशीफा वाशिम इनामदार (5) और मनीषा नानासाहेब पाचारणे (56) के रूप में की गई है।

छत्तीसगढ़ के सितरम और कोंगे में हुई मुठभेड़ के बाद आठ लाख का इनामी नक्सली कमांडर गिरफ्तार

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सितरम और कोंगे के मध्य जंगल पहाड़ी क्षेत्र में जिला पुलिस डीआरजी एवं बीएसएफ के संयुक्त बल के साथ शुक्रवार को हुई मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ लाख के इनामी नक्सली कमांडर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार नक्सली कमांडर 39 वर्षीय राकेश उसेंडी ग्राम कतरुकुरूसबोड़ी थाना दुर्गुकोंदल जिला-कांकेर निवासी है। इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने नक्सलियों से 7

एक एयर गन पिस्टल, ड्रील मशीन एक, डीजिटल मल्टीमीटर 1 नग, मोबाईल चार्जर पेड़1 नग, एयरगन एक, नक्सली वर्दी काला कलर एक बीजीएल सेल, खाली बीजीएल सेल-दो, एक भरमार देशी बंदूक, पेंट, दो शर्ट, जूसर एक, बैटरी चार्जर स्विच के साथ वायर पांच, बैटरी 3.6 वोल्ट एक, बैटरी 3.7 वोल्ट छह, बैटरी 1.2 वोल्ट तीन, कैमोप्लाईज पिट्ठू एक सहित अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार कांकेर जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला बल, डीआरजी एवं बीएसएफ की 47वी एवं 94वीं वाहिनी की संयुक्त पार्टी नक्सल सर्चिंग के लिए थाना छोटे बेठिया अंर्तगत कांकेर-नारायणपुर के सरहदी ग्राम मरकाबेड़ा, करसकोड़ो, सितरम व आसपास जंगल क्षेत्र में रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम सितरम व कोंगे के मध्य जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सशस्त्र नक्सली एवं रावघाट/परतापुर एरिया कमेटी के नक्सलियों के द्वारा पूर्व से घात लगाकर सुरक्षा बलों पर अंधाधुनध फायरिंग करने लगे। सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्यवाही में दोनों तरफ से लगभग रुक-रुक एक घंटा तक फायरिंग चलती रही।

पुलिस के बढ़ते दबाव को देखकर नक्सली जंगल-पहाड़ी का आड़ लेकर भाग गए लेकिन एक नक्सली मोतीराम उर्फ राकेश उसेंडी को पकड़ने में सुरक्षा बलों के जवान कामयाब रहे। मुठभेड़ पश्चात घटना स्थल का सर्च करने पर मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों ने छिपाकर कर रखे बड़ी मात्रा में विस्फोटक व अन्य नक्सली सामाग्रियां बरामद किया गया है। घटना में सभी जवान सुरक्षित हैं।

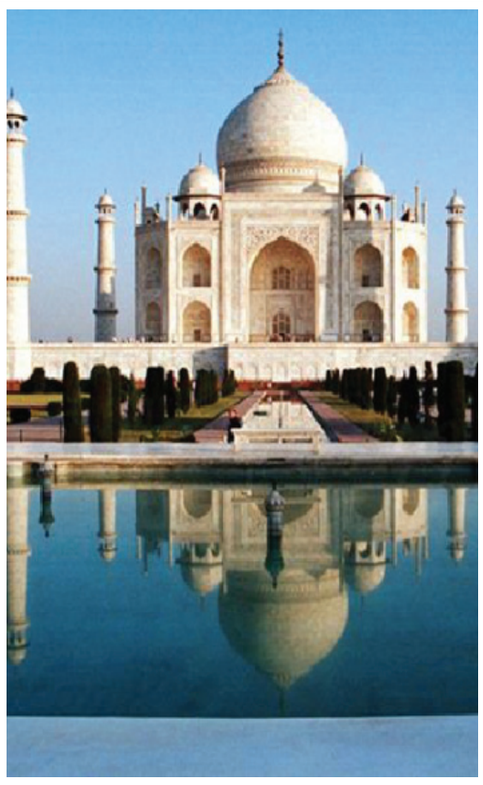

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालाकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

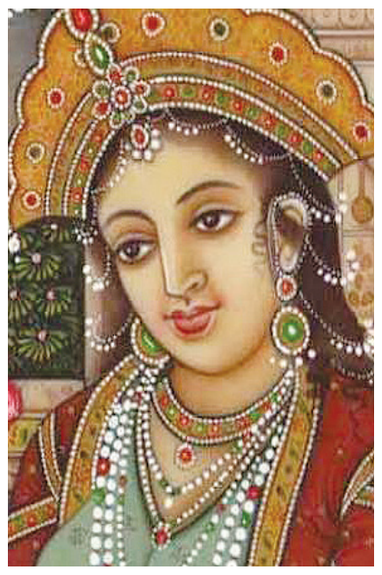

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमाववदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किला: जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबाग: यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवत: आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नहीं जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

शारजाह में दौड़ेगा सिरमौर का पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह

एजेंसी

नाहन। सिरमौर जिला के संगड़ाह मंडल के लगणू गांव निवासी वीरेंद्र सिंह का चयन शारजाह दुबई में होने वाली ओपन पैरा एथेलेटिक्स मीट के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी से 6 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। वीरेंद्र सिंह आयुष विभाग में फार्मेसी अधिकारी के पद पर बोग धार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वीरेंद्र शारजाह में 1500 से 3000 मीटर दौड़ में भाग लेंगे। उनके चयन से क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर दौड़ गयी है।

दर्द के साथ माचैक को मात देकर जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में

मेलबर्न। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पेट में दर्द के बावजूद 26वें वरीय चेक गणराज्य के टॉमस माचैक पर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंतिम 16 में जगह बना ली हैं। 10 बार के टूर्नामेंट चैंपियन जोकोविच ने दूसरे सेट की शुरुआत में ही पेट में तकलीफ के कारण चिकित्सा सहायता मांगी। जोकोविच ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए माचैक को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने वाकई अच्छा खेला। मैं अपने खेल से बहुत खुश हूं। मैं परिणाम से थोड़ा हैरान था। मैंने (दूसरे सेट में) शारीरिक रूप से संघर्ष किया, लेकिन स्थिति को बदलने में कामयाब रहा।

खेल रत्न पुरस्कार मुझे और अधिक जीत के लिए प्रेरित करेगा: मनु भाकर

नयी दिल्ली। प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित भारतीय पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में देश को गौरवान्वित करने और अधिक जीत हासिल करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा। मनु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत की राष्ट्रपति से प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करके मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह सम्मान मुझे और भी अधिक मेहनत करने तथा अपने देश को गौरवान्वित करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा। मैं उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मेरी यात्रा के दौरान मेरा समर्थन, मार्गदर्शन तथा मेरा उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि 22 वर्षीय मनु ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। इसके कुछ ही दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इस जीत के साथ ही वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई।

सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान को संभाला

मुल्तान। सऊद शकील (नाबाद 56) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 51) की जूझारू अर्धशतकीय पारियों ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन कोहरे से बाधित मुकाबले मे लड़खड़ाती पाकिस्तान की पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने 41.3 ओवर में चार विकेट पर 143 रन बना लिये है। इससे पहले आज कोहरे के कारण देर से शुरु हुए मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के गेंदबाज जेडेन सील्स के कहर का समाना करना पड़ा। मैच में एक समय पाकिस्तान ने 13.3 ओवर में 46 के स्कोर पर अवने चार विकेट गवां दिये थे। मोहम्मद हुरैरा (छह), कप्तान शान मसूद (11), कामरान गुलाम (पांच) और बाबर आजम (पांच) रन बनाकर आउट हुये। खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने के समय पाकिस्तान ने चार विकेट पर 143 रन बना लिये थे और सऊद शकील (नाबाद 56) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 51) क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स ने 10 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिये। गुडाकेश मोती को एक विकेट मिला।

राष्ट्रपति ने मप्र के दो पैरालम्पिक खिलाड़ी रुबीना और कपिल को अर्जुन अवॉर्ड 2024 से किया सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। पेरिस पैरालंपिक में देश का नाम रोशन करने वाले मध्य प्रदेश के दो खिलाड़ियों जबलपुर की पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस और सीहोर के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार को देश के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार अर्जुन अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस और जूडो खिलाड़ी कपिल परमार को देश के प्रतिष्ठित अर्जुन अवॉर्ड 2024 से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से प्रदेश और देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से प्रदेश के खिलाड़ियों को इसी तरह प्रदर्शन तथा प्रतिभा से नए कीर्तिमान स्थापित करने की प्रार्थना की है। रुबीना फ्रांसिस जबलपुर की निवासी हैं। वह मध्य प्रदेश की पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पैरालंपिक में पदक जीता है। उन्होंने ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में 10 मीटर एयर

पिस्टल एसएच 1 इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया और ब्रॉन्ज मेडल जीता। गोल्ड ईरान के जवानमार्दी ने 236.8 पॉइंट के साथ और सिल्वर तुर्की की ओजगन ए ने 231.1 पॉइंट के साथ जीता। रुबीना ने 211.1 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। यह उनका दूसरा ओलंपिक था, इससे पहले वे 2022 के टोक्यो पैरालंपिक में भी भाग ले चुकी हैं। रुबीना ने 2017 और 2018 में लगातार दो बार जूनियर रिकॉर्ड स्थापित किए और 2018 में फ्रांस में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। अब तक उन्होंने 10 इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया है और 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 6 मेडल जीते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने 13 गोल्ड, 3 सिल्वर और कुल 17 मेडल हासिल किए हैं। वहीं, सीहोर के रहने वाले कपिल परमार ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में जूडो के -60 किग्रा जे-1 वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था। पांच सितंबर 2024 को उन्होंने ब्राजील के एलील्टन डी ओलिवेरा को 10-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। जूडो में पैरालंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा खिलाड़ी बने।

कपिल दृष्टिबाधित हैं और करंट लगने के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। हालांकि, उन्होंने इसे अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और जे-1 श्रेणी में दृष्टिबाधित खिलाड़ियों को सामान्य दृष्टि वाले व्यक्तियों की अपेक्षा कम दिखाई देता है। पैरालंपिक से पहले, कपिल एशियन पैरा गेम्स में सिल्वर मेडल भी जीत चुके हैं।

चंद्र प्रकाश अग्रवाल मेमोरियल यूपी राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट 25 जनवरी से

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में टेनिस को प्रमोट करने और खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण रेंकिंग अंक पाने का मौका देने के लिए चंद्र प्रकाश अग्रवाल मेमोरियल यूपी राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन 25 जनवरी से एक फरवरी तक होगा। उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में एसडीएस टेनिस अकादमी द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट के मैच अत्याधुनिक एसडीएस लामार्टिनियर टेनिस फैसिलिटी के टेनिस कोर्ट पर खेले जाएंगे। इस बारे में आयोजित प्रेस वार्ता में टूर्नामेंट संयोजक पवन सागर ने बताया कि ज्ञान डेयरी (ज्ञान दूध) द्वारा प्रायोजित आठ दिवसीय इस टूर्नामेंट में पुरुष व महिलाओं के एकल व युगल के मुकाबलों के अलावा आयु वर्ग में भी स्पर्धाएं होंगी। टूर्नामेंट में अंडर-10, अंडर-12, अंडर-14, अंडर-16 व अंडर-18 आयु वर्ग में बालक व बालिका एकल व युगल वर्ग के मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में पूरे प्रदेश के 150 से अधिक उम्दा खिलाड़ी अपने खेल का जौहर दिखाने उतरेंगे। संयोजक पवन सागर ने बताया कि इस टूर्नामेंट में प्रदेश के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है, जिससे यह टूर्नामेंट उत्तर प्रदेश के टेनिस कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन जाएगा। यहां खेल प्रेमियों को रोमांचक मैच में खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने का मौका मिलेगा। यहीं नहीं, इस टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर महत्वपूर्ण रैंकिंग प्वाइंट भी मिलेंगे।उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के सचिव पुनीत अग्रवाल ने बताया कि यह टूर्नामेंट उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और पेशेवर स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए एक का मंच प्रदान करेगा। यह टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को टेनिस के प्रति प्रेरित करने और जमीनी स्तर पर इस खेल को प्रोत्साहन देने का भी काम करेगा।

भारत की पुरुष और महिला टीम ने खो-खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की पुरुष और महिला खो-खो टीमों ने खो-खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रवेश कर लिया है। भारतीय टीमों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन कर प्रतिद्वंद्वी टीमों को हराया।

पुरुष वर्ग: भारत ने श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारतीय पुरुष टीम ने कप्तान प्रतीक वायकर, रामजी कश्यप, और आदित्य गणपुले की अगुआई में शानदार खेल दिखाते हुए श्रीलंका को 100-40 के बड़े अंतर से हराया।

टर्न 1: भारतीय टीम ने 58 अंक बनाकर दमदार शुरुआत की। टीम ने श्रीलंका को कोई अंक नहीं बनाने दिया, जिससे खेल पर शुरुआती नियंत्रण बना।

टर्न 2: श्रीलंका ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने उन्हें रोके रखा। रामजी कश्यप और अनिकेत पोटे ने टीम की बढ़त को मजबूत बनाए रखा।

टर्न 3 और 4: भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया। वी सुब्रमणि, शिवा रेड्डी, और प्रतीक वायकर के शानदार स्काई डाइव और पोल डाइव ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

मैच पुरस्कार:

सर्वश्रेष्ठ अटैकर: वी सुब्रमणि (भारत)

सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर: ससीनाडु (श्रीलंका)

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: रामजी कश्यप (भारत)

महिला वर्ग: बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

कप्तान प्रियंका इंगले के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 109-16 के विशाल अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

टर्न 1 : भारत ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाया। प्रियंका इंगले और नसरीन शेख ने शानदार खेल दिखाया।

टर्न 2 : भारत ने 5 मिनट 36 सेकंड का ड्रीम रन बनाया, जिसमें अश्विनी शिंदे और रेशमा राठौड़ का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा।

टर्न 3 और 4 : रेशमा राठौड़ के शानदार स्काई डाइव और टीम के ठोस प्रदर्शन ने भारत को लगातार पांचवीं बार 100+ अंक बनाने में मदद की।

अन्य क्वार्टर फाइनल परिणाम

महिला वर्ग:

युगांडा ने न्यूजीलैंड को 71-26 से हराया।

दक्षिण अफ्रीका ने केन्या को 51-46 के करीबी मुकाबले में हराया।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल: असम टीम की जर्सी लॉन्च समारोह 19 को

एजेंसी

गुवाहाटी। उत्तराखंड में होने वाले आगामी 38 वें राष्ट्रीय खेलों के असम टीम की जर्सी का अनावरण समारोह 19 जनवरी को गुवाहाटी के सरूसजाई खेल परिसर में होगा। असम ओलंपिक संघ के सचिव लक्ष्मीकांत कोंवर ने बताया कि असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के सहयोग से असम ओलंपिक संघ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें असम टीम को राष्ट्रीय खेलों के लिए औपचारिक विदाई दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और असम ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सर्बानंद सोनोवाल, संघ के दो वरिष्ठ उपाध्यक्ष और असम सरकार के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, जयंतमल्ल बरुवा के साथ ही खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा भी उपस्थित रहेंगी। इसके अलावा, उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों के असम टीम के मिशन प्रमुख अभिजीत भट्टाचार्य, ओलंपिक पदक विजेता और खेल रत्न से सम्मानित राज्य की एकमात्र खिलाड़ी लवलीना

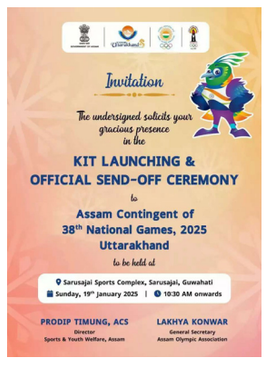

बरगोहाई, ओलंपियन आर्चर जयंत तालुकदार और कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता नयनमणि सैकिया सहित कई अन्य खिलाड़ी और संगठन के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह भी बताया गया कि असम ओलंपिक संघ 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए 22 खेलों में लगभग 30 खिलाड़ियों का दल भेजेगा। असम सरकार के सहयोग से असम टीम की हवाई यात्रा का प्रबंध भी किया गया है। इससे पहले, पिछले राष्ट्रीय खेलों में असम ने 56 पदक जीतकर 12वां स्थान प्राप्त किया था। इस बार असम टीम में ओलंपियन, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ी भी होंगे। इस बार 17 साल बाद असम की पुरुष फुटबॉल टीम ने राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए योग्यता प्राप्त किया है। गौरतलब है कि 2007 में असम में आयोजित 33वें राष्ट्रीय खेलों में असम की पुरुष फुटबॉल टीम ने स्वर्ण पदक जीता था।

राष्ट्रीय खेल नोडल ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में व्यवस्थाएं जांची

एजेंसी

उधमसिंह नगर। उत्तराखंड समाज कल्याण सचिव व उधम सिंह नगर के 38 वें राष्ट्रीय खेल के नोडल नीरज खैरवाल ने स्पोर्ट्स स्टेडियम व 46 वीं बटालियन पीएसी में ट्रैप शूटिंग प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बहुउद्देशीय हॉल में बालीवाल व हैंडबाल, वैलोड्रोम में साइक्लिंग की सभी व्यवस्थाएं 25 जनवरी तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्टेडियम के अन्दर व बाहर वॉल पेंटिंग के कार्य भी 25 जनवरी तक पूर्ण करने को कहा।उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को प्रतिदिन कार्ययोजना बना कर पूर्ण करे ।उन्होंने जिलाधिकारी को प्रतिदिन कार्य प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी खैरवाल ने 46वीं बटालियन ट्रैप शूटिंग का निरीक्षण करते हुए कार्यों में गति लाकर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शूटिंग स्थल पर शौचालय व दर्शक दीर्घा भी बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शूटिंग स्थल की दीवारों पर भी खेल थीम पर पेंटिंग कराये। उन्होंने कहा जिन स्थलों पर राष्ट्रीय खेल आयोजित हो रहे हैं। वहां उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए व सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता रखी जाए। बाद में नोडल अधिकारी खैरवाल ने जिलाधिकारी कैंप कार्यालय में अधिकारियों व इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के मैनेजर के साथ बैठक कर खिलाड़ियों, कोच व तकनीकी स्टाफ के रहने व खाने की उचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। साथ ही दैनिक मेन्यू प्रदर्शित करते हुए भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि होटल के साथ ही उनके रूम की कैटेगरी तय की जाए व उसी के अनुसार खिलाडियों की वरीयता के क्रम मे आवंटन करें ताकि खिलाड़ियों को उचित व्यवस्था मिल सके। इवेंट कंपनियां व अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें तथा सभी आवश्यक जानकारियों को आपस में साझा करें ताकि किसी भी प्रकार कमी न रहने पाए। उन्होंने जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया को होटल व भोजन व्यवस्थाओं की जांच हेत टीम गठित करने के निर्देश दिए ताकि यह टीम नियमित रूप से भोजन व होटल व्यवस्थाओं की जांच कर रिपोर्ट दें। इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, निदेशक डेयरी व नोडल राष्ट्रीय खेल ऊधम सिंह नगर संजय कुमार, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ओसी गौरव पांडे, उपनिदेशक खेल रसिका सिद्दीकी, जिला खेल अधिकारी जानकी कार्की, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, ईवेंट मैनेजर मधुसूदन, सुशील, यश संपत आदि मौजूद थे।

मान ने खिलाड़ियों व उनके कोचों को दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रदेश के तीन खिलाड़ियों राष्ट्रपति भवन में सर्वोच्च खेल पुरस्कारों से सम्मानित करने पर खिलाड़ियों और उनके कोचों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री मान ने कहा कि पंजाबियों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि तीन खिलाड़ियों को आज राष्ट्रपति भवन में सर्वोच्च खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान सरपंच हरमनप्रीत सिंह को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के साथ-साथ सुखजीत सिंह काका और जर्मनप्रीत सिंह को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक खेल प्रेमी के रूप में, मैं सभी खिलाड़ियों, उनके परिवारों और कोचों को पुरस्कारों के लिए शुभकामनाएं देता हूं और भविष्य में खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की आशा करता हूं। हमारी सरकार पंजाब के खेलों में खोए गौरव को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एबीवीपी एवं खेलो भारत के संयुक्त तत्वाधान में जेएनयू में 3 दिवसीय जेएनयू ओलम्पिक खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) जेएनयू इकाई एवं खेलो भारत, संयुक्त तत्वाधान में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जेएनयू ओलिंपिक नाम से तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रही है। यह प्रतियोगिता 20 से 22 जनवरी तक चलेगी। एबीवीपी जेएनयू के कार्यकर्ता सभी छात्रों तक पहुंच कर उन्हें इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का पंजीकरण आरम्भ हो चुका है और विश्वविद्यालय के अनेक छात्र छात्राओं के उत्साहपूर्ण पंजीकरण लगातार प्राप्त हो रहे हैं।

इस प्रतियोगिता में 24 विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कई प्रकार के अन्तःकक्ष (इंडोर) खेल जैसे बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस एवं कई प्रकार के बहिर्कक्ष खेल जैसे वॉलीबॉल, बास्केटबॉल आदि का आयोजन किया जा रहा है। एथलेटिक खेलों के साथ साथ खो-खो एवं कबड्डी जैसे पारम्परिक खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त रिले रेस एवं टग ऑफ़ वॉर जैसे सामूहिक खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। जेएनयू ओलिंपिक का मुख्य आकर्षण यह है कि इन प्रतियोगिताओं में दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए भी प्रतिभाग हेतु विशेष आयोजन किया गया है। दिव्यांग प्रतिभागियों हेतु व्हीलचेयर रेस, शतरंज, मैराथन (विद एस्कॉर्ट) जैसे खेलों का आयोजन किया जा रहा है। विजेताओं को उपहार स्वरूप प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर एबीवीपी जेएनयू इकाई के अध्यक्ष राजेश्वरकान्त दूबे ने कहा, हमारे विश्वविद्यालय में प्रथम बार इस स्तर पर एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। छात्र अत्यंत उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में पंजीकरण करवा रहे हैं। एबीवीपी जेएनयू इकाई की मंत्री शिखा स्वराज ने कहा, हमारे विश्वविद्यालय का नाम अकादमिक क्षेत्र में पहले से विख्यात है किन्तु खेल के क्षेत्र में छात्रों का प्रोत्साहन किया जाना भी बहुत आवश्यक, जिससे छात्र अपने स्वास्थ्य एवं इस सम्बन्ध में करियर के प्रति भी जागरूक होते हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान को आगे ले जाते हुए हमें खेलों को हर विश्वविद्यालय तक ले जाना है। ऐसा संकल्प छात्र एवं सम्पूर्ण युवा वर्ग को लेने की आवश्यकता है। दिव्यांग छात्रों के लिए भी व्हील चेयर रेस, चेस , एवं मैराथन विद एस्कॉर्ट जैसी प्रतियोगिताएं का आयोजन भी इस ओलम्पिक में होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : चोटिल ओसाका तीसरे दौर में बेनसिक के खिलाफ हुई रिटायर

एजेंसी

मेलबर्न। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में महिला एकल के तीसरे दौर में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक के खिलाफ अस्वस्थ होने के कारण रिटायर हो गईं। पूर्व विश्व नंबर 1 ने पहला सेट टाईब्रेक में 6-7 (3-7) से गंवा दिया और फिर असुविधा के कारण मैच से हट गईं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को पहले सेट में 6-5 के स्कोर पर ट्रेनर से अपने पेट के इलाज की आवश्यकता पड़ी, जिसे अंततः वह अपने स्विस प्रतिद्वंद्वी से टाईब्रेक में हार गईं। कुछ ही देर बाद उन्होंने बेनसिक से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चली गईं।

यह 2022 के बाद पहली बार था जब ओसाका किसी ग्रैंड स्लैम में तीसरे दौर में पहुंचीं थीं। वह पिछले कुछ समय से टेनिस से दूर थीं, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक लिया और बाद में अपनी गर्भावस्था के दौरान टेनिस कोर्ट से दूर हो गईं।

उनकी बेटी शाई का जन्म जुलाई 2023 में हुआ था।ओसाका ने इस सीज़न की जोरदार शुरुआत की और 5 जनवरी को ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में एक टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। हालाँकि, पेट की चोट के कारण खिताबी मुकाबले के दौरान उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राष्ट्रीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेंगे बीएनएसडी के आठ छात्र

एजेंसी

कानपुर। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के आठ छात्र-छात्राओं ने प्रदेशीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनके इस उत्कर्ष प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता का हिस्सा बनने का मौका मिला है। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह ने दी। बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रखने के लिए खेलों के प्रति प्रेरित किया जाता है। इसी कड़ी में विद्यालय के आठ खिलाड़ियों ने अंडर 14 बालक वर्ग में मोनाक्ष, हार्दिक उत्तम, गौरांग और शौर्य एवं बालिका वर्ग में आद्या, आन्या, विधॉशी और रिसिका ने प्रदेशीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनके इस बेहतर प्रदर्शन से उन्हें 68

वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिल रहा है। महाराष्ट्र के नांदेड में होने वाली यह प्रतियोगिता 21 से 24 जनवरी तक आयोजित होगी। जिसे लेकर छात्रों के साथ-साथ विद्यालय के अध्यापकों तक अयोध्या से रवाना होंगे। विद्यालय के प्रबंधक आदित्य शंकर बाजपेयी, प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्य मंजूबाला श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों (छात्र-छात्राओं) को विजयी होने का आशीर्वाद दिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, पीवी सिंधु हारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के जिन जोंग और कांग मिन ह्यूक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं भारत दिग्गज शटलर पीवी सिंधु को इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के क्वार्टरफाइनल में ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को विश्व की पांचवें नंबर की इंडोनेशिया की बैडमिंटन खिलाड़ी से 9-21, 21-19, 17-21 से हार मिली।

पहला गेम में बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के 16वें नबंर पर काबिज पीवी सिंधु को बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दूसरे गेम में सिंधु ने वापसी करते हुए कांटे की टक्कर वाले गेम में 7-9 से पिछड़ने के बावजूद गेम पर पकड़ बनाए रखी। वापसी करते हुए सिंधु ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और 14-10 की बढ़त हासिल की। हालांकि विपक्षी खिलाड़ी ने एक बार फिर भारतीय शटलर पर दबाव बनाया और दूसरे गेम में 14-14 से बराबरी कर ली।

इसके बाद सिंधु ने तीन अंक और हासिल किए लेकिन एक बार फिर ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग ने गेम में बराबरी कर ली। बहरहाल, गेम के अंत में सिंधु ने शानदार खेल दिखाते हुए गेम को 21-19 के स्कोर से जीत कर मैच में 1-1 की बराबरी कर ली। अंतिम और निर्णायक गेम में सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखते हुए शानदार शुरुआत की। इस गेम में दोनों शटलरों ने अपना पूरा दम-खम लगा दिया और मुकाबला बराबरी पर चल रहा था। गेम 17-17 की बराबरी पर पहुंच चुका था और यहां से जीत किसी भी खेमे में अपनी दस्तक दे सकती थी।

आखिरी लम्हों में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग ने लगातार चार अंक हासिल करते हुए गेम के साथ-साथ मैच को भी अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ही पीवी सिंधु का इस टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया।

वहीं, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया के जिन जोंग और कांग मिन ह्यूक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।पहले गेम में भारतीय जोड़ी ने आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए 21-10 के बड़े अंतर से एकतरफा जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने अपने चित-परिचित अंदाज में शानदार प्रदर्शन किया और दूसरे गेम को भी जीत कर मैच को 21-10, 21-17 से अपने नाम कर लिया। पुरुष एकल वर्ग में भारतीय शटलर किरण जॉर्ज को जापान के वेंग होंग यांग से 13-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी 'शाह बानो' की कहानी

यामी गौतम

निभाएंगी लीड रोल

हिंदी सिनेमा में पिछले कुछ वक्त से रियल लाइफ पर आधारित कई फिल्में बन रही हैं. ऐसी फिल्मों ने दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर खींचा है. अब कुछ ऐसी ही एक और ऐतिहासिक फिल्म बनने जा रही है, जिसमें यामी गौतम अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में 'शाह बानो' केस की कहानी को दिखाया जाएगा और अहम भूमिका निभाएंगी 'आर्टिकल 370' वाली यामी गौतम. यामी गौतम ने कुछ महीनों पहले ही एक बेटे को जन्म दिया है और मां बनने के बाद ये उनकी पहली फिल्म होगी.

शाह बानो बनने की तैयारी कर रहीं यामी गौतम

सुप्रीम कोर्ट में लड़े गए मोहम्मद अहमद खान वर्सेज शाह बानो बेगम केस पर फिल्म बनने जा रही है, जिसमें यामी गौतम 62 साल की मुस्लिम महिला शाह बानो बेगम का किरदार निभाने जा रही हैं. इस रोल में फिट बैठने के लिए यामी ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. ये फिल्म पूरी तरह से शाह बानो केस पर आधारित होगी.शाह बानो ने अपने पति मोहम्मद अहमद खान से तीन तलाक के बाद सुप्रीम कोर्ट में धारा 125 के तहत मेंटेनेंस के लिए पिटीशन फाइल की थी. शाह बानो के पति ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देते हुए कहा था कि मेंटेनेंस केवल इद्दत के दौरान दिया जाता है. ये कानूनी लड़ाई सात साल तक चली और अप्रैल 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया. ये घटना भारत के कानूनी और सामाजिक इतिहास में महत्वपूर्ण है.

बेहद खुश हैं यामी

शाह बानो केस पर आधारित इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स द्वारा इनसोम्निया मीडिया के विशाल गुरनानी और जूही पारेख मेहता मिलकर बनाएंगे. इस प्रोजेक्ट का निर्देशन सुपर्ण वर्मा करने जा रहे हैं जो कि 'फैमिली मैन सीजन 2' बना चुके हैं और अपने सधे हुए डायरेक्शन के लिए जाने जाते हैं. यामी गौतम इस तरह का आइकॉनिक किरदार निभाने के लिए बेहद खुश नजर आ रही हैं. इसके अलावा उनके पास प्रतीक गांधी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'धूम धाम' भी है. जिसमें वो लोगों को गुदगुदाती नजर आएंगी.

मैं शाहरुख को थप्पड़ मार देती... बहू ऐश्वर्या के लिए क्यों किंग खान को थप्पड़ मारना चाहती थीं जया बच्चन?

ऐश्वर्या राय बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में शामिल हैं, जिनको उनकी खूबसूरती के साथ ही साथ उनके एक्टिंग और उनके बुद्धि के लिए जाना जाता है. उन्होंने इंडस्ट्री के सभी बड़े स्टार्स के साथ काम किया है. यहां तक कि उन्होंने हॉलीवुड की फिल्मों में भी काम किया है. हालांकि , कुछ फिल्में ऐसी भी हैं, जिनमें पहले ऐश्वर्या का नाम शामिल था, लेकिन बाद में उसे हटा दिया गया और बाद में वो फिल्में सुपरहिट साबित हुई थी. कमाल की बात ये है कि ये सभी फिल्में शाहरुख खान के साथ थी.शाहरुख खान के साथ ऐश्वर्या पांच फिल्मों में नजर आने वाली थीं, जिनमें वीर जारा और चलते चलते जैसी सुपरहिट फिल्मों का नाम शामिल है. इन फिल्मों के लिए मेकर्स की पहली पसंद ऐश्वर्या थीं, लेकिन बाद में उनका नाम इन प्रोजेक्ट्स से हटा दिया गया. हालांकि, इसकी वजह एक्ट्रेस को कभी नहीं बताई गई. एक पुराने इंटरव्यू में जब एक्ट्रेस से इन फिल्मों से बाहर निकाले जाने के बारे में पूछा तो उन्होंने इस दौरान अपनी गरिमा की बात की.

शाहरुख खान ने मांगी माफी

सिमी गरेवाल के साथ हुए एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या से पूछा गया कि उन्हें फिल्मों से बाहर क्यों निकाला गया, इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया कि मेरी गरिमा मेरे लिए बहुत प्यारी है. उन्होंने आगे कहा कि मेरा स्वभाव ऐसा नहीं है कि मैं इसके बारे में जाकर पूछती. अगर कोई शख्स किसी बारे में बताना चाहेगा तो बता देगा, लेकिन वहीं अगर नहीं बताना चाहता है तो इसका मतलब ही ये है कि उसका कोई इरादा नहीं है. इस बात की जानकारी जब शाहरुख खान को हुई, तो उन्होंने एक्ट्रेस से माफी मांगी. हालांकि, इसकी वजह से दोनों के बीच रिश्ते खराब हो गए थे.

सबसे पसंदीदा फीमेल को-स्टार

शाहरुख ने भी इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की. उन्होंने कहा कि सारा कुछ उनके हाथ में नहीं था, क्योंकि वो फिल्म के अकेले प्रोड्यूसर नहीं थे. आगे एक्टर ने बताया कि इस बात की जानकारी होने पर उन्हें काफी बुरा लगा था, क्योंकि ऐश्वर्या के साथ उनकी दोस्ती काफी अच्छी है. शाहरुख ने कहा था कि ऐश्वर्या उनकी सभी फीमेल को-स्टार में सबसे पसंदीदा हैं. फिल्मों के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत दुख है कि कुछ फिल्मों में हम दोनों ने साथ काम नहीं किया. दोनों ने एक साथ देवदास, मोहब्बतें, जोश जैसी फिल्मों में काम किया है.

जब आमिर की Fanaa के चलते काजोल ने करण जौहर को इस फिल्म के लिए किया मना, आखिर क्या थी वजह

आमिर खान और काजोल की जोड़ी को 'फना' में लोगों ने खूब पसंद किया था. दोनों की ये फिल्म भी बंपर चली थी. ये पहली बार था जब काजोल किसी फिल्म में आमिर खान के अपोजिट नजर आई थीं. फना यशराज के बैनर तले बनी थी और फिल्म को डायरेक्ट किया था कुणाल कोहली ने. इस फिल्म के जरिए काजोल बिग स्क्रीन पर पांच साल के बाद वापस आई थीं और ये उनका शानदार कमबैक था. इस फिल्म के गाने भी खूब पॉपुलर हुए थे, जो कि आज भी सुने जाते हैं. लेकिन क्या आपको मालूम है कि आमिर खान की 'फना' के लिए काजोल ने अपने दोस्त करण जौहर की फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था. चलिए आज हम आपको ये किस्सा बताते हैं.शाहरुख खान के साथ फिल्मों में रोमांस करने वाली काजोल जब बड़े पर्दे पर आमिर खान के साथ नजर आईं तो हर कोई दोनों को देखने के बाद हैरान रह गया था. हालांकि दोनों की जोड़ी को खूब प्यार मिला.

विवादों में आ गई थी फना

उस वक्त आमिर खान और काजोल की 'फना' काफी समय तक विवादों में रही थी. गुजरात में तो फिल्म पर खूब बवाल हुआ था, क्योंकि आमिर खान 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' में सोशल वर्कर्स और किसानों के साथ 'नर्मदा बचाओ अभियान' का समर्थन कर रहे थे और सरदार सरोवर डैम का विरोध कर रहे थे. इसलिए इसका असर फिल्म पर देखने को मिला और थिएटर्स के मालिकों ने बिना सिक्योरिटी के फिल्म रिलीज करने से इनकार कर दिया था. लोगों ने आमिर खान और उनकी फिल्म का जमकर विरोध किया था.

जब काजोल ने दोस्त करण की फिल्म करने से किया इनकार

फिल्मीबीट की रिपोर्ट की मानें तो जब काजोल को फिल्म 'फना' ऑफर हुई थी तो उनको इसकी कहानी पसंद आई और उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दी थी. उसी वक्त करण जौहर अपनी मूवी 'कभी अलविदा न कहना' बना रहे थे. इसी दौरान करण जौहर ने काजोल को इस फिल्म के लिए अप्रोच किया. 'कभी अलविदा न कहना' में रानी मुखर्जी, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और अभिषेक बच्चन जैसे स्टार्स थे, लेकिन फिर भी काजोल ने 'फना' के लिए अपने दोस्त की फिल्म करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उस वक्त वो अपना सारा फोकस 'फना' पर करना चाहती थीं. शायद बहुत ही कम लोग इस बात को जानते होंगे कि 'फना' के लिए काजोल का नाम आमिर खान ने ही कुणाल कोहली को सुझाया था.

महाकुंभ स्नान भवः...

अमिताभ बच्चन

ने किया पोस्ट, फैन्स को सताई बिग बी के सेहत की चिंता

संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ का शुभारंभ हो चुका है. देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लोग इसमें आस्था की डुबकी लगा रहे हैं. उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के बावजूद महाकुंभ को लेकर लोगों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आ रही है. खबर है कि इसबार महापर्व में हिस्सा लेने के लिए बॉलीवुड सेलिब्रिटी आलिया भट्ट और रणबीर कपूर समेत अमिताभ बच्चन भी इसमें शामिल हो सकते हैं. इसी बीच अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है, जो कि इस वक्त वायरल हो रहा है. अमिताभ ने अपने पोस्ट में महाकुंभ का जिक्र किया है, जिसके बाद से फैन्स को उनकी सेहत की चिंता सताने लगी है.आज सुबह एक्स पर अमिताभ बच्चन ने लिखा, महाकुंभ स्नान भवः". इसके बाद तो बिग बी की पोस्ट पर कमेंट करने वालों की बाढ़ सी आ गई. लोगों को सर्दी की वजह से अमिताभ की सेहत की चिंता भी सताने लगी. फैन्स ने उनको सलाह दी कि सर्दी बहुत अधिक है तो वो ध्यान से रहें, नहीं को ठंड लग जाएगी.

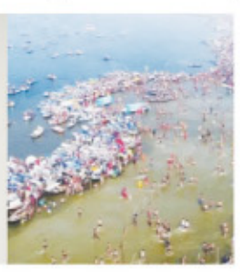

अमिताभ की पोस्ट पर लोगों के कमेंट्स

अमिताभ बच्चन की इस पोस्ट पर एक यूजर ने पूछा, सर क्या आपने स्नान कर लिया ? वहीं एक और यूजर ने लिखा, आप क्यों नहीं गए ? एक अन्य फैन ने लिखा, हर हर महादेव, सत्य सनातन धर्म की जय हो. ठंड से बचकर स्नान करिएगा सर जी. एक और फैन ने लिखा, आस्था के महाकुंभ में पावन स्नान पर आपको बहुत सारी शुभकामनाएं बच्चन जी. इसके अलावा भी कई लोगों ने अलग-अलग कमेंट्स किए हैं.

ठंड के बावजूद महाकुंभ में श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं

महाकुंभ की बात करें तो कड़ाके की ठंड के बाद भी आज कुंभ मेले का तीसरा दिन है. पूरे उत्साह के साथ श्रद्धालु महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए त्रिवेणी संगम में इकट्ठे हो रहे हैं. इस खास मौके पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा के पूरे इंतजामात किए गए हैं. चप्पे-चप्पे पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. इसके अलावा विदेशों से भी लोग कुंभ नहाने के लिए पहुंच रहे हैं.

वर्कफ्रंट पर अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी पिछली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' थी. इस फिल्म में अमिताभ अश्वत्थामा के किरदार में नजर आए थे.